



**SSC
WALLAH**

दक्ष करेंट अफेयर्स

जुलाई - 2026

हान सियोंग-सूक को दक्षिण कोरिया का नया
प्रधानमंत्री नामित किया गया

पश्चिम बंगाल ने महिला सशक्तीकरण के लिए
'अन्नपूर्णा योजना' शुरू की



श्री डी. के. शिवकुमार ने कर्नाटक के 18वें
मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

भारत ने लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल
(LRLACM) का सफल परीक्षण किया

SSC CGL, CHSL और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

लेखक के विचार

- लेखकों के विचार और मत उनके अपने हैं, और जरूरी नहीं कि यह करंट अफेयर्स पत्रिका या फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड को प्रतिबिंबित करें। उन्हें लेखक या लेखकों के व्यक्ति के दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए। पत्रिका के विज्ञापन में बताए गए विचारों और विचारों का फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड समर्थन नहीं करता है, न ही यह उनमें किए गए किसी भी दावे की सत्यता को प्रमाणित करता है। यद्यपि पत्रिका में प्रकाशित जानकारी की शुद्धता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए बहुत सावधानी बरती गई है, न तो प्रकाशक, संपादक और न ही इसके किसी भी कर्मचारी को किसी भी गलत, संक्षिप्त, निरस्त, छोड़े गए या गलत तरीके से डाले गए डेटा के लिए कोई दायित्व नहीं लेता है।
- सभी अधिकार फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा सुरक्षित हैं। प्रकाशक के लिखित सहमति के बिना, इस प्रकाशन के किसी भी भाग का पुनरुत्पादन नहीं बनाया जा सकता है, पुनः इसे किसी भी रूप में रखा नहीं जा सकता है, या किसी भी तरह से प्रसारित नहीं किया जा सकता है, चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्य किसी भी रूप में हो।

समावेश

1. राष्ट्रीय समाचार	1
2. अंतरराष्ट्रीय समाचार	13
3. राज्य समाचार.....	19
4. व्यवसाय और अर्थव्यवस्था	25
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	31
6. रक्षा समाचार.....	35
7. नियुक्तियाँ.....	38
8. समझौता ज्ञापन.....	43
9. शिखर सम्मेलन	44
10. रिपोर्ट्स और सूचकांक.....	47
11. खेल समाचार	51
12. पुरस्कार और सम्मान समाचार.....	56
13. सरकारी योजनाएँ.....	59
14. निधन समाचार.....	61
15. पुस्तकें और लेखक समाचार.....	64
16. महत्वपूर्ण दिवस समाचार	65

झारखंड के हजारीबाग में 3,200 वर्ष पुरानी प्राचीन बस्ती की खोज हुई



- पुरातत्वविदों ने झारखंड के हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड स्थित मोहाने नदी बेसिन में लगभग 3,200 वर्ष पुरानी मानव बस्ती के साक्ष्य खोजे, जो ताम्रपाषाण काल से निरंतर मानव निवास का संकेत देते हैं।
- देहर, सोहरा, मंगरह और हथिंदर गांवों में की गई खुदाई के दौरान प्राचीन मिट्टी के बर्तन, औजार, भूमिगत संरचनाएँ और अन्य सांस्कृतिक अवशेष प्राप्त हुए।
- आईआईटी-आईएसएम धनबाद और विश्वभारती विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 100 फीट से अधिक क्षेत्र में फैली भूमिगत संरचनाओं का पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक का उपयोग किया।
- इस स्थल से नॉर्दर्न ब्लैक पॉलिशड वेयर (एनबीपीडब्ल्यू) प्राप्त हुआ, जो भारतीय उपमहाद्वीप के प्रारंभिक ऐतिहासिक काल से संबंधित माना जाता है।
- पुरातत्वविदों ने बुद्ध, तारा, विष्णु, ब्रह्मा और गणेश की बौद्ध तथा हिंदू मूर्तियाँ भी बरामद कीं, जो इस क्षेत्र में लंबे समय तक धार्मिक निरंतरता का संकेत देती हैं।

जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के अध्ययन हेतु केंद्र ने उच्चस्तरीय समिति का गठन किया



- केंद्र सरकार ने भारत में अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से होने वाले जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया।
- इस समिति की अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर करेंगे।
- समिति के सदस्यों में जनगणना आयुक्त, पूर्व आईएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और अर्थशास्त्री शामिका रवि शामिल हैं।
- यह समिति विभिन्न धार्मिक और सामाजिक समुदायों के बीच असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों का अध्ययन करेगी तथा नीति, प्रशासनिक और कानूनी उपायों की सिफारिश करेगी।
- समिति को कानूनी और समयबद्ध तरीके से अवैध प्रवासियों की पहचान, निरुद्धीकरण (डिटेंशन) और निर्वासन (डिपोर्टेशन) के लिए तंत्र सुझाने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

स्थैतिक जीके

- गृह मंत्रालय सीमा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा और नागरिकता संबंधी मामलों का संचालन करता है।
- भारत में जनगणना का कार्य जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत किया जाता है।
- भारत की पहली जनगणना वर्ष 1872 में हुई थी, जबकि पहली समकालिक जनगणना वर्ष 1881 में आयोजित की गई थी।
- भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त का कार्यालय गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

भारतीय रेल ने हैदराबाद में एआई-संचालित चिराग केंद्र की शुरुआत की



- भारतीय रेल ने दक्षिण मध्य रेलवे के अंतर्गत हैदराबाद के मौला-अली में सेंटर फॉर एचआर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, रिसर्च एंड एनालिटिक्स इन गवर्नेंस (चिराग) का उद्घाटन किया।
- चिराग की स्थापना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल गवर्नेंस उपकरणों के माध्यम से मानव संसाधन प्रबंधन को आधुनिक बनाने के लिए एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में की गई है।
- यह केंद्र भारतीय रेल में कार्यबल योजना, मानव संसाधन नीति निर्माण, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स, प्रशिक्षण प्रबंधन और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को समर्थन प्रदान करेगा।
- एआई, मशीन लर्निंग और एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग से कर्मचारी सेवाओं, प्रशासनिक दक्षता और साक्ष्य-आधारित निर्णय प्रक्रिया को बेहतर बनाया जाएगा।
- चिराग रेलवे कर्मियों के लिए आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाओं और अनुसंधान सुविधाओं सहित डिजिटल प्रशिक्षण अवसंरचना भी उपलब्ध कराएगा।
- भारतीय रेल की योजना इसे डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गवर्नेंस पहलों के तहत वर्ष 2028 तक पूर्ण रूप से संचालित करने की है।

स्थैतिक जीके

- रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- दक्षिण मध्य रेलवे का मुख्यालय सिकंदराबाद में स्थित है।

ऑयल इंडिया ने राजस्थान के डंडेवाला क्षेत्र में नए गैस भंडार की खोज की



- ऑयल इंडिया लिमिटेड ने जैसलमेर जिले के डंडेवाला क्षेत्र में एक नए प्राकृतिक गैस भंडार की खोज की।
- यह खोज उथली सानू संरचना (सानू फॉर्मेशन) में की गई, जिससे इस क्षेत्र में पहली बार इस भूवैज्ञानिक परत से सफल गैस प्रवाह प्राप्त हुआ।
- अन्वेषण कुएँ की खुदाई लगभग 950 मीटर की गहराई तक की गई और इसमें प्रतिदिन लगभग 25,000 स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएमडी) गैस का औसत प्रवाह दर्ज किया गया।
- प्रारंभिक अनुमान के अनुसार नव-चिह्नित क्षेत्र में लगभग 75 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एमएमएससीएम) गैस संसाधन मौजूद हैं।

- इस गैस में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा अपेक्षाकृत कम पाई गई, जो बेहतर ईंधन गुणवत्ता और व्यावसायिक व्यवहार्यता का संकेत देती है।
- इस खोज से पश्चिमी राजस्थान के अवसादी बेसिन में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

स्थैतिक जीके

- ऑयल इंडिया लिमिटेड पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है।
- जैसलमेर बेसिन भारत का एक महत्वपूर्ण स्थलीय (ऑनशोर) हाइड्रोकार्बन उत्पादक क्षेत्र है।
- एससीएमडी (स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रति दिन) गैस प्रवाह दर मापने की इकाई है।
- एमएमएससीएम (मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर) गैस भंडार का अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्त इकाई है।

सरकार ने एससी कल्याण सेवाओं के लिए पीएम-अजय पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च किया



- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) की निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के लिए पीएम-अजय पोर्टल और पीएम-अजय मोबाइल ऐप लॉन्च किया।
- इस डिजिटल मंच का उद्देश्य अनुसूचित जाति कल्याण कार्यक्रमों के लिए वास्तविक समय निगरानी, पारदर्शिता, त्वरित निधि प्रवाह और लाभार्थियों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करना है।
- यह पोर्टल ग्राम विकास परियोजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और आय सृजन पहलों को एकीकृत डिजिटल ढांचे के अंतर्गत जोड़ता है।
- राज्य सरकारें और जिला प्रशासन इस प्रणाली के माध्यम से प्रगति रिपोर्ट, जियो-टैग परिसंपत्तियाँ, लाभार्थी डेटा और उपयोगिता प्रमाण-पत्र अपलोड कर सकते हैं।
- मोबाइल ऐप क्षेत्रीय अधिकारियों को निरीक्षण करने, परियोजनाओं का सत्यापन करने और दूरस्थ रूप से क्रियान्वयन की निगरानी करने में सहायता करेगा।

- पीएम-अजय योजना का उद्देश्य डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप सामाजिक-आर्थिक विकास, अवसंरचना निर्माण और आजीविका सहायता के माध्यम से अनुसूचित जातियों के बीच गरीबी को कम करना है।

स्थैतिक जीके

- पीएम-अजय योजना की शुरुआत वर्ष 2021 में पूर्व की अनुसूचित जाति कल्याण योजनाओं के विलय के माध्यम से की गई थी।
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- डॉ. बी. आर. आंबेडकर को भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूप में जाना जाता है।
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 46 अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक एवं आर्थिक हितों को बढ़ावा देने का प्रावधान करता है।
- डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2015 में की गई थी।

अडानी ग्रीन ने खावड़ा में चीन के बाहर विश्व की सबसे बड़ी एकल-स्थल बीईएसएस परियोजना शुरू की



- अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में कुल 3.37 गीगावाट-घंटा (GWh) क्षमता वाले बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) को चालू किया, जिससे यह चीन के बाहर विश्व का सबसे बड़ा एकल-स्थल बैटरी भंडारण संयंत्र बन गया।
- इस परियोजना में मार्च 2026 में 1.37 गीगावाट-घंटा की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी गई, जिससे खावड़ा में कुल परिचालन बीईएसएस क्षमता बढ़कर 3.37 गीगावाट-घंटा हो गई।
- बीईएसएस को ग्रिड स्थिरता बढ़ाने, अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा का भंडारण करने और चौबीसों घंटे स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने के लिए उच्च मांग के समय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु विकसित किया गया है।
- यह भंडारण सुविधा लगभग 10 लाख घरों को एक दिन तक बिजली उपलब्ध करा सकती है तथा इंदौर और चंडीगढ़ जैसे शहरों की उच्च विद्युत मांग को पूरा करने में सहायता कर सकती है।
- खावड़ा, गुजरात के कच्छ जिले में स्थित एजीईएल के 30 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का हिस्सा है, जिसे वर्ष 2029 तक पूरा करने का

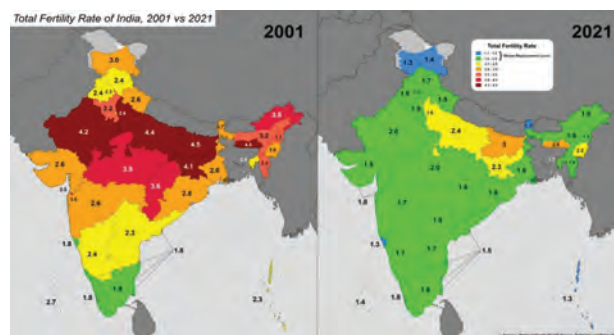
लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में इसकी लगभग 9.9 गीगावाट क्षमता परिचालन में है।

- एजीईएल की योजना वित्त वर्ष 2026-27 में 10 गीगावाट-घंटा से अधिक बैटरी भंडारण क्षमता जोड़ने तथा अगले पाँच वर्षों में इसे बढ़ाकर 50 गीगावाट-घंटा करने की है।

स्थैतिक जीके

- बीईएसएस का पूर्ण रूप बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम है।
- खावड़ा कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित है।
- भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

भारत की कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से नीचे पहुँची



- भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) वर्ष 2024 में घटकर 1.9 हो गई, जो प्रति महिला 2.1 बच्चों के प्रतिस्थापन प्रजनन स्तर से नीचे है। यह जानकारी सैपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) के अनुसार सामने आई।
- बिहार में सबसे अधिक टीएफआर 2.9 दर्ज की गई, जबकि दिल्ली में यह सबसे कम 1.2 रही।
- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड में टीएफआर प्रतिस्थापन स्तर से ऊपर रही, जबकि तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में यह 1.3 दर्ज की गई।
- ग्रामीण भारत में टीएफआर 2.1 रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 1.5 दर्ज की गई।
- वर्ष 2024 में भारत की कुल जनसंख्या में कार्यशील आयु वर्ग (15-59 वर्ष) की हिस्सेदारी 66.4% रही।
- वृद्ध जनसंख्या (60 वर्ष और उससे अधिक आयु) की हिस्सेदारी बढ़कर 9.7% हो गई, जिसमें केरल में वृद्ध जनसंख्या का अनुपात सबसे अधिक 15% दर्ज किया गया।

स्थैतिक जीके

- प्रतिस्थापन प्रजनन स्तर प्रति महिला 2.1 बच्चे माना जाता है।
- सैपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) भारत में जनसांख्यिकीय आँकड़ों का एक प्रमुख स्रोत है।

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएस-5) वर्ष 2019-21 की अवधि को कवर करता है।
- भारत में कार्यशील आयु वर्ग को 15-59 वर्ष आयु समूह के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- आधिकारिक जनसांख्यिकीय आँकड़ों में वृद्ध जनसंख्या से आशय 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों से है।

अनुच्छेद 21 के तहत ट्रॉमा केयर को सुप्रीम कोर्ट ने जीवन के अधिकार का हिस्सा माना



- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 26 मई 2026 को सेवलाइफ फाउंडेशन मामले में ट्रॉमा केयर तक पहुँच को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा घोषित किया।
- न्यायालय ने आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया, एम्बुलेंस सेवाओं, ट्रॉमा रजिस्ट्रियों और ट्रॉमा डेटा प्रबंधन प्रणालियों में समयबद्ध सुधार करने के निर्देश दिए।
- सुप्रीम कोर्ट ने 100, 101, 102, 108, 1033 और 1091 जैसी आपातकालीन हेल्पलाइनों को तीन महीने के भीतर एकीकृत राष्ट्रीय आपातकालीन नंबर 112 से जोड़ने का आदेश दिया।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को राष्ट्रीय ट्रॉमा रजिस्ट्री के लिए दिशानिर्देश जारी करने के निर्देश दिए गए, जबकि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य स्तरीय ट्रॉमा रजिस्ट्रियाँ स्थापित करने को कहा गया।
- न्यायालय ने राष्ट्रीय एम्बुलेंस कोड के अनुरूप जीपीएस-सक्षम एम्बुलेंसों को हेल्पलाइन 112 से एकीकृत करने का भी निर्देश दिया।
- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को गुड समैरिटन (सद्भावी नागरिकों) के लिए शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करने तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025 (पीएम राहत) को तीन महीने के भीतर लागू करने का आदेश दिया गया।
- सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की निरंतर निगरानी बनाए रखी और सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

स्थैतिक जीके

- अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है।
- 112 भारत की एकीकृत आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाओं के लिए एकल राष्ट्रीय आपातकालीन नंबर है।

- मोटर वाहन अधिनियम, 1988 भारत में सड़क परिवहन और यातायात विनियमन के लिए कानूनी ढाँचा प्रदान करता है।
- भारत में गुड समैरिटन नियम सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वाले व्यक्तियों को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं।

हिमाचल प्रदेश में चिनाब-ब्यास नदी जोड़ो परियोजना को मंजूरी मिली



- केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में 2,352 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली चिनाब-ब्यास लिंक सुरंग परियोजना को मंजूरी दी।
- इस परियोजना के तहत चिनाब बेसिन के अतिरिक्त जल को बेहतर उपयोग के लिए ब्यास नदी तंत्र में स्थानांतरित करने हेतु 8.7 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने का प्रस्ताव है।
- परियोजना के प्रथम चरण में लाहौल घाटी के कोक्सर गांव के निकट चंद्रा नदी पर 19 मीटर ऊँचे बैराज का निर्माण शामिल है।
- यह परियोजना एनएचपीसी को सौंपी गई है और इससे हिमाचल प्रदेश में लगभग 4,000 मेगावाट अतिरिक्त जलविद्युत उत्पादन की संभावना है।
- सिंधु नदी तंत्र और भारत की नदी जोड़ो अवसंरचना पहलों के संदर्भ में इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्थैतिक जीके

- चिनाब सिंधु नदी तंत्र की पश्चिमी नदियों में से एक है।
- ब्यास सतलुज नदी की एक सहायक नदी है और हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब से होकर बहती है।
- एनएचपीसी (नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन) जलविद्युत विकास से जुड़ा एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है।
- सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1960 में हस्ताक्षरित हुई थी।
- नदी जोड़ो परियोजनाएं अंतर-बेसिन जल हस्तांतरण और सिंचाई योजना से संबंधित होती हैं।

जय प्रकाश नारायण पक्षी अभयारण्य के साथ भारत ने 100 रामसर स्थलों का आंकड़ा छुआ

- भारत ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की जब उत्तर प्रदेश के जय प्रकाश नारायण पक्षी अभयारण्य (सुरहा ताल) को विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर देश का 100वाँ रामसर स्थल घोषित किया गया।



- रामसर अभिसमय के अंतर्गत यह मान्यता आर्द्रभूमि संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।
- यह स्थल उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में स्थित है और प्रवासी तथा स्थानीय पक्षियों की अनेक प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है।
- यह आर्द्रभूमि जलीय जैव विविधता को बनाए रखने तथा पक्षियों के प्रजनन और भोजन के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर पारिस्थितिक संतुलन को समर्थन देती है।
- यह उपलब्ध आर्द्रभूमि संरक्षण और सतत पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन के क्षेत्र में भारत के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व को दर्शाती है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मान्यता का स्वागत करते हुए पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील पारितंत्रों के संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

स्टैटिक जीके

- रामसर अभिसमय (1971) आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके विवेकपूर्ण उपयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि है।
- रामसर स्थल जैव विविधता संरक्षण और प्रवासी पक्षियों के आवास के लिए अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियाँ होती हैं।
- इस नए शामिल होने के बाद भारत में कुल 100 रामसर स्थल हो गए हैं, जो विभिन्न राज्यों में स्थित हैं।

हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु भारत में ई85 ईंधन की शुरुआत हुई



- भारत ने कच्चे तेल के आयात को कम करने और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ई85 ईंधन लॉन्च किया, जिसमें 85% एथेनॉल और 15% पेट्रोल का मिश्रण होता है।
- इस पहल का शुभारंभ केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर किया।
- ई85 ईंधन को फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों (एफएफवी) के लिए विकसित किया गया है, जो एथेनॉल और पेट्रोल के विभिन्न मिश्रणों पर चल सकते हैं।
- इसकी शुरुआत चरणबद्ध तरीके से दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, पुणे और नागपुर के 48-50 ईंधन स्टेशनों पर की गई।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और एथेनॉल उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना है।
- ई85 ईंधन की कीमत ई20 पेट्रोल की तुलना में लगभग 20 रुपये प्रति लीटर कम है, जिससे स्वच्छ ईंधनों को अपनाने को प्रोत्साहन मिलता है।
- ई85 में प्रयुक्त एथेनॉल का उत्पादन गन्ना, मक्का, चावल और बायोमास अवशेषों जैसे कृषि स्रोतों से किया गया है।

जम्मू में भारत के सातवें क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया गया



- भारत ने 5 जून 2026 को जम्मू में अपने सातवें क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) का उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी प्रणालियों को मजबूती मिली।
- इस केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया। इसका उद्देश्य हिमालयी क्षेत्र के लिए स्थानीय स्तर पर मौसम पूर्वानुमान को बेहतर बनाना है।
- जम्मू स्थित आरएमसी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को सेवाएँ प्रदान करेगा तथा उन उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों को कवर करेगा जो चरम मौसम घटनाओं की दृष्टि से संवेदनशील हैं।
- यह केंद्र जिला-स्तरीय मौसम पूर्वानुमान, हिमस्खलन चेतावनी, आकस्मिक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) अलर्ट, बादल फटने की चेतावनी और भूस्खलन संबंधी चेतावनी जैसी सेवाएँ प्रदान करेगा।

- यह पर्यटन, कृषि, आपदा प्रबंधन, जलविद्युत परियोजनाओं और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में कार्यरत सुरक्षा बलों जैसे क्षेत्रों को भी सहायता प्रदान करेगा।
- यह पहल मौसम विज्ञान अवसंरचना के आधुनिकीकरण के अंतर्गत भारत की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को और मजबूत बनाती है।
- क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अंतर्गत कार्य करते हैं, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन है।

प्रजनन दर में सबसे नीचे रहा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: एनएफएचएस-6



- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ने एनएफएचएस-6 में 0.9 की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) दर्ज की, जो भारत में सबसे कम है। यह जानकारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दी गई।
- प्रजनन दर एनएफएचएस-4 में 1.4 से घटकर एनएफएचएस-5 में 1.3 और आगे एनएफएचएस-6 में 0.9 हो गई।
- दर्ज की गई टीएफआर प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन दर 2.1 से काफी कम रही, जो संकेत देती है कि प्रवासन के बिना जनसंख्या स्वयं को प्रतिस्थापित नहीं कर पाएगी।
- एनएफएचएस-5 और एनएफएचएस-6 के बीच 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की हिस्सेदारी 5.3% से घटकर 3.7% हो गई।
- 15 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या का अनुपात 20.8% से घटकर 17.5% रह गया।
- 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या का हिस्सा 11% से बढ़कर 12.6% हो गया, जो बढ़ती वृद्धजन आबादी को दर्शाता है।
- सर्वेक्षण में युवाओं की घटती जनसंख्या पर प्रकाश डाला गया, जो भविष्य में कार्यबल की उपलब्धता और आर्थिक उत्पादकता को प्रभावित कर सकती है।
- स्वास्थ्य अधिकारियों ने प्रजनन दर में गिरावट का कारण छोटे परिवारों की प्राथमिकता, परिवार नियोजन के तरीकों का व्यापक उपयोग, महिलाओं की उच्च शिक्षा और बेहतर आर्थिक परिस्थितियों को बताया।

स्टैटिक जीके

- एनएफएचएस (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण) का संचालन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत किया जाता है।

- प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन दर सामान्यतः प्रति महिला 2.1 बच्चों को माना जाता है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश है, जिसकी राजधानी पोर्ट ब्लेयर है।

गृह मंत्रालय ने आब्रजन एवं विदेशी (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए



- गृह मंत्रालय ने आब्रजन एवं विदेशी (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए, ताकि वर्ष 2025 के नियमों के तहत प्रस्तुत ढाँचे को और अधिक परिष्कृत किया जा सके।
- इन संशोधनों का मुख्य फोकस विदेशी नागरिकों के पंजीकरण की समय-सीमा तथा अधिक सुव्यवस्थित अपील तंत्र पर रहा।
- संशोधित नियमों का उद्देश्य भारत में रहने या यात्रा करने वाले विदेशियों के प्रबंधन में अनुपालन, पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ाना है।
- नियमों में पंजीकरण आवश्यकताओं को वीजा की शर्तों और प्रवास की अवधि से जोड़े रखना जारी रखा गया है, साथ ही समय पर रिपोर्टिंग पर विशेष जोर दिया गया है।
- सरकार ने विदेशी नागरिकों के त्वरित पंजीकरण और निगरानी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रियाओं को और मजबूत किया है।

लद्दाख का मिलेगा भारत का पहला 'मॉडल बॉर्डर विलेज



- लद्दाख वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत मॉडल बॉर्डर विलेज विकसित करने वाला भारत का पहला क्षेत्र बन गया।
- इस पहल का मुख्य उद्देश्य रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती बस्तियों में सड़क संपर्क, आवास, डिजिटल पहुँच और बुनियादी सेवाओं में सुधार करना है।

- इस परियोजना का लक्ष्य सीमावर्ती क्षेत्रों से होने वाले पलायन को रोकना तथा पर्यटन, स्थानीय रोजगार और सतत विकास को बढ़ावा देना है।
- यह कार्यक्रम विकास संबंधी लक्ष्यों को सुरक्षा प्राथमिकताओं के साथ जोड़ते हुए चीन से लगी भारत की उत्तरी सीमा पर नागरिक उपस्थिति और क्षेत्रीय सुदृढ़ता को मजबूत करने पर केंद्रित है।
- इस पहल को गृह मंत्रालय द्वारा लद्दाख प्रशासन और विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से लागू किया जा रहा है।

स्टैटिक जीके

- जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद 31 अक्टूबर 2019 को लद्दाख एक केंद्र शासित प्रदेश बना था।
- लद्दाख की अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ चीन (अक्साई चिन) और पाकिस्तान (गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र) से लगती हैं।

लंबे समय बाद कुनो राष्ट्रीय उद्यान में दिखा दुर्लभ कैराकल



- 6 जून 2026 को आयोजित एक वन्यजीव सर्वेक्षण के दौरान कुनो राष्ट्रीय उद्यान में एक दुर्लभ कैराकल देखा गया।
- इस जानवर की तस्वीर कैमरा ट्रैप में कैद हुई, जिससे क्षेत्र में उसकी उपस्थिति का पुष्ट फोटोग्राफिक प्रमाण प्राप्त हुआ।
- यह अवलोकन कई दशकों के बाद कुनो परिदृश्य में कैराकल की पहली दर्ज उपस्थिति माना गया।
- इस खोज ने कुनो राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित किया, जो भारत के चीतों के पुनर्प्रवेश कार्यक्रम का भी प्रमुख केंद्र है।
- कैराकल मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो अपने विशिष्ट काले कानों के गुच्छों, फुर्ती और हवा में उड़ते पक्षियों का शिकार करने की क्षमता के लिए जानी जाती है।
- यह प्रजाति मुख्य रूप से शुष्क घासभूमियों, झाड़ीदार वनों और अर्ध-शुष्क पारितंत्रों में निवास करती है।

स्टैटिक जीके

- कैराकल का वैज्ञानिक नाम कैराकल है।

- वैश्विक स्तर पर कैराकल को आईयूसीएन द्वारा “लीस्ट कंसर्न” श्रेणी में रखा गया है, हालांकि भारत में इसकी आबादी अत्यंत सीमित है।
- कुनो राष्ट्रीय उद्यान वर्ष 2022 में अफ्रीकी चीतों के भारत में पुनर्प्रवेश के लिए प्रमुख स्थल बना था।
- मध्य प्रदेश को “भारत का टाइगर स्टेट” कहा जाता है।

रिलायंस-मेटा मिलकर बनाएंगे भारत का पहला एआई-सक्षम हाइपरस्केल डेटा सेंटर



- रिलायंस इंडस्ट्रीज और मेटा ने जामनगर (गुजरात) में 168 मेगावाट क्षमता वाले एआई-सक्षम हाइपरस्केल डेटा सेंटर के विकास के लिए साझेदारी की है।
- यह भारत में मेटा का पहला विशेष रूप से उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप निर्मित डेटा सेंटर होगा, जिसके अगले दो वर्षों में पूरा होने की संभावना है।
- मेटा अपनी बढ़ती कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा प्रसंस्करण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस डेटा सेंटर की क्षमता पट्टे पर लेगा।
- यह परियोजना भारत को वैश्विक एआई अवसंरचना केंद्र के रूप में स्थापित करने और अधिक तकनीकी निवेश आकर्षित करने में सहायक होगी।
- जामनगर का चयन नवीकरणीय ऊर्जा की उपलब्धता, विलवणीकृत जल संसाधनों, समुद्री केबल कनेक्टिविटी तथा जियो के फाइबर नेटवर्क के कारण किया गया है।
- यह डेटा सेंटर नवीकरणीय ऊर्जा और समुद्री जल आधारित शीतलन प्रणाली का उपयोग करेगा, जिससे मीठे पानी की खपत और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज इस परियोजना के डिजाइन, विकास, विद्युत आपूर्ति, कनेक्टिविटी, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेगी।
- हाइपरस्केल डेटा सेंटर एक विशाल डेटा केंद्र होता है, जिसे बड़े पैमाने पर क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई कार्यों को संभालने के लिए विकसित किया जाता है।

नल्लमाला टाइगर रिजर्व में एएसआई ने प्राचीन शिलालेखों का किया दस्तावेजीकरण



- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की अभिलेख शाखा ने 13 जून 2026 को नल्लमाला टाइगर रिजर्व में 25 प्राचीन शिलालेखों का दस्तावेजीकरण और प्रतिलिपिकरण किया।
- ये शिलालेख लगभग 1,400 वर्षों की अवधि को दर्शाते हैं, जो द्वितीय शताब्दी ईस्वी से 16वीं शताब्दी ईस्वी तक के हैं, तथा तेलुगु, कन्नड़, प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
- सर्वेक्षण में सातवाहन, पूर्वी चालुक्य, रेड्डी, कल्याणी चालुक्य, पोटापी चोल, काकतीय और विजयनगर काल से संबंधित शिलालेख दर्ज किए गए।
- खोजों में प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लिखे गए दुर्लभ सातवाहन शिलालेख भी शामिल हैं।
- रिजर्व के भीतर कृष्णा नदी के तट पर स्थित अलाटम के निकट प्राचीन शैलचित्रों की पहचान की गई।
- इन शैलचित्रों में महापाषाणकालीन और प्रारंभिक ऐतिहासिक काल की चित्रकला शामिल है, जिनका समय लगभग 1500 ईसा पूर्व माना गया है।

स्टैटिक जीके

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की स्थापना 1861 में हुई थी।
- ब्राह्मी भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्राचीन लिपियों में से एक है।
- नल्लमाला टाइगर रिजर्व पूर्वी घाट में स्थित है तथा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में फैला हुआ है।

भारत ने 2035 तक 155 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया



- भारत ने 2035 तक 155 गीगावाट स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जबकि 2030 तक 100 गीगावाट का अंतरिम लक्ष्य रखा गया है।
- 15 जून 2026 तक भारत की स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 56.1 गीगावाट से अधिक हो गई।
- स्थापित क्षमता के आधार पर भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा पवन ऊर्जा बाजार बना रहा।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 6.1 गीगावाट नई पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46% अधिक है।
- सरकार ने WT-MARUT (विंड टरबाइन मैटेरियल्स एंड रिसोर्सेज यूटिलिटी ट्रैकर) पोर्टल लॉन्च किया, जो पवन ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए भारत का पहला डिजिटल मंच है।
- इस नीति में पवन टरबाइन के पुर्जों के घरेलू विनिर्माण और स्थानीय स्रोतों से खरीद को प्राथमिकता दी गई है।

भारत ने रावी-ब्यास और कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरणों का कार्यकाल बढ़ाया



- भारत सरकार ने 15 जून 2026 को जारी राजपत्र अधिसूचनाओं के माध्यम से रावी-ब्यास जल न्यायाधिकरण तथा कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण (KWDT-II) का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया।
- रावी और ब्यास जल न्यायाधिकरण का गठन अप्रैल 1986 में किया गया था, जो पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच जल बँटवारे से संबंधित विवादों का निपटारा करता है।
- कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन अप्रैल 2004 में किया गया था, जो आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना के बीच जल विवादों से संबंधित मामलों की सुनवाई करता है।
- कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण (KWDT-II) का कार्यकाल 31 जुलाई 2027 तक बढ़ा दिया गया है।
- दोनों न्यायाधिकरण अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 के अंतर्गत कार्य करते हैं।

स्टैटिक जीके

- संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची की प्रविष्टि 17 के अंतर्गत जल राज्य सूची का विषय है।

- सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद रावी-ब्यास जल बँटवारे से संबंधित है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने किशोर के 'भूल जाने के अधिकार' को बरकरार रखा



- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि किशोरावस्था में दर्ज दोषसिद्धि को पासपोर्ट जारी करने में कानूनी बाधा के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता।
- न्यायालय ने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 24 के अंतर्गत किशोरों के 'भूल जाने के अधिकार' को पूर्ण अधिकार माना।
- यह मामला उस पासपोर्ट आवेदन से संबंधित था, जिसे आवेदक के नाबालिग रहने के दौरान दर्ज एक आपराधिक मामले के आधार पर अस्वीकार कर दिया गया था।
- न्यायालय ने पासपोर्ट अस्वीकृति आदेश को निरस्त करते हुए अधिकारियों को किशोरावस्था की दोषसिद्धि पर निर्भर हुए बिना आवेदन पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया।
- निर्णय में विदेश यात्रा के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जोड़ा गया।

स्टैटिक जीके

- किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 24 किशोर दोषसिद्धियों के प्रभाव और उनके भविष्य के अवसरों की सुरक्षा से संबंधित है।
- संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है।
- पासपोर्ट अधिनियम, 1967 भारत में पासपोर्ट जारी करने को विनियमित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जून 2026 को लगातार कार्यकाल के आधार पर भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए।
- उन्होंने 4,399 लगातार दिनों का कार्यकाल पूरा कर जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4,398 दिनों तक सेवा दी थी।

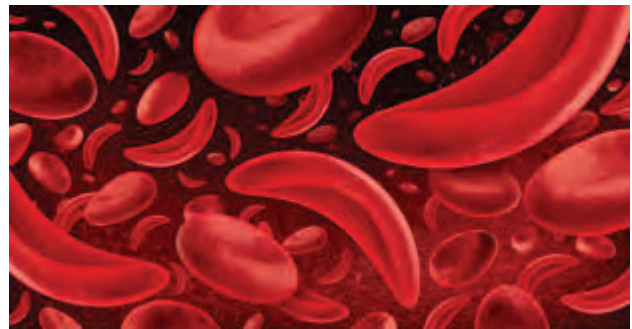


- नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद संभाला था और 2014, 2019 तथा 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार विजय प्राप्त की।
- वे तीन लगातार आम चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरा कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता बने।
- उनके कार्यकाल में डिजिटल अवसंरचना, कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी, वित्तीय समावेशन, अवसंरचना विकास और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में अनेक प्रमुख पहलें की गईं।

स्टैटिक जीके

- संविधान के अनुच्छेद 75 के तहत प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है।
- इंदिरा गांधी भारत की सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला प्रधानमंत्री हैं।

भारत ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया



- भारत ने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया।
- इस मिशन की शुरुआत 1 जुलाई 2023 को मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से की गई।
- यह मिशन जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित किया जाता है।
- यह कार्यक्रम रोग की स्क्रीनिंग, निदान, आनुवंशिक परामर्श, रोकथाम और समग्र प्रबंधन पर केंद्रित है।
- जून 2026 तक इस मिशन के तहत 0-40 वर्ष आयु वर्ग के 7 करोड़ से अधिक लोगों की जांच की जा चुकी थी।
- यह मिशन 17 राज्यों में लागू किया जा रहा है, जिसमें उन जनजातीय क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहाँ इस रोग का बोझ अधिक है।
- यह पहल दुनिया के सबसे बड़े आनुवंशिक रोग जांच कार्यक्रमों में से एक बनकर उभरी।

स्टैटिक जीके

- सिकल सेल एनीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है, जो हीमोग्लोबिन-एस नामक असामान्य हीमोग्लोबिन के कारण होता है।
- यह रोग स्वतः-सूत्री अप्रभावी पैटर्न के माध्यम से वंशानुगत होता है।
- दरांती के आकार की लाल रक्त कोशिकाएँ शरीर में ऑक्सीजन के परिवहन की क्षमता को कम कर देती हैं।

एनएचएआई ने राजस्थान की पहली बैरियर-फ्री टोलिंग प्रणाली शुरू की



- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एनएच-48 के दिल्ली-जयपुर खंड पर स्थित दौलतपुरा टोल प्लाजा पर राजस्थान की पहली मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग प्रणाली शुरू की।
- एमएलएफएफ प्रणाली ने बैरियर-फ्री टोल संग्रह को सक्षम बनाया, जिससे वाहन बिना रुके टोल बिंदुओं से गुजर सकते हैं और यात्रा समय तथा यातायात जाम में कमी आती है।
- इस प्रणाली में स्वचालित टोल कटौती के लिए ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) तकनीक को फास्टैग आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया।

- इस पहल से यातायात प्रवाह में सुधार हुआ, ईंधन दक्षता बढ़ी, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आई और यात्रियों को अधिक सुगम यात्रा अनुभव प्राप्त हुआ।
- एनएचएआई ने भविष्य में शाहजहाँपुर टोल प्लाजा और मनोहरपुर टोल प्लाजा को भी एमएलएफएफ आधारित टोलिंग सुविधाओं में परिवर्तित करने की योजना की घोषणा की।

स्टैटिक जीके

- फास्टैग रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक पर आधारित एक प्रीपेड इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली है।
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

पीएम मोदी ने भारत की पहली कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट परियोजना की आधारशिला रखी



- नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में भारत की पहली वाणिज्यिक स्तर की कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट परियोजना की आधारशिला रखी।
- इस परियोजना का विकास भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) द्वारा किया जा रहा है, जो भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड और कोल इंडिया लिमिटेड का एक संयुक्त उपक्रम है।
- यह संयंत्र प्रतिदिन 2,000 टन अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करेगा, जिससे औद्योगिक रसायनों के आयात पर भारत की निर्भरता कम करने में सहायता मिलेगी।
- इस परियोजना में कोयला गैसीफिकेशन तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो कोयले को सिंगैस (सिंथेसिस गैस) में परिवर्तित करती है, जिसका उपयोग अमोनियम नाइट्रेट, मेथनॉल, यूरिया और सिंथेटिक प्राकृतिक गैस जैसे रसायनों के उत्पादन में किया जाता है।

स्टैटिक जीके

- कोयला गैसीफिकेशन, कोयले को सिंगैस में परिवर्तित करने की प्रक्रिया है, जिसमें मुख्य रूप से हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड होते हैं।
- भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता देश है तथा उसके पास विश्व का पाँचवाँ सबसे बड़ा कोयला भंडार है।

यूजीसी ने भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसरों को मंजूरी दी



- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 8 नवंबर 2023 को अधिसूचित नियमों को लागू किया, जिनके तहत विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने शाखा परिसर स्थापित करने की अनुमति दी गई।
- जून 2026 तक पाँच विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने के लिए स्वीकृति पत्र प्राप्त हुए हैं। ये हैं- यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन, यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स।
- यूजीसी ने यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और इटली के विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों को 10 आशय पत्र भी जारी किए।
- यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतरराष्ट्रीयकरण लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करती है और इसका उद्देश्य भारत में वैश्विक शिक्षा को अधिक किफायती बनाना है।

स्टैटिक जीके

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- भारत में विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों को यूजीसी (भारत में विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसरों की स्थापना और संचालन) विनियम, 2023 के तहत विनियमित किया जाता है।

हल्दिया बंदरगाह को आब्रजन जांच चौकी घोषित किया गया



- गृह मंत्रालय (एमएचए) ने जून 2026 में पश्चिम बंगाल के हल्दिया बंदरगाह को एक आब्रजन जांच चौकी के रूप में नामित किया।
- हल्दिया भारत का 41वाँ समुद्री बंदरगाह आब्रजन जांच चौकी बन गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के लिए आब्रजन मंजूरी की सुविधा उपलब्ध हुई।
- पूर्व मेदिनीपुर जिले में स्थित हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स का निर्माण वर्ष 1968 में किया गया था और इसने वर्ष 1977 में अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू किया था।
- इस बंदरगाह का विकास कोलकाता बंदरगाह पर यातायात के दबाव को कम करने के लिए किया गया था और यह हुगली मुहाने पर स्थित एक महत्वपूर्ण नदी बंदरगाह है।

स्टैटिक जीके

- भारत में आब्रजन जांच चौकियाँ आब्रजन अधिनियम, 1983 के अंतर्गत कार्य करती हैं और उनका प्रशासन गृह मंत्रालय के अधीन आब्रजन ब्यूरो द्वारा किया जाता है।
- मई 2026 में गुजरात के दहेज, सिक्का और टूना टेकरा को आब्रजन जांच चौकियों के रूप में नामित किया गया था।

केंद्र ने गैर-सरकारी संगठनों के लिए एफसीआरए नियमों में संशोधन किया



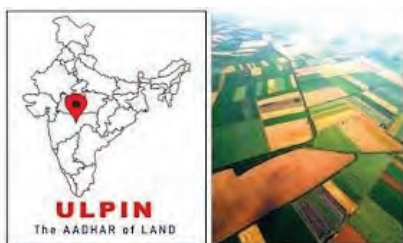
- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 22 जून 2026 को जारी एक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से विदेशी अंशदान (विनियमन) नियम, 2011 में संशोधन किया।
- एफसीआरए पंजीकरण या नवीनीकरण के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों को अब पूर्व-निर्धारित सूची में से अपने उद्देश्यों और कार्यक्षेत्रों का चयन करना होगा तथा उन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों का उल्लेख करना होगा जहाँ वे कार्य करेंगे।
- आवेदकों को पंजीकरण या नवीनीकरण प्रक्रिया के दौरान अपने सोशल मीडिया खातों का विवरण भी देना होगा।
- मध्यस्थ प्रेषण चैनलों या डोनर एडवाइज्ड फंड्स (डीएएफ) के माध्यम से विदेशी धन प्राप्त करने वाले संगठनों को अंतिम दाता को अंशदान के मूल स्रोत के रूप में पहचानना होगा।
- संशोधित नियमों में आवेदन में शामिल प्रत्येक अतिरिक्त राज्य या उद्देश्य के लिए ₹300 का अतिरिक्त शुल्क निर्धारित किया गया है।

- जिन संगठनों में विदेशी नागरिक (भारतीय मूल के व्यक्तियों को छोड़कर) प्रमुख पदाधिकारी या कार्यकर्ता हैं, वे सामान्यतः एफसीआरए पंजीकरण या पूर्व स्वीकृति के लिए अयोग्य हो गए हैं, जब तक कि उन्हें सरकार द्वारा विशेष रूप से छूट न दी गई हो।
- एफसीआरए पंजीकरण को बनाए रखने या उसका नवीनीकरण कराने के लिए किसी संगठन को पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान अपनी घोषित गतिविधियों पर कम-से-कम ₹10 लाख की विदेशी अंशदान राशि खर्च करनी होगी।
- वर्ष 2026 से पहले पंजीकृत संगठनों को उन विशिष्ट उद्देश्यों और राज्यों की जानकारी सरकार को देने के लिए एक वर्ष का समय दिया गया है, जिन्हें वे अपने पंजीकरण प्रमाणपत्रों में बनाए रखना चाहते हैं।
- “प्रमुख कार्यकर्ता” की परिभाषा का विस्तार करते हुए इसमें कंपनी निदेशक, साझेदार, न्यासी, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के कर्ता और किसी संगठन के प्रबंधन को नियंत्रित करने वाले अन्य व्यक्तियों को भी शामिल किया गया है।

स्टैटिक जीके

- विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 (एफसीआरए) भारत में विदेशी अंशदान की प्राप्ति, उपयोग और हस्तांतरण को विनियमित करता है।
- एफसीआरए का प्रशासन गृह मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

भूमि अभिलेखों के लिए भू-आधार



- यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर (यूएलपिन), जिसे भू-आधार के नाम से भी जाना जाता है, प्रत्येक भूमि पार्सल को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान प्रदान करने के लिए 14 अंकों के अल्फान्यूमेरिक कोड के रूप में शुरू किया गया।
- भारत के भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत नवंबर 2025 तक 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 36 करोड़ से अधिक भूमि पार्सलों को यूएलपिन प्रदान किए जा चुके हैं।
- यूएलपिन एक भू-संदर्भित पहचान संख्या है, जो भूमि अभिलेखों को भौगोलिक निर्देशांकों से जोड़ती है, जिससे सटीकता, पारदर्शिता और डिजिटल अभिलेख प्रबंधन में सुधार होता है।
- भू-आधार, डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) का हिस्सा है, जो वर्ष 2016 में शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

- वित्त मंत्रालय ने ₹875 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ डीआईएलआरएमपी को वर्ष 2025-26 तक बढ़ा दिया।
- दिल्ली ने सभी भूमि पार्सलों के लिए यूएलपिन जारी करने की घोषणा की, जबकि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने ड्रोन सर्वेक्षण और भू-स्थानिक मानचित्रण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए इसके कार्यान्वयन का विस्तार किया।

स्टैटिक जीके

- संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत भूमि एक राज्य विषय है।
- भारतीय सर्वेक्षण विभाग भूमि मानचित्रण और भू-स्थानिक सर्वेक्षण के लिए एक प्रमुख एजेंसी है।

भारत की पहली निजी स्वर्ण खदान ने वाणिज्यिक संचालन शुरू किया



- आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में स्थित जोन्नागिरी स्वर्ण खदान ने 24 जून 2026 को वाणिज्यिक संचालन शुरू किया।
- जियोमैसोर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित यह खदान स्वतंत्रता के बाद भारत की एकमात्र परिचालित निजी क्षेत्र की प्राथमिक स्वर्ण खदान बन गई।
- यह परियोजना लगभग 598 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है और इसमें लगभग ₹405 करोड़ का निवेश किया गया है।
- परीक्षण उत्पादन मई 2026 में शुरू हुआ, जबकि पूर्ण वाणिज्यिक संचालन जून 2026 में प्रारंभ हुआ।
- वर्ष 2026-27 के दौरान लगभग 400 किलोग्राम स्वर्ण उत्पादन का अनुमान है, जबकि विस्तार के बाद वार्षिक उत्पादन बढ़कर 1,000 किलोग्राम और अंततः 2 टन होने की उम्मीद है।
- इस परियोजना से लगभग 700 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है, जिनमें 80% से अधिक कर्मचारी स्थानीय समुदायों से हैं।
- आंध्र प्रदेश सरकार को स्वर्ण उत्पादन पर 4% रॉयल्टी मिलने की उम्मीद है।
- मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वाणिज्यिक संचालन का उद्घाटन किया और परियोजना की दूसरी इकाई की आधारशिला रखी।

केविन वार्श ने नए फेडरल रिजर्व चेयर के रूप में कार्यभार संभाला



- केविन वार्श ने 22 मई 2026 को फेडरल रिजर्व के 17वें चेयर के रूप में शपथ ग्रहण की और जेरोम पॉवेल के दूसरे कार्यकाल की समाप्ति के बाद उनका स्थान लिया।
- वार्श ने मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने और संस्थागत विश्वसनीयता बनाए रखने पर केंद्रित सुधारोन्मुखी फेडरल रिजर्व का नेतृत्व करने का संकल्प व्यक्त किया।
- वे वर्ष 2006 से 2011 तक फेडरल रिजर्व के गवर्नर रह चुके हैं और वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।
- वार्श मुद्रास्फीति पर सख्त रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने ऐसे समय में पदभार संभाला है जब बढ़ती महंगाई, ऊँची ईंधन कीमतें और ईरान संघर्ष से जुड़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितताएँ वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं।

स्थैतिक जीके :

- फेडरल रिजर्व की स्थापना वर्ष 1913 में हुई थी और यह संयुक्त राज्य अमेरिका की केंद्रीय बैंकिंग प्रणाली के रूप में कार्य करता है।
- इसका मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी. स्थित एकलेस बिल्डिंग में है।

मलेशिया में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू

- मलेशिया ने 1 जून 2026 से एक नियम लागू किया, जिसके तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सोशल मीडिया अकाउंट रखने से प्रतिबंधित कर दिया गया।
- इस नियम के अनुसार, मलेशिया में कम-से-कम 80 लाख उपयोगकर्ताओं वाले प्लेटफॉर्म को अकाउंट पंजीकरण के दौरान आयु सत्यापन प्रणाली लागू करना अनिवार्य किया गया।



- 16 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं की पहचान सत्यापित करने के लिए पहचान पत्र या पासपोर्ट जैसे आधिकारिक दस्तावेजों का उपयोग करना आवश्यक होगा।
- यह नियम फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म पर लागू होगा। नियमों का पालन न करने वाली कंपनियों पर 1 करोड़ मलेशियाई रिंगिट तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।
- यह कदम ऑनलाइन सेफ्टी अधिनियम, 2025 के तहत बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने और साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा बाल शोषण जैसे जोखिमों से निपटने के लिए उठाया गया है।
- प्लेटफॉर्म को आयु सत्यापन प्रणाली लागू करने के लिए एक संक्रमण अवधि प्रदान की गई है, जबकि यदि बच्चे प्रतिबंधों को दरकिनार कर देते हैं तो उनके माता-पिता पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

स्थैतिक जीके

- मलेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थित एक संघीय संवैधानिक राजशाही है।
- मलेशियन कम्युनिकेशंस एंड मल्टीमीडिया कमीशन (एमसीएमसी) देश का संचार और मल्टीमीडिया नियामक निकाय है।
- ऑनलाइन सेफ्टी अधिनियम, 2025 1 जनवरी 2026 से प्रभावी हुआ।
- साइबर बुलिंग, वित्तीय धोखाधड़ी और बाल यौन शोषण ऑनलाइन सुरक्षा नियमों के प्रमुख चिंताजनक विषय हैं।

भारत ने वियतनाम के साथ ब्रह्मोस मिसाइल समझौते पर हस्ताक्षर किया

- भारत ने वियतनाम के साथ ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि इंडोनेशिया के साथ वार्ता अंतिम चरण में पहुँच गई है। इससे भारत के रक्षा निर्यात और आसियान क्षेत्र में उसकी रणनीतिक उपस्थिति को बढ़ावा मिला है।



- रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर में आयोजित शांग्री-ला संवाद के दौरान इस विकास की जानकारी दी।
- वियतनाम के साथ हुआ यह समझौता भारत और वियतनाम के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करता है तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा सहयोग को दर्शाता है।
- इंडोनेशिया भी ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली प्राप्त करने वाला एक अन्य आसियान देश बनने के करीब पहुँच गया है, क्योंकि इस संबंध में वार्ताएँ लगभग पूरी हो चुकी हैं।
- फिलीपींस वर्ष 2022 में 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ब्रह्मोस मिसाइल का पहला विदेशी खरीदार बना हुआ है।

स्टैटिक जीके

- ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे भारत और रूस ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।
- यह मिसाइल भूमि, समुद्र और वायु प्लेटफॉर्म से प्रक्षेपित की जा सकती है तथा अपनी उच्च गति, सटीकता और लंबी दूरी तक प्रहार करने की क्षमता के लिए जानी जाती है।
- ब्रह्मोस एयरोस्पेस इस मिसाइल प्रणाली के विकास के लिए जिम्मेदार संयुक्त उद्यम है।

खलीलुर रहमान बने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अध्यक्ष



- खलीलुर रहमान को साइप्रस के उम्मीदवार एंड्रियास काकौरिस को पराजित कर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

- उन्होंने कुल 190 मतों में से 99 मत प्राप्त किए, जबकि एंड्रियास काकौरिस को 91 मत मिले। खलीलुर रहमान 8 सितंबर 2026 को अपना पदभार ग्रहण करेंगे।
- यह अध्यक्ष पद संयुक्त राष्ट्र की क्षेत्रीय रोटेशन प्रणाली के अंतर्गत एशिया-प्रशांत समूह के हिस्से के रूप में 81वें सत्र को आवंटित किया गया है।
- उनकी प्राथमिकताओं में शांति और सुरक्षा, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति में तेजी, जलवायु कार्रवाई, मानवाधिकारों का संवर्धन, उभरती प्रौद्योगिकियों का शासन तथा संयुक्त राष्ट्र में सुधार शामिल हैं।
- इस सत्र में संघर्षों, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास लक्ष्यों और संयुक्त राष्ट्र की संस्थागत सुधार प्रक्रिया जैसे प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है।
- 81वें यूएनजीए सत्र का विषय 'रेस्टोरिंग ट्रस्ट, मैनेजिंग ट्रांसफॉर्मेशन: ए यूनाइटेड नेशंस दैट डिलीवर्स फॉर ऑल' है।
- यह अध्यक्षता उस समय हो रही है जब वर्ष 2026 में एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अगले संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चयन की प्रक्रिया भी शुरू होगी।

स्टैटिक जीके

- संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- यूएनजीए के अध्यक्ष का चुनाव प्रतिवर्ष किया जाता है और वह महासभा के सत्रों की अध्यक्षता करता है।
- संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर में स्थित है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सुरक्षा परिषद के लिए पाँच नए अस्थायी सदस्यों का चुनाव किया



- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ऑस्ट्रिया, किर्गिस्तान, पुर्तगाल, त्रिनिदाद एवं टोबैगो तथा जिम्बाब्वे को वर्ष 2027-2028 कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अस्थायी सदस्य के रूप में निर्वाचित किया।
- इनका दो वर्षीय कार्यकाल 1 जनवरी 2027 से शुरू होगा और ये वर्ष 2026 के अंत में पद छोड़ने वाले सदस्यों का स्थान लेंगे।
- यह चुनाव न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किए गए, जहाँ सदस्य देशों ने सुरक्षा परिषद की पाँच अस्थायी सीटों को भरने के लिए मतदान किया।

- किर्गिस्तान ने एशिया-प्रशांत समूह में फिलीपींस को स्पष्ट बहुमत से हराकर पहली बार सुरक्षा परिषद में स्थान प्राप्त किया।
- पुर्तगाल और ऑस्ट्रिया ने पश्चिमी यूरोपीय एवं अन्य समूह की ओर से सीटें हासिल कीं, जबकि जिम्बाब्वे और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रमशः अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंधों, शांति मिशनों और संघर्ष समाधान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है।

स्टैटिक जीके

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य होते हैं, जिनमें 5 स्थायी सदस्य (पी5)—संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, रूस और चीन—शामिल हैं।
- पी5 देशों के पास महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर वीटो शक्ति होती है।
- अस्थायी सदस्यों का चुनाव संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दो वर्ष के कार्यकाल के लिए किया जाता है।

पीएम मोदी को स्लोवाकिया के 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस' से सम्मानित किया गया



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2026 में अपने तीन देशों की यूरोपीय यात्रा के दूसरे चरण में स्लोवाकिया का दौरा किया।
- यह 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी।
- ब्रातिस्लावा में उन्हें 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)', स्लोवाकिया के सर्वोच्च राजकीय सम्मान से सम्मानित किया गया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रातिस्लावा में पीटर पेलेग्रिनी और रॉबर्ट फिको के साथ वार्ता की।
- भारत और स्लोवाकिया ने व्यापार, निवेश, नवाचार, ऑटोमोबाइल विनिर्माण, रेलवे विकास और रक्षा क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।
- यह यात्रा अप्रैल 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की स्लोवाकिया यात्रा सहित हाल के उच्चस्तरीय आदान-प्रदानों के बाद हुई।

स्टैटिक जीके

- ब्रातिस्लावा स्लोवाकिया की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है।

- स्लोवाकिया मध्य यूरोप का एक स्थलरुद्ध देश है।
- चेकोस्लोवाकिया के विघटन के बाद स्लोवाकिया 1993 में स्वतंत्र हुआ था।

हान सियोंग-सूक दक्षिण कोरिया की अगली प्रधानमंत्री पद के लिए नामित



- राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने 7 जून 2026 को हान सियोंग-सूक को दक्षिण कोरिया की अगली प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया।
- हान सियोंग-सूक वर्तमान में लघु एवं मध्यम उद्यम तथा स्टार्टअप मंत्री के रूप में कार्यरत हैं और नवाचार तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती हैं।
- प्रधानमंत्री पद संभालने से पहले उनके नामांकन को 300 सदस्यीय नेशनल असेंबली की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
- यदि उनका नामांकन मंजूर हो जाता है, तो वे दक्षिण कोरिया की दूसरी महिला प्रधानमंत्री और लगभग दो दशकों में इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला बनेंगी।
- राजनीति में आने से पहले वे नेवर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य कर चुकी हैं।

स्टैटिक जीके

- सियोल दक्षिण कोरिया की राजधानी है।
- दक्षिण कोरिया में 300 सदस्यीय नेशनल असेंबली है।

एलन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनर बने



- एलन मस्क जून 2026 में स्पेसएक्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) के बाद कागजी रूप से दुनिया के पहले ट्रिलियनर बन गए।
- स्पेसएक्स ने 75 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए, जो इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ बना, और लगभग 1.77 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन के साथ सूचीबद्ध हुआ।
- कंपनी नैसडैक पर एसपीसीएक्स (SPCX) टिकर प्रतीक के तहत सूचीबद्ध हुई।
- निवेशकों की मजबूत मांग के कारण सूचीबद्ध होने के बाद स्पेसएक्स का बाजार पूंजीकरण 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया।
- स्पेसएक्स और अन्य उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी के कारण एलन मस्क की संपत्ति 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई।
- स्पेसएक्स पुनः प्रयोज्य रॉकेट, स्टारलिनक सैटेलाइट इंटरनेट, अंतरिक्ष परिवहन और एआई अवसंरचना के क्षेत्र में कार्य करती है।

स्टैटिक जीके

- स्पेसएक्स की स्थापना 2002 में एलन मस्क द्वारा की गई थी।
- न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज बाजार पूंजीकरण के आधार पर विश्व का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है।

उज्बेकिस्तान न्यू डेवलपमेंट बैंक का पहला मध्य एशियाई सदस्य बना



- उज्बेकिस्तान 5 जून 2026 को सभी सदस्यता प्रक्रियाएँ पूरी करने के बाद आधिकारिक रूप से न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) का 10वाँ सदस्य और पहला मध्य एशियाई शोयरधारक बन गया।
- यह सदस्यता ब्रिक्स समर्थित बहुपक्षीय विकास बैंक के एक महत्वपूर्ण विस्तार का प्रतीक है।
- राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने 21 मई 2026 को एनडीबी में उज्बेकिस्तान की सदस्यता को मंजूरी देने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए।
- स्थापना के बाद से एनडीबी ने परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, जल प्रबंधन, शहरी विकास और सामाजिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में लगभग 43 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की 139 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।

स्टैटिक जीके

- न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना ब्रिक्स देशों—ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई थी।
- एनडीबी की स्थापना का विचार नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2012 के दौरान प्रस्तावित किया गया था और इस संबंध में समझौते पर फोर्टालेजा में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2014 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- एनडीबी ने 21 जुलाई 2015 को अपना संचालन शुरू किया और इसका मुख्यालय शंघाई में स्थित है।
- एनडीबी की सदस्यता संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के लिए खुली है।
- जून 2026 तक एनडीबी के सदस्य ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, अल्जीरिया और उज्बेकिस्तान थे।

जोनाथन दुनिया का सबसे वृद्ध ज्ञात स्थलीय जीव बना



- जोनाथन, जो सेंट हेलेना में रहने वाला एक सेशेल्स विशालकाय कछुआ है, को आधिकारिक रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया के सबसे वृद्ध ज्ञात जीवित स्थलीय जीव और सबसे वृद्ध दर्ज कछुए के रूप में मान्यता दी गई।
- जोनाथन की आयु लगभग 194 वर्ष आंकी गई है और उसका जन्म लगभग वर्ष 1832 के आसपास माना जाता है।
- उसने अपना पूरा जीवन सेंट हेलेना में बिताया, जो दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित एक ब्रिटिश प्रवासी क्षेत्र है।
- जोनाथन का जन्म यूनाइटेड किंगडम के राजा विलियम चतुर्थ के शासनकाल के दौरान हुआ था।

आईईईए ने ईरान के परमाणु स्थलों के निरीक्षण का संकेत दिया

- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईईए) ने 24 जून 2026 को संकेत दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते के तहत ईरानी परमाणु सुविधाओं का निरीक्षण फिर से शुरू हो सकता है।
- आईईईए के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रोसी ने कहा कि हालिया तनाव के बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम की निगरानी के प्रयासों के तहत ये निरीक्षण किए जाएंगे।



- इन निरीक्षणों का मुख्य ध्यान फोडों, नतांज और इस्फहान स्थित ईरान की प्रमुख परमाणु सुविधाओं पर रहने की उम्मीद है।
- आईएईए की पूर्व रिपोर्टों के अनुसार, ईरान के पास 60% शुद्धता तक संवर्धित 400 किलोग्राम से अधिक यूरेनियम मौजूद था, जो सामान्यतः नागरिक परमाणु ऊर्जा उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले स्तर से काफी अधिक है।
- प्रस्तावित व्यवस्था में डाउनब्लेंडिंग भी शामिल है, जो यूरेनियम भंडार के संवर्धन स्तर को कम करने की एक प्रक्रिया है।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की स्थापना वर्ष 1957 में हुई थी और इसका मुख्यालय वियना में स्थित है।
- आईएईए के सुरक्षा उपाय परमाणु अप्रसार संधि पर आधारित हैं।

यूरोपीय संघ पैक्स सिलिका पहल में शामिल हुआ



- यूरोपीय संघ ने पैक्स सिलिका में शामिल होने पर सहमति व्यक्त की, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता आपूर्ति शृंखलाओं, सेमीकंडक्टर सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग पर केंद्रित अमेरिका के नेतृत्व वाली एक पहल है।
- इस पहल की शुरुआत संयुक्त राज्य अमेरिका ने दिसंबर 2025 में की थी और यूरोपीय संघ ने 3 जून 2026 को औपचारिक रूप से इसमें शामिल होने की स्वीकृति दी।
- पैक्स सिलिका का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा संसाधन, कंप्यूटिंग अवसंरचना और निर्यात नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना है।

- यूरोपीय आयोग ने यह आश्वासन प्राप्त किया कि यह पहल एक गैर-बाध्यकारी राजनीतिक ढाँचे के रूप में बनी रहेगी और यूरोपीय संघ की नियामक स्वतंत्रता को प्रभावित नहीं करेगी।
- इसके मौजूदा सदस्यों में भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, ग्रीस, फिनलैंड, स्वीडन, जर्मनी और नीदरलैंड शामिल हैं।
- अमेरिका के उप विदेश मंत्री जैकब हेलबर्ग को इस पहल का मुख्य वास्तुकार माना जाता है।

स्टैटिक जीके

- पहला पैक्स सिलिका एआई मैनुफैक्चरिंग हब मई 2026 में लूजोन आर्थिक सुरक्षा क्षेत्र में शुरू किया गया था।
- पैक्स सिलिका उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों के लिए सुरक्षित और सुदृढ़ वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के निर्माण पर केंद्रित है।

कीर स्टारमर ने यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया



- कीर स्टारमर ने जून 2026 में यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया।
- उन्होंने अपने निर्णय की जानकारी राजा चार्ल्स तृतीय को दी और नए लेबर नेता के चुने जाने तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।
- स्टारमर ने वर्ष 2024 में लेबर पार्टी को ऐतिहासिक आम चुनाव जीत दिलाई, जिससे यूनाइटेड किंगडम में 14 वर्षों का कंजरवेटिव शासन समाप्त हो गया।
- उनकी सरकार को आर्थिक पुनरुद्धार, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और राजनीतिक स्थिरता के वादों के कारण प्रारंभ में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ था।
- बढ़ती आर्थिक चुनौतियों, सार्वजनिक सेवाओं को लेकर चिंताओं और लेबर पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेदों ने उनकी राजनीतिक स्थिति को कमजोर कर दिया।
- नीतिगत प्राथमिकताओं, व्यय योजनाओं और चुनावी रणनीति को लेकर लेबर पार्टी के भीतर मतभेदों ने उनके नेतृत्व पर दबाव बढ़ा दिया।

- लेबर पार्टी स्टारमर के उत्तराधिकारी के चयन के लिए नेतृत्व चुनाव आयोजित करेगी, जिसके विजेता के पार्टी का संसदीय बहुमत बरकरार रहने पर अगला प्रधानमंत्री बनने की उम्मीद है।

स्पेसएक्स दुनिया की पाँचवीं सबसे मूल्यवान कंपनी बनी



- 16 जून 2026 को स्पेसएक्स दुनिया की पाँचवीं सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई और मूल्यांकन के मामले में अमेज़न को पीछे छोड़ दिया।
- शेयर बिक्री और टेंडर ऑफर के बाद स्पेसएक्स का मूल्यांकन लगभग 415 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया।
- समग्र कॉर्पोरेट मूल्यांकन में कंपनी माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, एप्पल और अल्फाबेट के बाद पाँचवें स्थान पर रही।
- वर्ष 2002 में एलन मस्क द्वारा स्थापित स्पेसएक्स ने पुनः प्रयोज्य रॉकेट प्रौद्योगिकी और कम लागत वाली प्रक्षेपण सेवाओं के माध्यम से वाणिज्यिक अंतरिक्ष उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव किया।
- इसके प्रमुख राजस्व स्रोतों में फाल्कन 9 प्रक्षेपण कार्यक्रम, स्टारशिप विकास, सरकारी अनुबंध और स्टारलिनक सेवा शामिल हैं।

स्टैटिक जीके

- स्पेसएक्स का मुख्यालय: हॉथोर्न
- सफलतापूर्वक लैंड करने वाला पहला पुनः प्रयोज्य कक्षीय श्रेणी का रॉकेट: फाल्कन 9 (2015)
- स्टारलिनक दुनिया का सबसे बड़ा उपग्रह समूह है।

आंध्र प्रदेश ने प्रत्यक्ष कृषि विपणन के लिए 'फार्म टू होम' मॉडल शुरू किया



- आंध्र प्रदेश सरकार ने अधिकारियों को "फार्म टू होम" मॉडल लागू करने का निर्देश दिया, जिसके तहत किसानों से ताजा कृषि उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक बिना बिचौलियों के पहुँचाए जाएंगे।
- इस पहल का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना तथा उपभोक्ताओं को ताजी सब्जियाँ, फल और अन्य कृषि उत्पाद उचित कीमत पर उपलब्ध कराना है।
- यह मॉडल कृषि बाजारों में फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान, परिवहन लागत और बिचौलियों द्वारा होने वाले शोषण को कम करने पर केंद्रित है।
- यह रसायन-मुक्त और गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के लिए प्रत्यक्ष बाजार पहुँच भी सुनिश्चित करता है।

स्थैतिक जीके

- आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है।
- एस. अब्दुल नज़ीर आंध्र प्रदेश के राज्यपाल हैं।
- रायथू बाजार की शुरुआत वर्ष 1999 में अविभाजित आंध्र प्रदेश में की गई थी।

सिक्किम भारत का पाँचवाँ पूर्ण साक्षर राज्य बना



- Sikkim was declared India's fifth fully literate state after achieving a literacy rate above the benchmark set under the ULLAS-Nav Bharat Saaksharta Karyakram.
- The declaration followed a statewide assessment confirming near-universal adult literacy through education outreach and adult learning initiatives.
- The achievement resulted from coordinated efforts of the state education department, local bodies and community volunteers under literacy missions.
- Key focus areas included adult literacy classes, foundational reading, writing and numeracy skills, along with digital literacy training for rural populations.
- Sikkim joined Goa, Tripura, Mizoram and Kerala among India's fully literate states.
- The literacy mission emphasized inclusive education for women, tribal communities and remote Himalayan regions and aligned with the vision of National Education Policy 2020.

Static GK

- सिक्किम वर्ष 1975 में भारत का 22वाँ राज्य बना था।
- सिक्किम की राजधानी गंगटोक है।
- यूएलएलएस योजना का संचालन शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- केरल वर्ष 1991 में भारत का पहला पूर्ण साक्षर राज्य बना था।

पश्चिम बंगाल ने महिला सशक्तिकरण के लिए अन्नपूर्णा योजना शुरू की



- पश्चिम बंगाल ने 1 जून 2026 से अन्नपूर्णा योजना की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य पात्र महिलाओं को प्रत्यक्ष नकद सहायता प्रदान करना और परिवारों की वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करना है।
- इस योजना का लक्ष्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को नियमित आय सहायता देकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।
- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पहल की घोषणा राज्य के विस्तारित सामाजिक सुरक्षा ढाँचे के हिस्से के रूप में की।
- योजना को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से लागू किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी, धन के दुरुपयोग में कमी आएगी और लाभार्थियों तक राशि शीघ्र पहुँचेगी।
- योजना के लाभार्थियों में निम्न-आय वाले परिवार, स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाएँ तथा स्थिर आय स्रोत से वंचित कमजोर वर्ग की महिलाएँ शामिल होने की संभावना है।

स्थैतिक जीके

- पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता है।
- सी. वी. आनंद बोस पश्चिम बंगाल के राज्यपाल हैं।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली की शुरुआत भारत में वर्ष 2013 में की गई थी।
- महिला सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को डीएवाई-एनआरएलएम के तहत बढ़ावा दिया जाता है।
- पश्चिम बंगाल भारत के प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों में से एक है और दार्जिलिंग चाय के लिए प्रसिद्ध है।

केरल ने भ्रष्टाचार के खिलाफ 'प्रोजेक्ट ज़ीरो' शुरू किया

- केरल ने 26 मई 2026 को रिश्वतखोरी, साइबर अपराधों और सरकारी सेवाओं में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए राज्यव्यापी भ्रष्टाचार-विरोधी पहल 'प्रोजेक्ट ज़ीरो' शुरू की।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य सतर्कता उपायों को मजबूत करना, जनभागीदारी को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार-रोधी जांच और सुशासन को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है।



- नागरिकों को गोपनीय शिकायत प्रणाली के माध्यम से सीधे सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भ्रष्टाचार की शिकायत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- इस पहल के तहत व्हिसलब्लोअर्स को सुरक्षा प्रदान की जाएगी तथा इसमें प्रत्यक्ष रिश्वतखोरी के साथ-साथ ऑनलाइन प्रणालियों और लेनदेन के माध्यम से होने वाले डिजिटल भ्रष्टाचार को भी शामिल किया गया है।
- प्रोजेक्ट ज़ीरो का उद्देश्य सतर्कता मैनुअल को अद्यतन करना तथा प्रशासनिक निगरानी, पारदर्शिता और मामलों के निपटान की प्रक्रिया में सुधार करना भी है।
- इस कार्यक्रम का शुभारंभ रमेश चेन्निथला द्वारा किया गया।

स्थैतिक जीके

- सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो केरल में सतर्कता और भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के लिए विशेष एजेंसी है।
- रिश्वतखोरी भ्रष्टाचार का एक रूप है, जिसमें अनुचित लाभ की पेशकश, देना, लेना या मांगना शामिल होता है।
- साइबर अपराध वे अपराध हैं जो कंप्यूटर, नेटवर्क या डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके किए जाते हैं।
- सतर्कता मैनुअल भ्रष्टाचार-रोधी और अनुशासनात्मक मामलों की प्रक्रियाओं का मार्गदर्शन करने वाले आधिकारिक दस्तावेज होते हैं।

असम विधानसभा ने समान नागरिक संहिता विधेयक पारित किया



- असम विधानसभा ने 27 मई 2026 को ध्वनिमत से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित कर दिया। यह विधेयक 25 मई 2026 को विधानसभा में प्रस्तुत किया गया था।
- यह विधेयक हिमंत बिस्वा सरमा की ओर से अतुल बोरा द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- यह कानून धर्म की परवाह किए बिना विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों पर लागू होगा तथा राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाएगा।
- विधेयक के अनुसार विवाह, तलाक और लिव-इन संबंधों का पंजीकरण अनिवार्य होगा। लिव-इन संबंधों के मामले में एक माह के भीतर पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।
- विधेयक में असम में निवास करने वाली अनुसूचित जनजातियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है तथा इसके लागू होने से पहले संपन्न बहुविवाहों के लिए संरक्षण प्रावधान भी किया गया है।
- यह कानून असम अनिवार्य मुस्लिम विवाह एवं तलाक पंजीकरण अधिनियम, 2024 को निरस्त करने का प्रस्ताव रखता है।
- असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद यूसीसी विधेयक पारित करने वाला तीसरा राज्य तथा पूर्वोत्तर भारत का पहला राज्य बन गया है।

स्थैतिक जीके

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों के अंतर्गत समान नागरिक संहिता का उल्लेख करता है।
- विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंध भारत में नागरिक कानून के विषय हैं।
- बहुविवाह वह विवाह व्यवस्था है जिसमें किसी व्यक्ति के एक समय में एक से अधिक जीवनसाथी होते हैं।

डी. के. शिवकुमार ने कर्नाटक के 18वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली



- डी. के. शिवकुमार ने 3 जून 2026 को कर्नाटक के 18वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की, जिससे राज्य में कांग्रेस पार्टी की सत्ता-साझेदारी व्यवस्था पूरी हुई।
- उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा अपनाए गए नेतृत्व परिवर्तन फार्मूले के तहत सिद्धार्थमैया का स्थान लिया।

- जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि 13 मंत्रियों को नए राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।
- बेंगलुरु स्थित लोक भवन में थावरचंद गहलोत ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।
- मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद सिद्धार्थमैया कांग्रेस पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य बन गए।

मिशन सेनेहजोरी असम के मूंगा रेशम को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया



- ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने मिशन सेनेहजोरी की शुरुआत की, जो 396-411 करोड़ रुपये की एक पहल है और जिसका उद्देश्य असम के मूंगा रेशम को वैश्विक स्तर पर एक प्रतिष्ठित विलासिता (लक्जरी) वस्त्र ब्रांड के रूप में स्थापित करना है।
- इस मिशन को पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने असम सरकार, केंद्रीय रेशम बोर्ड और वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से शुरू किया।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य बेहतर उत्पादन, रीलिंग अवसंरचना, ब्रांडिंग, जीआई प्रमाणीकरण, डिजिटल ट्रेसेबिलिटी, निर्यात संवर्धन और पर्यटन विकास के माध्यम से मूंगा रेशम की संपूर्ण मूल्य शृंखला को सुदृढ़ बनाना है।
- यह मिशन असम के प्रमुख मूंगा उत्पादक जिलों को कवर करता है और रेशम क्षेत्र से जुड़े 2.6 लाख से अधिक परिवारों की आजीविका में सुधार लाने का प्रयास करता है।
- वर्ष 2028 तक के प्रमुख लक्ष्यों में आधुनिक रीलिंग इकाइयों की स्थापना, 30 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन, 5,000 हेक्टेयर मेजबान पौधों का पुनर्जीवन तथा मूंगा रेशम के वार्षिक निर्यात का विस्तार शामिल है।
- इस पहल के अंतर्गत मूंगा सिल्क ट्रेल, सिल्क टूरिज्म पार्क और वार्षिक मूंगा उत्सव आयोजित करने का भी प्रस्ताव है, ताकि रेशम पर्यटन और असम की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दिया जा सके।

स्टैटिक जीके

- मूंगा रेशम का उत्पादन केवल असम में होता है और यह अपने प्राकृतिक सुनहरे रंग तथा असाधारण टिकाऊपन के लिए प्रसिद्ध है।
- मूंगा रेशम भारत का पहला जीआई-टैग प्राप्त रेशम उत्पाद है।
- असम विश्व के लगभग 90 प्रतिशत मूंगा रेशम का उत्पादन करता है।

पश्चिम बंगाल वर्ष 2026 में आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई योजना से जुड़ा



- पश्चिम बंगाल वर्ष 2026 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) से जुड़ गया।
- पश्चिम बंगाल वर्ष 2026 में आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई लागू करने वाला 36वाँ राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया, जिससे देशव्यापी स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार हुआ।
- राज्य ने इस योजना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के साथ एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से लागू किया।
- यह योजना माध्यमिक और तृतीयक स्तर के अस्पतालों में भर्ती उपचार के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है।
- इस योजना के तहत देशभर के सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध है।
- यह योजना लाभार्थियों, विशेषकर प्रवासी आबादी, को स्वास्थ्य सुविधाओं की देशव्यापी पोर्टेबिलिटी सुनिश्चित करती है।
- इस योजना से प्रमुख चिकित्सा उपचारों पर जेब से होने वाले खर्च में कमी आती है तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बेहतर होती है।

स्टैटिक जीके

- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) का शुभारंभ वर्ष 2018 में किया गया था।
- इसका क्रियान्वयन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा किया जाता है।
- यह विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजना है।

उत्तर प्रदेश ने ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी के विस्तार हेतु 'प्रोजेक्ट गंगा' शुरू किया

- उत्तर प्रदेश ने लगभग 20 लाख ग्रामीण परिवारों को उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने और डिजिटल विभाजन को कम करने के लिए प्रोजेक्ट गंगा शुरू किया।



- इस परियोजना का शुभारंभ योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में किया।
- इस पहल का उद्देश्य 8,000-10,000 डिजिटल सेवा प्रदाताओं (DSPs) का निर्माण करना तथा एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है।
- प्रोजेक्ट गंगा अंतिम छोर तक इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराकर डिजिटल शिक्षा, टेलीमेडिसिन, ई-गवर्नेंस और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देगा।
- परियोजना के प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश के 21 जिलों को शामिल किया जाएगा, जिसके बाद इसे अन्य क्षेत्रों में विस्तार दिया जाएगा।
- हिंदुजा समूह की वनओटीटी इंटरटेनमेंट लिमिटेड परियोजना की ज्ञान साझेदार और कार्यान्वयन सहयोगी के रूप में कार्य करेगी।
- पात्र युवा मुख्यमंत्री युवा योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण प्राप्त कर डिजिटल सेवा प्रदाता व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे।
- इस परियोजना में महिला सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया गया है और लगभग 50% लाभार्थियों के महिलाएँ होने की संभावना है।

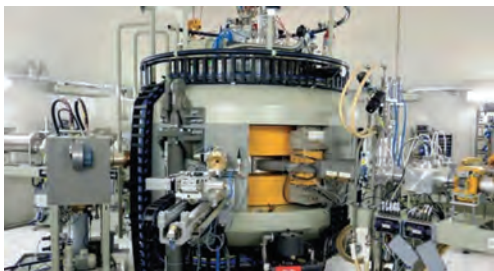
ओडिशा ने केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा की घोषणा की



- ओडिशा ने 12 जून 2026 को सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों में किंडरगार्टन (केजी) से स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की नीति की घोषणा की।
- इस योजना के तहत निःशुल्क शिक्षा का दायरा कक्षा 10 से आगे बढ़ाकर उच्च माध्यमिक, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक विस्तारित किया गया है।
- प्रस्तावित नीति से राज्य के 10 लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

- यह योजना केवल सरकारी शिक्षण संस्थानों पर लागू होगी, निजी संस्थानों पर नहीं।
- मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल की समीक्षा के दौरान इस पहल की घोषणा की।
- राज्य सरकार ने अगले तीन वर्षों में 45,000 अतिरिक्त शिक्षकों की भर्ती तथा चार नए विश्वविद्यालयों की स्थापना की भी योजना बनाई है।
- ओडिशा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को लागू करना जारी रखे हुए है और प्रत्येक पंचायत में गोदाबरिश मिश्रा आदर्श प्राथमिक विद्यालय स्थापित करने की योजना बना रहा है।

महाराष्ट्र ने उच्च-ऊर्जा चिकित्सा साइक्लोट्रॉन परियोजना को मंजूरी दी



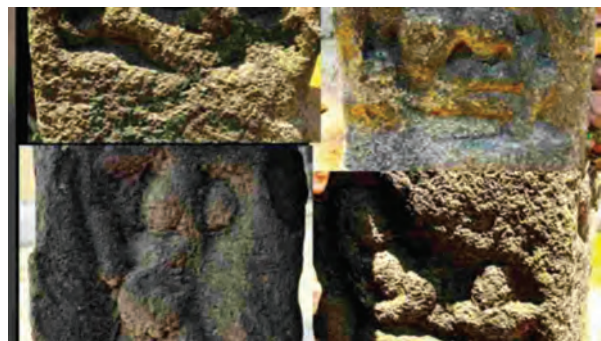
- महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने नागपुर में लगभग ₹300 करोड़ के अनुमानित निवेश के साथ उच्च-ऊर्जा चिकित्सा साइक्लोट्रॉन परियोजना (एचईएमसीपी) को मंजूरी दी।
- इस परियोजना को मध्य भारत में कैंसर निदान और उपचार सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए एक रेडियोफार्मास्यूटिकल नवाचार केंद्र के रूप में विकसित किया गया।
- इस सुविधा के तहत स्थानीय स्तर पर रेडियोआइसोटोप का उत्पादन करने की योजना बनाई गई, जिससे मुंबई और हैदराबाद जैसे प्रमुख केंद्रों पर निर्भरता कम होगी।
- इस परियोजना को चिकित्सा शिक्षा विभाग और उद्योग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित किया गया, जिसमें प्रत्येक विभाग ने ₹150 करोड़ का योगदान दिया।
- नागपुर को इसकी रणनीतिक केंद्रीय स्थिति के कारण चुना गया, जिससे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में लगभग 500 किलोमीटर के दायरे में सेवाएँ प्रदान की जा सकेंगी।
- परियोजना के लिए हिंगना तालुका के भानसोली (किन्ही) में 30 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई।
- इस सुविधा से सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी), राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) और एम्स नागपुर जैसे संस्थानों को सहायता मिलने की उम्मीद है।
- इस परियोजना को महाकेयर द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से लागू किया गया।

- एसपीवी के गठन तक मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीकर परदेशी की अध्यक्षता में एक संचालन समिति को परियोजना के कार्यान्वयन की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

स्टैटिक जीके

- साइक्लोट्रॉन एक प्रकार का कण त्वरक है, जिसका उपयोग पीईटी स्कैन, परमाणु चिकित्सा, चिकित्सा अनुसंधान और लक्षित कैंसर उपचार के लिए रेडियोधर्मी समस्थानिकों के उत्पादन में किया जाता है।
- रेडियोआइसोटोप का अर्ध-जीवन कम होता है, इसलिए समय पर चिकित्सा उपयोग के लिए उनका स्थानीय उत्पादन महत्वपूर्ण होता है।

आदिलाबाद में बुद्ध के परिनिर्वाण से संबंधित दुर्लभ चार-फलक स्तंभ की खोज



- तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में बुद्ध के परिनिर्वाण से संबंधित एक दुर्लभ चार-फलक स्तंभ की खोज की गई, जिसने पुरातत्वविदों और इतिहासकारों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।
- इस अवशेष को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि बुद्ध के परिनिर्वाण—अर्थात् मृत्यु के बाद प्राप्त अंतिम मुक्ति—के चित्रण स्तंभों पर अपेक्षाकृत दुर्लभ हैं, विशेषकर चारों ओर अंकित रूप में।
- यह खोज दक्कन क्षेत्र में बौद्ध धर्म के प्रसार, क्षेत्रीय कलात्मक परंपराओं और प्राचीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है।
- इस प्रकार की पुरातात्विक खोजें भारत की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को समझने में योगदान देती हैं।
- यह स्तंभ शोधकर्ताओं को उन ऐतिहासिक व्यापार मार्गों, मठवासी नेटवर्कों और कलात्मक प्रभावों का पता लगाने में मदद कर सकता है, जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में बौद्ध परंपराओं को आकार दिया।

स्टैटिक जीके

- परिनिर्वाण से तात्पर्य बुद्ध की मृत्यु के बाद प्राप्त अंतिम मुक्ति से है।
- गौतम बुद्ध ने बोधगया में ज्ञान प्राप्त किया था।
- बौद्ध धर्म की उत्पत्ति प्राचीन भारत में हुई थी।
- तेलंगाना का गठन 2 जून 2014 को हुआ था।

त्रिपुरा के पारंपरिक 'सरिंदा' को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त हुआ



- जून 2026 में त्रिपुरा के पारंपरिक जनजातीय वाद्य यंत्र 'सरिंदा' को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया गया, जिससे राज्य से जुड़ी इसकी विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत और शिल्पकला को मान्यता मिली।
- सरिंदा एक पारंपरिक तंत्री लोक वाद्य यंत्र है, जिसका उपयोग त्रिपुरा के स्वदेशी समुदायों द्वारा विशेष रूप से लोक संगीत, कहानी-कथन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में व्यापक रूप से किया जाता है।

- जीआई पंजीकरण भौगोलिक संकेतक वस्तु (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत प्रदान किया गया, जो इस वाद्य यंत्र के अनधिकृत उपयोग और उसकी नकल के विरुद्ध कानूनी संरक्षण प्रदान करता है।
- इस मान्यता से स्थानीय कारीगरों की आजीविका को बढ़ावा मिलने, स्वदेशी संगीत परंपराओं के संरक्षण, सांस्कृतिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने तथा पारंपरिक हस्तशिल्प के लिए बाजार के अवसरों में वृद्धि होने की उम्मीद है।
- इस उपलब्धि के साथ त्रिपुरा अपने जीआई-टैग प्राप्त उत्पादों के पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है, जिससे राज्य की समृद्ध जनजातीय विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण और संवर्धन को मजबूती मिल रही है।

स्टैटिक जीके

- भारत का जीआई रजिस्ट्री मुख्यालय – चेन्नई; यह उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अंतर्गत कार्य करता है।
- भौगोलिक संकेतक वस्तु (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम: वर्ष 1999 में अधिनियमित; वर्ष 2003 में लागू हुआ।
- त्रिपुरा की राजधानी: अगरतला।
- भारत का पहला जीआई-टैग प्राप्त उत्पाद: दार्जिलिंग चाय (वर्ष 2004–05 में पंजीकृत)।

आरबीआई ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए कड़े प्रशासनिक मानदंड लागू किया



- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) में सुशासन मानकों को मजबूत करने और निदेशक मंडल के कार्यकाल संबंधी नियमों के दुरुपयोग को रोकने के लिए आरबीआई शहरी सहकारी बैंक गवर्नेंस संशोधन निर्देश, 2026 जारी किए।
- यह संशोधन बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत किए गए बदलावों के बाद किया गया, जिसके अनुसार यूसीबी निदेशकों का अधिकतम निरंतर कार्यकाल 8 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दिया गया था।
- आरबीआई ने पाया कि कुछ निदेशक कार्यकाल सीमा से बचने के लिए अल्प अवधि के लिए इस्तीफा देकर पुनः निदेशक मंडल में शामिल हो रहे थे, जिसके कारण कड़े नियम लागू किए गए।
- नए निर्देशों के अनुसार किसी यूसीबी के निदेशक मंडल में लगातार 10 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद 3 वर्ष की अनिवार्य कूलिंग-ऑफ अवधि लागू होगी।
- इन सुधारों का उद्देश्य सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही, व्यावसायिकता और जोखिम प्रबंधन को मजबूत करना है।

स्थैतिक जीके

- शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के अंतर्गत विनियमित होते हैं।
- यूसीबी पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (आरसीएस) द्वारा दोहरा नियमन लागू होता है।

ताइवान बना विश्व का पाँचवाँ सबसे बड़ा शेयर बाजार, भारत छठे स्थान पर

- ताइवान ने मई 2026 में कुल शेयर बाजार पूंजीकरण के आधार पर भारत को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का पाँचवाँ सबसे बड़ा इक्विटी बाजार बनने का स्थान हासिल किया।



- ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, ताइवान का बाजार पूंजीकरण लगभग 4.95 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जो भारत के 4.92 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से थोड़ा अधिक था।
- वैश्विक शेयर बाजार मूल्य के आधार पर ताइवान का स्थान संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद रहा।
- यह वृद्धि मुख्य रूप से ताइवान सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) के शेयरों में आई तेज़ बढ़त के कारण हुई, जो दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी है।
- टीएसएमसी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिप्स और उन्नत सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों की बढ़ती वैश्विक मांग का लाभ मिला।
- यह कंपनी ताइवान के बेंचमार्क शेयर सूचकांक का लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा रखती है, जो तकनीकी क्षेत्र पर बाजार की उच्च निर्भरता को दर्शाता है।

स्थैतिक जीके

- ताइवान का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज ताइवान स्टॉक एक्सचेंज (टीडब्ल्यूएसई) है, जो ताइपे में स्थित है।
- ताइवान सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) की स्थापना वर्ष 1987 में हुई थी और इसका मुख्यालय ह्सिनचू में स्थित है।
- भारत के दो प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) हैं।
- ताइवान की राजधानी ताइपे है और इसकी मुद्रा न्यू ताइवान डॉलर (टीडब्ल्यूडी) है।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28% जीएसटी को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

- सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 को ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर 28% जीएसटी की पूर्वव्यापी (रेट्रोस्पेक्टिव) वसूली को बरकरार रखा।



- न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने निर्णय दिया कि जब किसी ऑनलाइन गेम में धनराशि दांव पर लगाई जाती है, तो ऐसे प्लेटफॉर्म करयोग्य एक्शनएबल क्लेम की श्रेणी में आते हैं।
- न्यायालय ने कहा कि अगस्त 2023 में ऑनलाइन मनी गेमिंग पर 28% जीएसटी लागू करने वाले संशोधन स्पष्टीकरणात्मक प्रकृति के थे और इन्हें पूर्वव्यापी रूप से लागू माना जाएगा।
- सुप्रीम कोर्ट ने वास्तविक धनराशि दांव पर लगाए जाने की स्थिति में जीएसटी के संदर्भ में कौशल आधारित खेल और भाग्य आधारित खेल के बीच अंतर को स्वीकार करने से इंकार कर दिया।
- निर्णय में कहा गया कि ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और टर्फ क्लब जीएसटी कानून के तहत कराधान के लिए सट्टेबाजी और जुए की श्रेणी में आ सकते हैं।
- न्यायालय ने गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के पक्ष में दिए गए कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को निरस्त कर दिया और कंपनी के खिलाफ लगभग 21,000 करोड़ रुपये के जीएसटी कारण बताओ नोटिस को पुनः बहाल कर दिया।
- इस फैसले का प्रभाव ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों, कैसीनो और टर्फ क्लबों पर पड़ेगा, जिनकी संभावित कर देनदारी लगभग 1.5 ट्रिलियन रुपये आंकी गई है।

स्थैतिक जीके

- अनुच्छेद 246ए संसद और राज्य विधानमंडलों को जीएसटी संबंधी कानून बनाने की शक्ति प्रदान करता है।
- भारत में जीएसटी 1 जुलाई 2017 से लागू हुआ था।
- एक्शनएबल क्लेम को केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत मान्यता प्राप्त है।
- वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भारत में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लगाया जाने वाला एक अप्रत्यक्ष कर है।

मीशो और बीएसई ने एमएसएमई के लिए 'प्रोजेक्ट शिखर' लॉन्च किया

- मीशो और बीएसई ने प्रोजेक्ट शिखर लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य एमएसएमई और उच्च प्रदर्शन करने वाले ई-कॉमर्स विक्रेताओं को पूंजी बाजारों तक

पहुँच प्रदान करना तथा उन्हें सार्वजनिक सूचीबद्धता (पब्लिक लिस्टिंग) के लिए तैयार करना है।



- यह पहल एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से शुरू की गई, ताकि पात्र व्यवसायों को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने में सहायता मिल सके।
- प्रोजेक्ट शिखर का उद्देश्य संभावनाशील छोटे व्यवसायों को निजी स्वामित्व वाले उद्यमों से सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों में परिवर्तित होने में सहयोग प्रदान करना है।
- इस कार्यक्रम के तहत इकाई पुनर्गठन, अनुपालन, नियामकीय आवश्यकताओं, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और सूचीबद्धता प्रक्रियाओं से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।
- यह पहल एमएसएमई को दीर्घकालिक विकास पूंजी तक बेहतर पहुँच उपलब्ध कराने और भारत के पूंजी बाजारों में प्रवेश की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास करती है।

स्टैटिक जीके

- एमएसएमई का पूर्ण रूप सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम है।
- बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म की स्थापना छोटे और मध्यम उद्यमों को सरल आवश्यकताओं के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होकर पूंजी जुटाने में सहायता देने के लिए की गई थी।
- बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) एशिया का सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज है और इसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का समुद्री खाद्य निर्यात रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुँचा



- भारत ने वित्त वर्ष 2025–26 में समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात में अब तक का सर्वोच्च स्तर हासिल किया। इस दौरान 19.72 लाख मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया गया, जिनका कुल मूल्य 73,890 करोड़ रुपये (8.46 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा।
- समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अनुसार, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग के कारण भारत ने निर्यात मात्रा और मूल्य दोनों में रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल की।
- फ्रोजन झींगा (फ्रोजन श्रिम्प) सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद बना रहा, जिसने 49,038 करोड़ रुपये (5.62 अरब अमेरिकी डॉलर) का योगदान दिया और कुल निर्यात आय का 66.5 प्रतिशत हिस्सा रहा।
- मूल्य के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का सबसे बड़ा समुद्री खाद्य बाजार बना रहा, जबकि मात्रा के आधार पर चीन सबसे बड़ा गंतव्य देश रहा।
- वर्ष के दौरान सूखे समुद्री खाद्य उत्पादों, फ्रोजन मछली, स्क्विड, कटलफिश, सुरिमी, फिशमील और फिश ऑयल के निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।
- यूरोपीय संघ, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान और मध्य पूर्व भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात के महत्वपूर्ण बाजार बने रहे।
- प्रमुख निर्यात केंद्रों में विशाखापत्तनम, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, कोच्चि, कोलकाता और चेन्नई शामिल रहे।

स्टैटिक जीके

- एमपीईडीए (समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- एमपीईडीए की स्थापना वर्ष 1972 में हुई थी और इसका मुख्यालय कोच्चि में स्थित है।
- फ्रोजन झींगा (फ्रोजन श्रिम्प) भारत का सबसे बड़ा समुद्री खाद्य निर्यात उत्पाद है।

नीलकंठ मिश्रा को विश्व बैंक में भारत का कार्यकारी निदेशक बनाया गया



- भारत सरकार ने नीलकंठ मिश्रा को वाशिंगटन डी.सी. स्थित विश्व बैंक में भारत का अगला कार्यकारी निदेशक (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर) नियुक्त किया है।

- वे तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नियुक्त किए गए हैं और भारत, बांग्लादेश, भूटान तथा श्रीलंका वाले दक्षिण एशियाई निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति द्वारा स्वीकृत इस नियुक्ति के तहत परमेश्वरन अय्यर का स्थान लिया गया है, जिनका कार्यकाल संक्रमण प्रक्रिया के लिए बढ़ाया गया था।
- नियुक्ति से पहले नीलकंठ मिश्रा एक प्रमुख अर्थशास्त्री और एक्सिस बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री (चीफ इकोनॉमिस्ट) थे तथा उन्हें आर्थिक नीति और वैश्विक वित्तीय बाजारों का व्यापक अनुभव प्राप्त है।
- उन्होंने लगभग दो दशकों तक क्रेडिट सुझ में कार्य किया, जहाँ वे प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के इक्विटी रणनीति विभाग के सह-प्रमुख रहे।
- उन्होंने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम), यूआईडीएआई और ट्राई सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी एवं नियामक निकायों में भी सेवाएँ दी हैं।

स्टैटिक जीके

- विश्व बैंक समूह का मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
- विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक सदस्य देशों और निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा वैश्विक विकास वित्तपोषण और नीतिगत निर्णयों की देखरेख करने वाले बोर्ड का हिस्सा होते हैं।
- विश्व बैंक में भारत जिस निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है, उसमें बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका भी शामिल हैं।

वैश्विक शेयर बाजार रैंकिंग में भारत को झटका, सातवें स्थान पर पहुँचा

South Korea overtakes India as world's sixth largest equity market

Country	Market value in \$ trillion
1. U.S.	79.1
2. China	16.3
3. Japan	16.9
4. Hong Kong	7.6
5. Taiwan	5.0
6. South Korea	5.0
7. India	4.9

Note: As of 11 a.m. IST, June 2, 2026; India data as of last close
Source: NSE, Taiwan Stock Exchange, KRX; Data compiled by LSEG

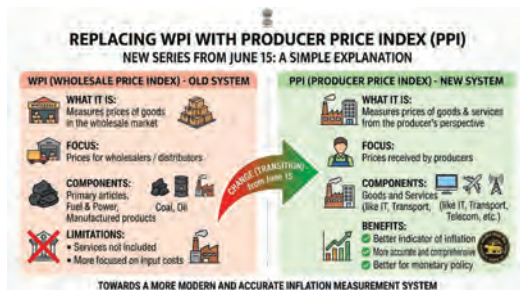
- भारत वैश्विक शेयर बाजार पूंजीकरण रैंकिंग में दक्षिण कोरिया से पीछे होकर सातवें स्थान पर खिसक गया।
- दक्षिण कोरिया की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, जो भारत के लगभग 4.85 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बाजार पूंजीकरण से अधिक है।

- दक्षिण कोरिया की इस प्रगति का प्रमुख कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आई तेजी रही, जिससे सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एस्के हाइनिक्स जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों को लाभ मिला।
- भारत की रैंकिंग में गिरावट का कारण लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी, कॉर्पोरेट आय वृद्धि में कमजोरी तथा एआई-केंद्रित कंपनियों में सीमित भागीदारी को माना गया।
- वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 26 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की निकासी की, जिससे बाजार मूल्यांकन और निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

स्टैटिक जीके

- विश्व का सबसे बड़ा शेयर बाजार संयुक्त राज्य अमेरिका है, जिसका बाजार पूंजीकरण 79 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।
- भारत के प्रमुख शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) हैं।
- एमएससीआई वैश्विक शेयर बाजार सूचकांकों का एक प्रमुख प्रदाता है, जिसका उपयोग विश्वभर के निवेशक करते हैं।

थोक मूल्य सूचकांक की जगह अब उत्पादक मूल्य सूचकांक, 15 जून से नई श्रृंखला लागू



- भारत सरकार 15 जून 2026 से उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) और संशोधित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) श्रृंखला शुरू करेगी, जो मुद्रास्फीति मापन प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार माना जा रहा है।
- डब्ल्यूपीआई के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया गया है, ताकि अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को बेहतर ढंग से दर्शाया जा सके।
- पीपीआई अगले पाँच वर्षों में धीरे-धीरे डब्ल्यूपीआई का स्थान लेगा, जिसके बाद डब्ल्यूपीआई को समाप्त किए जाने की संभावना है।
- डब्ल्यूपीआई के विपरीत, नया पीपीआई वस्तुओं और सेवाओं दोनों को शामिल करेगा, जिससे उत्पादक स्तर की मुद्रास्फीति का अधिक व्यापक आकलन संभव होगा।
- पीपीआई ढाँचे में आउटपुट पीपीआई, इनपुट पीपीआई और सर्विसेज पीपीआई शामिल होंगे, जो उत्पादन के विभिन्न चरणों में कीमतों में होने वाले बदलावों को मापने में सहायता करेंगे।

- प्रारंभिक चरण में सर्विसेज पीपीआई सात क्षेत्रों—बैंकिंग, बीमा, प्रतिभूति लेनदेन, पेंशन फंड प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री परिवहन और दूरसंचार—को कवर करेगा।
- यह सुधार भारत की सांख्यिकीय प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्टैटिक जीके

- डब्ल्यूपीआई (थोक मूल्य सूचकांक) थोक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलावों को मापता है और इसका संकलन डीपीआईआईटी के आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा किया जाता है।
- पीपीआई (उत्पादक मूल्य सूचकांक) उत्पादकों द्वारा प्राप्त कीमतों को मापता है तथा इसमें वस्तुएँ और सेवाएँ दोनों शामिल होती हैं, जिससे यह मुद्रास्फीति का अधिक व्यापक संकेतक बन जाता है।
- सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) वह मुद्रास्फीति मापक है जिसका उपयोग भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति संबंधी निर्णयों के लिए करता है।

काबिल ने अर्जेंटीना में पाँच लिथियम ब्लॉकों का अधिग्रहण किया



- खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) ने ब्राइन लिथियम की गहन खोज के लिए कैटामार्का प्रांत में पाँच लिथियम ब्लॉकों का अधिग्रहण किया।
- यह परियोजना लगभग 15,703 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है, जो विश्व के सबसे समृद्ध लिथियम भंडार वाले क्षेत्रों में से एक लिथियम ट्रायंगल के अंतर्गत आता है।
- काबिल को अप्रैल 2026 में ड्रिलिंग और अन्वेषण गतिविधियों के लिए अर्जेंटीना से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हुई।
- भारत ने इस परियोजना में लगभग 200 करोड़ रुपये निवेश करने तथा कैटामार्का में एक स्थानीय कार्यालय स्थापित करने की योजना बनाई है।
- काबिल, नाल्को, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड और मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड का एक संयुक्त उपक्रम है।

स्टैटिक जीके

- काबिल की स्थापना 2019 में खान मंत्रालय के अंतर्गत की गई थी।
- लिथियम ट्रायंगल में अर्जेंटीना, चिली और बोलीविया शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2026-27 में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.6% बढ़ा



- भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 जून 2026 तक वर्ष-दर-वर्ष 14.64% बढ़कर ₹5.21 ट्रिलियन हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में यह ₹4.5 ट्रिलियन था।
- सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 12.46% बढ़कर ₹6.1 ट्रिलियन हो गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में ₹5.4 ट्रिलियन था।
- सरकार ने ₹89,025.71 करोड़ के कर रिफंड जारी किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.19% की मामूली वृद्धि दर्शाते हैं।
- कर संग्रह में वृद्धि का प्रमुख कारण मजबूत कॉर्पोरेट लाभप्रदता, अग्रिम कर भुगतान में वृद्धि, बेहतर कर अनुपालन, अर्थव्यवस्था का निरंतर औपचारिकीकरण और आय में स्थिर वृद्धि रही।

स्टैटिक जीके

- शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह से आशय करदाताओं को जारी किए गए रिफंड को घटाने के बाद प्राप्त कुल प्रत्यक्ष कर राजस्व से है।
- प्रत्यक्ष करों में कॉर्पोरेट कर तथा व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ), साझेदारी फर्मों, व्यक्तियों के संघ (एओपी), व्यक्तियों के निकाय (बीओआई), स्थानीय प्राधिकरणों और अन्य संस्थाओं द्वारा भुगतान किए जाने वाले गैर-कॉर्पोरेट कर शामिल हैं।
- आयकर विभाग, वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्य करता है।

आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड के मानदंडों में संशोधन किया



- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 19 जून 2026 को संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ढाँचा जारी किया और नए नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे।

- संशोधित ढाँचे के तहत बैंकों के आय मान्यता और परिसंपत्ति वर्गीकरण (आईआरएसी) मानदंडों के अनुरूप अल्पावधि फसलों के लिए फसल अवधि 12 महीने और दीर्घावधि फसलों के लिए 18 महीने निर्धारित की गई है।
- बैंकों ने प्रति उधारकर्ता ₹2 लाख तक के कृषि और संबद्ध गतिविधियों के ऋणों पर संपार्श्विक सुरक्षा और मार्जिन आवश्यकताओं में छूट जारी रखी है।
- आरबीआई ने ₹2 लाख तक के कृषि ऋणों के लिए सोने और चाँदी को स्वेच्छा से संपार्श्विक के रूप में गिरवी रखने की अनुमति दी, जिसे संपार्श्विक-मुक्त ऋण दिशा-निर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।
- ₹2 लाख से अधिक के केसीसी ऋणों के लिए संपार्श्विक और मार्जिन आवश्यकताएँ बैंकों द्वारा अपनी ऋण नीतियों और आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित की जाएंगी।
- एक हेक्टेयर तक भूमि रखने वाले सीमांत किसान बैंक के आकलन के आधार पर ₹10,000 से ₹50,000 तक की लचीली ऋण सीमा के लिए पात्र हो गए हैं।
- 1 जनवरी 2027 से पहले स्वीकृत केसीसी ऋण उनकी परिपक्वता या नवीनीकरण तक मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत ही जारी रहेंगे।

स्टैटिक जीके

- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना फसल उत्पादन, कटाई के बाद के खर्चों और संबद्ध कृषि गतिविधियों के लिए अल्पकालिक संस्थागत ऋण प्रदान करती है।
- आईआरएसी (आय मान्यता और परिसंपत्ति वर्गीकरण) मानदंडों का उपयोग बैंकों द्वारा ऋण परिसंपत्तियों को मानक, निम्न-मानक, संदिग्ध या हानि परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत करने के लिए किया जाता है।
- भारत में सीमांत किसान सामान्यतः वे किसान माने जाते हैं, जिनके पास एक हेक्टेयर तक की कृषि योग्य भूमि होती है।

सीपीसीएल भारत की 28वीं नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बनी



- चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल) को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) का दर्जा दिया गया, जिससे यह भारत की 28वीं नवरत्न कंपनी बन गई।

- सीपीसीएल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य करती है और पेट्रोलियम शोधन तथा उससे संबंधित गतिविधियों में संलग्न है।
- नवरत्न का दर्जा अधिक वित्तीय और परिचालन स्वायत्तता प्रदान करता है, जिससे कंपनियाँ कम सरकारी हस्तक्षेप के साथ निवेश करने, संयुक्त उद्यम स्थापित करने और विस्तार परियोजनाएँ शुरू करने में सक्षम होती हैं।
- यह वर्गीकरण विशिष्ट प्रदर्शन मानदंडों के आधार पर उच्च प्रदर्शन करने वाले सीपीएसई को प्रदान किया जाता है।

- इस उन्नयन से सीपीसीएल की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होने, निर्णय लेने में लचीलापन बढ़ने और भारत के ऊर्जा सुरक्षा उद्देश्यों को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

स्टैटिक जीके

- महारत्न, सीपीएसई की सर्वोच्च श्रेणी है।
- नवरत्न का दर्जा वर्ष 1997 में शुरू किया गया था।
- सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) सीपीएसई का मूल्यांकन करता है।

वैज्ञानिकों ने पृथ्वी से चंद्रमा तक ईंधन बचाने वाला नया मार्ग खोजा



- वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने उन्नत कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग और गुरुत्वीय गतिकी का उपयोग करते हुए पृथ्वी से चंद्रमा तक जाने के लिए एक नया ईंधन-कुशल मार्ग खोजा।
- यह अध्ययन एस्ट्रोडायनमिक्स जर्नल में प्रकाशित हुआ और इसमें साओ पाउलो विश्वविद्यालय तथा कोयम्ब्रा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने भाग लिया।
- शोधकर्ताओं ने कक्षीय गणनाओं को सरल बनाने वाले गणितीय ढाँचे थ्योरी ऑफ फंक्शनल कनेक्शन्स (TFC) का उपयोग करते हुए पृथ्वी से चंद्रमा तक की लगभग 3 करोड़ संभावित प्रक्षेपवक्रों का सिमुलेशन किया।
- नए खोजे गए मार्ग से मौजूदा कम-लागत वाले चंद्र स्थानांतरण मार्गों की तुलना में लगभग 58.8 मीटर प्रति सेकंड ईंधन की बचत संभव हुई।
- यह मार्ग चंद्रमा के पृथ्वी की ओर वाले हिस्से से पहुँचने के बजाय एल1 लैग्रांज बिंदु के निकट स्थित एक छिपे हुए गुरुत्वीय मार्ग का उपयोग करता है।
- यह खोज भविष्य के चंद्र अभियानों की लागत कम करने, पेलोड क्षमता बढ़ाने तथा नासा और निजी अंतरिक्ष कंपनियों जैसी संस्थाओं के लिए गहरे अंतरिक्ष मिशनों की योजना को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक हो सकती है।

स्थैतिक जीके

- एल1 लैग्रांज बिंदु दो पिंडों की गुरुत्वीय प्रणाली में स्थित पाँच संतुलन बिंदुओं में से एक है।
- आर्टेमिस कार्यक्रम का उद्देश्य मनुष्यों को पुनः चंद्रमा पर भेजना और दीर्घकालिक चंद्र अन्वेषण अवसंरचना स्थापित करना है।

डेटा सेंटर क्षमता में भारत ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरा स्थान हासिल किया



- भारत 27 मई 2026 तक लगभग 1.6 गीगावाट की परिचालन डेटा सेंटर क्षमता के साथ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरे स्थान पर रहा।
- यह उपलब्धि क्लाउड कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स और डेटा स्थानीयकरण सेवाओं के केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है।
- मजबूत कनेक्टिविटी और बढ़ती कॉर्पोरेट मांग के कारण मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे और नोएडा प्रमुख डेटा सेंटर केंद्रों के रूप में उभरे हैं।
- उद्योग रिपोर्टों के अनुसार बढ़ती इंटरनेट पहुंच, 5जी विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस पहलों और एआई के बढ़ते उपयोग से हाइपरस्केल डेटा सेंटरों में निवेश को बढ़ावा मिल रहा है।
- इस क्षेत्र में अडानीकॉननेक्स, योस्टा डेटा सर्विसेज, CtrIS डाटासेंटर्स, एनटीटी डेटा और एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर्स जैसी कंपनियों ने बड़े निवेश किए हैं।

स्थैतिक जीके

- डेटा सेंटर एक ऐसी सुविधा है, जिसका उपयोग डिजिटल डेटा और कंप्यूटिंग प्रणालियों के भंडारण, प्रसंस्करण और प्रबंधन के लिए किया जाता है।
- मुंबई भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर बाजार है।
- डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2015 में की गई थी।
- 1 गीगावाट (GW) = 1,000 मेगावाट (MW) के बराबर होता है।

210 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित लौटे



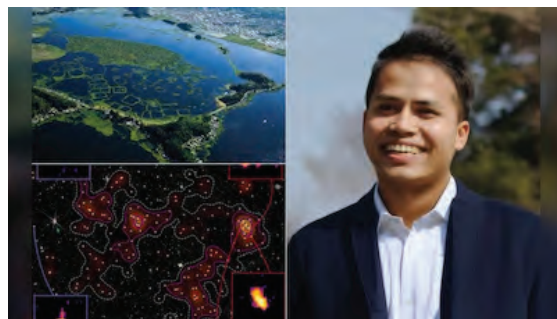
- शेनझोउ-21 मिशन के तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री 29 मई 2026 को 210 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए। यह चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर किसी एक दल द्वारा पूरा किया गया अब तक का सबसे लंबा मिशन था।
- इस दल में झांग लू, वू फेई और झांग होंगझांग शामिल थे, जिन्होंने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर अपना मिशन पूरा किया।
- अंतरिक्ष यात्रियों की लैंडिंग इनर मंगोलिया स्थित डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर हुई और उन्हें पूर्णतः स्वस्थ बताया गया।
- यह मिशन 31 अक्टूबर 2025 को लॉन्ग मार्च-2एफ रॉकेट के माध्यम से जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से प्रक्षेपित किया गया था।
- अपने प्रवास के दौरान दल ने सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण भौतिकी, जीवन विज्ञान, एयरोस्पेस चिकित्सा और उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों से संबंधित वैज्ञानिक प्रयोग किए।
- शेनझोउ-21 दल का स्थान शेनझोउ-23 टीम ने लिया, जो 24 मई 2026 को तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पहुँची थी।

स्थैतिक जीके

- तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन का अर्थ “स्वर्गीय महल” है और यह चीन का स्थायी रूप से आबाद मॉड्यूलर अंतरिक्ष स्टेशन है।
- चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) चीन के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का संचालन करती है।
- जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर चीन के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के गोबी मरुस्थल में स्थित है।
- शेनझोउ का अर्थ “दिव्य पोत” है और यह चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष यान श्रृंखला का नाम है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने आकाशगंगाओं के प्राचीन ‘लोकटक प्रोटोक्लस्टर’ की खोज की

- भारतीय खगोलभौतिकी संस्थान के शोधकर्ताओं ने ब्रह्मांड के प्रारंभिक काल में लगभग 12.6 अरब वर्ष पहले बने आकाशगंगाओं के एक विशाल समूह की खोज की, जिसे लोकटक प्रोटोक्लस्टर नाम दिया गया है।



- प्रोटोक्लस्टर आकाशगंगाओं का एक प्रारंभिक समूह होता है, जो अरबों वर्षों में विकसित होकर एक विशाल आकाशगंगा समूह (गैलेक्सी क्लस्टर) का रूप लेता है।
- वैज्ञानिकों ने लोकटक प्रोटोक्लस्टर को युवा और तीव्र गति से तारों का निर्माण करने वाली आकाशगंगाओं की घनता के कारण “आकाशगंगाओं का शहर” बताया है।
- यह खोज बिग बैंग के तुरंत बाद ब्रह्मांडीय संरचनाओं के निर्माण को समझने में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है।
- शोधकर्ताओं के अनुसार यह प्रोटोक्लस्टर उस समय अस्तित्व में था, जब ब्रह्मांड की आयु केवल लगभग 1.2 अरब वर्ष थी।
- यह खोज डार्क मैटर के वितरण, आकाशगंगाओं के विकास और विशाल ब्रह्मांडीय नेटवर्क को समझने में सहायता कर सकती है।
- इस प्रोटोक्लस्टर का नाम पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील लोकटक झील के नाम पर रखा गया है।

स्थैतिक जीके

- लोकटक झील अपने तैरते हुए द्वीपों, जिन्हें फुमदी कहा जाता है, के लिए प्रसिद्ध है।
- भारतीय खगोलभौतिकी संस्थान का मुख्यालय बेंगलुरु में स्थित है।
- ब्रह्मांड की अनुमानित आयु लगभग 13.8 अरब वर्ष मानी जाती है।
- एस्ट्रोसैट भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रक्षेपित भारत की पहली समर्पित बहु-तरंगदैर्घ्य अंतरिक्ष वेधशाला है।

नेट्रासेमी ने स्वदेशी ए2000 एज एआई चिप लॉन्च की

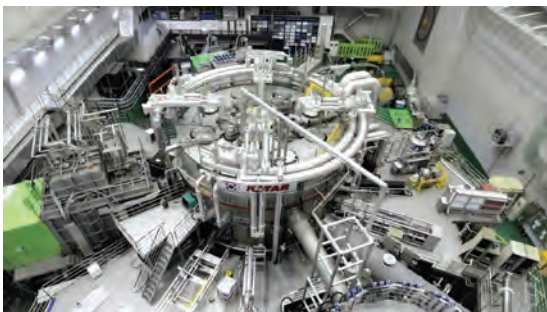


- नेट्रासेमी ने मई 2026 में महत्वपूर्ण सिलिकॉन ब्रिंग-अप चरण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अपनी प्रमुख ए2000 एज एआई सिस्टम-ऑन-चिप (SoC) लॉन्च की।
- ए2000 भारत में विकसित शुरुआती स्वदेशी एआई/एमएल चिप्स में से एक है, जिसे रियल-टाइम और डिवाइस-आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रसंस्करण के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- 12-नैनोमीटर प्रक्रिया तकनीक पर निर्मित यह चिप स्मार्ट कैमरों, निगरानी प्रणालियों, रोबोटिक्स, ड्रोन, इंटेलिजेंट वीडियो गेटवे और औद्योगिक स्वचालन के लिए विकसित की गई है।
- इस चिपसेट में नेट्रासेमी की स्वदेशी न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट (NPU), विजन प्रोसेसिंग यूनिट (VPU), इमेज सिग्नल प्रोसेसर (ISP) और सुरक्षा इंजन एकीकृत हैं।
- ए2000 एज एआई कंप्यूटिंग को सक्षम बनाती है, जिससे क्लाउड अवसंरचना पर निर्भर हुए बिना एआई कार्यभार का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण किया जा सकता है।
- नेट्रासेमी को ज़ोहो कॉरपोरेशन का समर्थन प्राप्त है और कंपनी ने यूनिफॉर्म इंडिया वेंचर्स सहित विभिन्न निवेशकों से लगभग 125 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है।

स्थैतिक जीके

- सिस्टम-ऑन-चिप (SoC) एक एकल सेमीकंडक्टर चिप पर अनेक कंप्यूटिंग घटकों को एकीकृत करता है।
- एज एआई डेटा प्रसंस्करण को दूरस्थ क्लाउड सर्वरों के बजाय सीधे उपकरणों पर संभव बनाता है।
- टीएसएमसी का पूर्ण रूप ताइवान सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग कंपनी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी है।
- केरल भारत के सेमीकंडक्टर और डीप-टेक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख केंद्रों में उभर रहा है।

केस्टार ने 102 सेकंड के उच्च-परिरोधन प्लाज़्मा का नया कीर्तिमान स्थापित किया



- केस्टार (कोरिया सुपरकंडक्टिंग टोकामाक एडवांस्ड रिसर्च) ने दिसंबर 2023 से फरवरी 2024 के बीच किए गए प्रयोगों में 102 सेकंड तक उच्च-परिरोधन

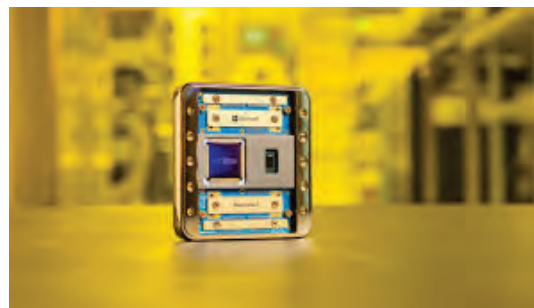
(एच-मोड) प्लाज़्मा को बनाए रखकर नाभिकीय संलयन अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

- यह उपलब्धि प्लाज़्मा की स्थिरता में महत्वपूर्ण सुधार को दर्शाती है, जो व्यावहारिक नाभिकीय संलयन ऊर्जा के विकास के लिए आवश्यक है।
- केस्टार को 100 मिलियन डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाले अतिउष्ण प्लाज़्मा को चुंबकीय रूप से नियंत्रित करके सूर्य की ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया का अनुकरण करने के लिए विकसित किया गया है।
- इस प्रयोग का मुख्य उद्देश्य दीर्घकालिक प्लाज़्मा संचालन के दौरान आंतरिक परिवहन अवरोधों में सुधार करना और ऊर्जा हानि को कम करना था।
- यह उपलब्धि केस्टार के पूर्व रिकॉर्डों पर आधारित है, जिनमें 30 सेकंड तक उच्च तापमान वाले प्लाज़्मा का संचालन शामिल है।
- इस अनुसंधान का नेतृत्व कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूजन एनर्जी ने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से किया।

स्टैटिक जीके

- केस्टार दक्षिण कोरिया के देजॉन शहर में स्थित है।
- फ्रांस में निर्माणाधीन आईटीईआर विश्व का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय नाभिकीय संलयन प्रयोग है।
- नाभिकीय संलयन को स्वच्छ और लगभग असीमित ऊर्जा का संभावित स्रोत माना जाता है।

माइक्रोसॉफ्ट ने एआई-डिज़ाइन की गई मेजोराना 2 क्वांटम चिप का अनावरण किया



- माइक्रोसॉफ्ट ने मेजोराना 2 नामक अगली पीढ़ी की क्वांटम कंप्यूटिंग चिप का अनावरण किया, जिसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सहायता से डिज़ाइन किया गया है।
- यह चिप टोपोलॉजिकल क्यूबिट्स पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक क्यूबिट्स की तुलना में अधिक स्थिर और कम त्रुटिपूर्ण माना जाता है।
- मेजोराना 2 क्वांटम गणना के लिए मेजोराना कणों का निर्माण और नियंत्रण करने हेतु टोपोकंडक्टर्स नामक नई श्रेणी की सामग्रियों का उपयोग करती है।
- एआई उपकरणों ने शोधकर्ताओं को सामग्री के विभिन्न संयोजनों की खोज और अनुकूलन में सहायता प्रदान की, जिससे क्वांटम हार्डवेयर के विकास में लगने वाला समय कम हुआ।

- यह विकास जटिल वैज्ञानिक और औद्योगिक समस्याओं के समाधान के लिए लाखों क्यूबिट्स का समर्थन करने वाली क्वांटम प्रणालियाँ विकसित करने के माइक्रोसॉफ्ट के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

स्टैटिक जीके

- माइक्रोसॉफ्ट की स्थापना वर्ष 1975 में बिल गेट्स और पॉल एलन द्वारा की गई थी।
- माइक्रोसॉफ्ट का मुख्यालय रेडमंड में स्थित है।
- क्यूबिट (क्वांटम बिट) क्वांटम सूचना की मूल इकाई है।
- मेजोराना कण का नाम एतोर मेजोराना के नाम पर रखा गया है।
- राष्ट्रीय क्वांटम मिशन को वर्ष 2023 में 6,003.65 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्वीकृति दी गई थी।

नासा ने 2027 के चंद्र मिशन हेतु आर्टेमिस III के चालक दल की घोषणा की



- नासा ने आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत 2027 में निर्धारित एक प्रमुख परीक्षण मिशन के लिए चार सदस्यीय आर्टेमिस III चालक दल की घोषणा की।

- मुख्य चालक दल में रैडी ब्रेसनिक (कमांडर), लुका पार्मितानो (पायलट), आंद्रे डगलस और फ्रैंक रुबियो मिशन विशेषज्ञ के रूप में शामिल हैं, जबकि बॉब हाइन्स बैकअप चालक दल के सदस्य होंगे।
- यह मिशन भविष्य के चंद्र अभियानों के लिए अंतरिक्ष यान रेंडेजवस, डॉकिंग संचालन, चालक दल स्थानांतरण प्रक्रियाएं, नेविगेशन प्रणालियाँ और चंद्र लैंडर एकीकरण का परीक्षण करेगा।
- ओरायन अंतरिक्ष यान को केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेस लॉन्च सिस्टम के माध्यम से प्रक्षेपित किया जाएगा।
- आर्टेमिस III में ब्लू ओरिजिन और स्पेसएक्स द्वारा विकसित चंद्र लैंडर पाथफाइंडर्स के साथ डॉकिंग प्रदर्शन किए जाएंगे।
- यह मिशन पहली बार होगा जब यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के किसी अंतरिक्ष यात्री को आर्टेमिस मिशन में नियुक्त किया गया है, जिसमें लुका पार्मितानो पायलट के रूप में कार्य करेंगे।
- नासा आर्टेमिस कार्यक्रम के माध्यम से चंद्रमा पर मानव की स्थायी उपस्थिति स्थापित करने और भविष्य के मानवयुक्त मंगल अभियानों की तैयारी करने की योजना बना रहा है।

स्टैटिक जीके

- आर्टेमिस कार्यक्रम का उद्देश्य मनुष्यों को पुनः चंद्रमा पर भेजना और भविष्य के मंगल अन्वेषण का समर्थन करना है।
- चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर प्रस्तावित पहला मिशन आर्टेमिस IV (2028) है।
- यूरोपीय सेवा मॉड्यूल ओरायन अंतरिक्ष यान को प्रणोदन, ऊर्जा, वायु और जल उपलब्ध कराता है।
- फ्रैंक रुबियो के नाम 371 दिनों के साथ किसी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री द्वारा सबसे लंबे एकल अंतरिक्ष मिशन का रिकॉर्ड है।

अमित शाह ने स्मार्ट सीमा प्रबंधन के लिए एलपीएमएस 'विनिमय' लॉन्च किया



- 9 जून 2026 को अमित शाह ने नई दिल्ली में सीमा प्रबंधन के आधुनिकीकरण के लिए लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) 'विनिमय' लॉन्च किया।
- यह डिजिटल प्लेटफॉर्म वास्तविक समय समन्वय के लिए कार्गो, वाहन, यात्री और अंतर-एजेंसी संचालन को एक ही इंटरफेस पर एकीकृत करता है।
- एलपीएमएस प्रमुख एजेंसियों जैसे सीबीआईसी, बीएसएफ, डीजीएफटी, यूआईडीएआई, आईसीईगेट, यूएलआईपी और मोटर वाहन प्रणालियों को जोड़ता है।
- इस प्रणाली से कागजी कार्यवाही में लगभग 90% की कमी, ट्रकों के प्रतीक्षा समय में 40-60% की कमी तथा प्रवेश द्वार प्रसंस्करण समय में 22-35% की कमी आने की उम्मीद है।
- यह प्लेटफॉर्म सुरक्षा, व्यापार सुविधा, निगरानी और सीमा-पार संपर्क को बेहतर बनाकर भारत की स्मार्ट बॉर्डर रणनीति का समर्थन करता है।
- वर्तमान में भारत में 15 परिचालित भूमि बंदरगाह हैं और सरकार अगले दो से तीन वर्षों में 11 अतिरिक्त भूमि बंदरगाह विकसित करने की योजना बना रही है।
- भूमि बंदरगाहों के माध्यम से व्यापार 2014 में 5,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026 में 83,000 करोड़ रुपये हो गया, जो सीमा-पार वाणिज्य में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

स्टैटिक जीके

- लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एलपीएआई) की स्थापना 2010 में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया अधिनियम, 2010 के तहत की गई थी।
- एलपीएआई गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- एलपीएआई का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- एलपीएआई भूमि बंदरगाहों के प्रबंधन, सीमा व्यापार को सुगम बनाने और सीमा-पार संपर्क बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।

भारत ने लंबी दूरी की भूमि आक्रमण क्रूज मिसाइल (एलआरएलएसीएम) का परीक्षण किया



- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 15 जून 2026 को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी की भूमि आक्रमण क्रूज मिसाइल (एलआरएलएसीएम) का सफल परीक्षण किया।
- यह मिसाइल भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए लंबी दूरी के सटीक प्रहार हथियार के रूप में विकसित की गई है।
- परीक्षण के दौरान मिसाइल की प्रणोदन, मार्गदर्शन, नेविगेशन, नियंत्रण और वारहेड प्रक्षेपण प्रणालियों का सफल सत्यापन किया गया तथा सभी मिशन उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया गया।
- मिसाइल की अनुमानित मारक क्षमता 1,000-1,500 किमी है और इसका विकास पूरी तरह भारत में किया गया है।

- यह प्रणाली निर्भर कार्यक्रम के तहत विकसित प्रौद्योगिकियों पर आधारित है, जिसमें डीआरडीओ की कई प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योग साझेदारों का योगदान रहा है।

स्टैटिक जीके

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप ओडिशा तट के निकट स्थित एक प्रमुख मिसाइल परीक्षण केंद्र है।
- क्रूज मिसाइल एक निर्देशित मिसाइल होती है, जो पूर्व-निर्धारित मार्ग का अनुसरण करते हुए कम ऊंचाई पर उड़ान भरकर अपने लक्ष्य तक पहुंचती है।

भारतीय सेना एक्सरसाइज खान क्वेस्ट 2026 के लिए रवाना



- भारतीय सेना का एक दल एक्सरसाइज खान क्वेस्ट 2026 के लिए रवाना हुआ, जिसका आयोजन 20 जून से 3 जुलाई 2026 तक मंगोलिया की राजधानी उलानबटार स्थित फाइव हिल्स प्रशिक्षण क्षेत्र में किया जाएगा।
- भारतीय दल में 40 सैन्यकर्मि शामिल हैं, जिनमें जाट रेजिमेंट की एक बटालियन के सैनिक तथा भारतीय सेना की विभिन्न शाखाओं और सेवाओं के कर्मि शामिल हैं।
- इस अभ्यास का उद्देश्य बहुराष्ट्रीय वातावरण में भाग लेने वाले सशस्त्र बलों के बीच अंतर-संचालन क्षमता, समन्वय और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

स्टैटिक जीके

- एक्सरसाइज खान क्वेस्ट मंगोलिया द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास है, जो शांति स्थापना और शांति समर्थन अभियानों पर केंद्रित है।
- इस अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2003 में मंगोलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय अभ्यास के रूप में हुई थी और वर्ष 2006 में इसे बहुराष्ट्रीय अभ्यास के रूप में विस्तारित किया गया।
- खान क्वेस्ट 2026 इस अभ्यास का 23वाँ संस्करण है।
- उलानबटार मंगोलिया की राजधानी है।

भारतीय तटरक्षक बल ने पहला स्वदेशी होवरक्राफ्ट एच-561 शामिल किया

- भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने 18 जून 2026 को देश के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित एयर कुशन वाहन (एसीवी) एच-561 को शामिल किया।



- इस होवरक्राफ्ट का विकास गोवा स्थित अपने शिपबिल्डिंग परिसर में चौगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत किया गया।
- एच-561 भारतीय तटरक्षक बल द्वारा तटीय निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने के लिए ऑर्डर किए गए छह होवरक्राफ्ट में से पहला बन गया।
- इस होवरक्राफ्ट को उच्च गति वाले अभियानों, बहु-भूभागीय गतिशीलता और दुर्गम तटीय क्षेत्रों तक बेहतर पहुँच के लिए डिजाइन किया गया है।
- इसकी शामिलीकरण से तटीय सुरक्षा, समुद्री निगरानी, खोज एवं बचाव अभियानों तथा आपदा प्रतिक्रिया में तटरक्षक बल की क्षमताएँ मजबूत हुई हैं।
- होवरक्राफ्ट उथले जल, कीचड़युक्त क्षेत्रों, रेतीले तटों, दलदली भूमि, नदीमुखों और तटीय आर्द्रभूमियों पर भी संचालित हो सकते हैं, जहाँ पारंपरिक पोतों की कार्यक्षमता सीमित होती है।

अमेरिका ने भारत के अपाचे और एम777 प्रणालियों के लिए सहायता पैकेज को मंजूरी दी



- संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत के एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों और एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर प्रणालियों के लिए 48.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज को मंजूरी दी।
- इस पैकेज में भारतीय सशस्त्र बलों के साथ पहले से सेवा में मौजूद उपकरणों के लिए रखरखाव, स्पेयर पार्ट्स, मरम्मत सेवाएँ, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और डिपो-स्तरीय समर्थन शामिल है।

- एच-64ई अपाचे बेड़े के लिए सहायता का मूल्य 19.82 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जबकि एम777ए2 होवित्जरो के लिए सहायता का मूल्य लगभग 23 करोड़ अमेरिकी डॉलर था।
- इस पैकेज का उद्देश्य भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच परिचालन तत्परता और रक्षा सहयोग को मजबूत करना है।

स्टैटिक जीके

- एच-64ई अपाचे, बोइंग द्वारा विकसित एक दोहरे इंजन वाला अटैक हेलीकॉप्टर है।
- एम777ए2 एक 155 मिमी की अल्ट्रा-लाइट टोइड होवित्जर है, जो अपने टाइटेनियम निर्माण के लिए प्रसिद्ध है।

वाइस एडमिरल अजय कोचर नौसेना के 48वें उप नौसेना प्रमुख बने



- अजय कोचर ने 29 मई 2026 को भारतीय नौसेना के 48वें उप नौसेना प्रमुख (वीसीएनएस) के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- उन्होंने संजय वात्सायन का स्थान लिया, जिन्हें पश्चिमी नौसैनिक कमान का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है।
- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे के पूर्व छात्र अजय कोचर को 1 जुलाई 1988 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्रदान किया गया था।
- वाइस एडमिरल कोचर गनरी और मिसाइल प्रणालियों के विशेषज्ञ हैं तथा अपने 37 वर्षों के नौसैनिक करियर में उन्होंने कई कमांड, परिचालन और स्टाफ पदों पर सेवाएँ दी हैं।
- इस नियुक्ति से पहले वे अंडमान एवं निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्यरत थे।
- उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसैनिक तैयारी और अग्रिम तैनाती को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और नौ सेना पदक (एनएम) से सम्मानित किया जा चुका है।

स्थैतिक जीके

- उप नौसेना प्रमुख (वीसीएनएस) भारतीय नौसेना में नौसेना प्रमुख के बाद दूसरा सर्वोच्च पद होता है।
- भारतीय नौसेना का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- दिनेश के. त्रिपाठी वर्तमान नौसेना प्रमुख हैं।
- अंडमान एवं निकोबार कमान भारत की पहली और एकमात्र एकीकृत त्रि-सेवा थिएटर कमान है।

- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी महाराष्ट्र के पुणे स्थित खडकवासला में स्थित है।

हरि बाबू कंभमपति ने ओडिशा के 27वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली



- हरि बाबू कंभमपति ने 3 जनवरी 2025 को भुवनेश्वर स्थित राजभवन में ओडिशा के 27वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की।
- उन्हें चक्रधारी शरण सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने रघुवर दास के इस्तीफे के बाद यह पद संभाला।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 24 दिसंबर 2024 को उन्हें ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया था।
- पदभार ग्रहण करने से पूर्व उन्होंने भगवान जगन्नाथ को समर्पित चार धाम तीर्थस्थलों में से एक श्री जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए।
- हरि बाबू कंभमपति इससे पहले मिजोरम के राज्यपाल के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

स्थैतिक जीके

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 153 के अनुसार राज्यपाल किसी राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है।
- राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 155 के तहत की जाती है तथा वह अनुच्छेद 156 के अंतर्गत पद धारण करता है।
- राज्यपाल के पद एवं गोपनीयता की शपथ का प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 159 में किया गया है।
- भुवनेश्वर स्थित राजभवन ओडिशा के राज्यपाल का आधिकारिक निवास है।
- ओडिशा 1 अप्रैल 1936 को एक पृथक राज्य बना था और पहले इसे उड़ीसा के नाम से जाना जाता था।

जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पदभार संभाला



- एन. एस. राजा सुब्रमणि ने 31 मई 2026 को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने अनिल चौहान का स्थान लिया।
- 40 वर्षों से अधिक के सैन्य अनुभव के साथ वे देश के सर्वोच्च रैंक वाले सैन्य अधिकारी और भारत सरकार के प्रमुख सैन्य सलाहकार बने।
- सीडीएस के रूप में वे रक्षा सुधारों का नेतृत्व करेंगे, थल सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच एकीकरण को मजबूत करेंगे तथा संयुक्त सैन्य अभियानों को और प्रभावी बनाएंगे।
- सीडीएस बनने से पहले वे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में सैन्य सलाहकार, उप थल सेनाध्यक्ष (2024–25) तथा जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, सेंट्रल कमांड (2023–24) के पदों पर कार्य कर चुके हैं।
- वे पाकिस्तान और चीन से संबंधित सुरक्षा मामलों में अपने व्यापक परिचालन अनुभव और विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं।

स्टैटिक जीके

- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) भारत सरकार के प्रमुख सैन्य सलाहकार होते हैं तथा तीनों सशस्त्र सेनाओं के बीच समन्वय को बढ़ावा देते हैं।
- सीडीएस का पद वर्ष 2019 में सृजित किया गया था और बिपिन रावत भारत के पहले सीडीएस थे।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने 27वें नौसेना प्रमुख के रूप में पदभार संभाला



- एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने भारतीय नौसेना के 27वें नौसेना प्रमुख (चीफ ऑफ द नेवल स्टाफ - सीएनएस) के रूप में पदभार ग्रहण किया।
- उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी का स्थान लिया।
- इस नियुक्ति से पहले एडमिरल स्वामीनाथन उप नौसेना प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ द नेवल स्टाफ) के रूप में कार्यरत थे तथा उन्होंने कई महत्वपूर्ण परिचालन, स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी जिम्मेदारियाँ निभाई हैं।
- वे संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला के विशेषज्ञ हैं तथा अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों और प्रमुख नौसैनिक संरचनाओं का नेतृत्व कर चुके हैं।
- उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारतीय नौसेना समुद्री सुरक्षा, स्वदेशी युद्धपोत निर्माण, सैन्य आधुनिकीकरण और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है।

स्टैटिक जीके

- भारतीय नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की तीन शाखाओं में से एक है।
- नौसेना दिवस प्रतिवर्ष 4 दिसंबर को ऑपरेशन ट्राइडेंट की स्मृति में मनाया जाता है।
- भारत के राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर होते हैं।
- नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य “शं नो वरुणः” है, जिसका अर्थ है—“समुद्र के देवता वरुण हमारे लिए कल्याणकारी हों।”

लोखंडे प्रशांत सीताराम को सीबीएसई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया



- लोखंडे प्रशांत सीताराम, जो एजीएमयूटी कैडर के वर्ष 2001 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा सीबीएसई के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।
- उन्होंने राहुल सिंह का स्थान लिया, जिन्हें कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है।
- वर्ष 2008 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) अधिकारी वरुण भारद्वाज को सीबीएसई का नया सचिव नियुक्त किया गया है। वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति योजना के तहत 19 सितंबर 2027 तक इस पद पर कार्य करेंगे।

- उन्होंने हिमांशु गुप्ता का स्थान लिया, जिन्हें गृह मंत्रालय के अंतर्गत उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया है।
- ये नियुक्तियाँ ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर बढ़ती जांच के बीच की गई हैं। इस प्रणाली के संबंध में मूल्यांकन में विसंगतियों, तकनीकी खामियों और सत्यापन में देरी की शिकायतें सामने आई थीं।
- केंद्र सरकार ने ओएसएम प्रणाली की खरीद और उसके कार्यान्वयन की जांच के भी आदेश दिए हैं।

स्टैटिक जीके

- सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) की स्थापना वर्ष 1929 में हुई थी।
- सीबीएसई शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- सीबीएसई कक्षा 10 और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन करता है तथा यह विश्व के सबसे बड़े विद्यालयी शिक्षा बोर्डों में से एक है।

यूआईडीएआई के सीईओ सौरभ विजय ने इंडियाएआई मिशन के सीईओ का पदभार संभाला



- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय ने इंडियाएआई मिशन के सीईओ के रूप में पदभार ग्रहण किया, जो भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) में संयुक्त सचिव सुदीप श्रीवास्तव ने इंडियाएआई मिशन के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में कार्यभार संभाला।
- यह नेतृत्व परिवर्तन 10,372 करोड़ रुपये के इंडियाएआई मिशन द्वारा एआई अवसंरचना, स्वदेशी एआई मॉडल और नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयासों में तेजी लाने के दौरान हुआ है।
- सौरभ विजय महाराष्ट्र कैडर के वर्ष 1998 बैच के आईएएस अधिकारी हैं तथा आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। उन्हें प्रशासन और सार्वजनिक वित्त के क्षेत्र में व्यापक अनुभव प्राप्त है।
- इंडियाएआई मिशन का उद्देश्य अनुसंधान, कंप्यूटिंग अवसंरचना और स्टार्टअप सहायता के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

स्टैटिक जीके

- इंडियाएआई मिशन का शुभारंभ भारत सरकार द्वारा मार्च 2024 में किया गया था।
- इस मिशन का क्रियान्वयन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) द्वारा किया जाता है।
- मिशन के लिए स्वीकृत कुल परिव्यय 10,372 करोड़ रुपये है।

भारत ने दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में उच्चायुक्त नियुक्त किया



- भारत ने दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में नया उच्चायुक्त नियुक्त किया और उन्होंने 12 जून 2026 को ढाका में पदभार ग्रहण किया।
- वे तीन दशकों से अधिक समय में किसी दक्षिण एशियाई राजनयिक पद पर नियुक्त होने वाले पहले राजनीतिक नियुक्त व्यक्ति बने।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 5 जून 2026 को उन्हें विश्वास-पत्र (लेटर्स ऑफ़ क्रेडेंस) प्रदान किए।
- दिनेश त्रिवेदी पूर्व में केंद्रीय रेल मंत्री रह चुके हैं और तृणमूल कांग्रेस छोड़ने के बाद 2021 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए थे।
- उन्होंने प्रणय वर्मा का स्थान लिया, जिन्हें बेलजियम और यूरोपीय संघ में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है।
- पदभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने उपेन्द्र द्विवेदी के साथ रक्षा सहयोग, सीमा सुरक्षा और सैन्य सहभागिता पर चर्चा की।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले थल सेना प्रमुख नियुक्त



- लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को 13 जून 2026 को अगले थल सेना प्रमुख (सीओएस) के रूप में नियुक्त किया गया।
- वे 30 जून 2026 को जनरल उपेंद्र द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने के बाद पदभार ग्रहण करेंगे और उनका कार्यकाल 31 अगस्त 2028 तक रहने की संभावना है।
- लेफ्टिनेंट जनरल सेठ, थल सेना प्रमुख नियुक्त होने से पहले 1 अप्रैल 2026 से उप थल सेना प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।
- उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक होने के बाद दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन प्राप्त किया था।
- उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के साथ-साथ एक आर्मर्ड रेजिमेंट तथा जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवाद-रोधी बल की भी कमान संभाली है।

सरकार ने राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के नए नेतृत्व की नियुक्ति की



- कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एससीसी) ने 17 जून 2026 को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) के नए अध्यक्ष और तीन सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी।
- डॉ. सैबल चट्टोपाध्याय, जो भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता के पूर्व निदेशक हैं, को एनएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु के प्रो. शुभ्रत दास को आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया।
- भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) के 1987 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री सत्येंद्र बहादुर सिंह को आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया।
- चेन्नई मैथमेटिकल इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. माधवन मुकुंद को आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) की स्थापना वर्ष 2005 में भारत की आधिकारिक सांख्यिकीय प्रणाली के सर्वोच्च सलाहकार निकाय के रूप में की गई थी।
- एनएससी देशभर में सांख्यिकीय मानकों और प्राथमिकताओं के विकास, निगरानी और उनके प्रवर्तन के लिए जिम्मेदार है।

विवेक अग्रवाल एफएटीएफ के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए



- विवेक अग्रवाल, जो मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईएसएस अधिकारी हैं, 19 जून 2026 को पेरिस में वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
- वे एफएटीएफ के उपाध्यक्ष पद पर पहुँचने वाले पहले भारतीय अधिकारी बने।
- विवेक अग्रवाल जुलाई 2026 से जून 2027 तक एक वर्ष के कार्यकाल के लिए इस पद पर कार्य करेंगे।
- उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के गाइल्स थॉमसन का स्थान लिया।
- अग्रवाल वर्तमान में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे एफएटीएफ में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर चुके हैं और वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) के निदेशक भी रह चुके हैं।

स्टैटिक जीके

- वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) एक अंतर-सरकारी निकाय है, जिसकी स्थापना वर्ष 1989 में जी-7 देशों द्वारा की गई थी।
- एफएटीएफ धन शोधन, आतंकवाद के वित्तपोषण और प्रसार वित्तपोषण से निपटने के लिए वैश्विक मानक विकसित करता है।
- एफएटीएफ का मुख्यालय पेरिस में स्थित है।
- एफएटीएफ धन शोधन-रोधी और आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण प्रणालियों में रणनीतिक कमियों वाले क्षेत्रों के लिए ग्रे लिस्ट और ब्लैक लिस्ट प्रकाशित करता है।
- वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्य करती है।

बिमल पटेल आईटीएलओएस के न्यायाधीश निर्वाचित हुए



- बिमल पटेल अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून न्यायाधिकरण (आईटीएलओएस) के न्यायाधीश निर्वाचित हुए।
- बिमल पटेल राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति, सार्वजनिक अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर, संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय विधि आयोग के सदस्य तथा भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य कर रहे थे।
- भारत पहले से ही आईटीएलओएस में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि नीरू चड्ढा इस न्यायाधिकरण की उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून न्यायाधिकरण (आईटीएलओएस) एक स्वतंत्र न्यायिक निकाय है, जिसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय (यूएनसीएलओएस), 1982 के तहत की गई थी।
- आईटीएलओएस समुद्री सीमाओं, नौवहन अधिकारों, मत्स्य पालन, समुद्री पर्यावरण संरक्षण, समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान तथा हिरासत में लिए गए जहाजों और उनके चालक दल की रिहाई से संबंधित विवादों का निपटारा करता है।
- आईटीएलओएस में यूएनसीएलओएस के सदस्य देशों द्वारा निर्वाचित 21 स्वतंत्र न्यायाधीश होते हैं।
- आईटीएलओएस का मुख्यालय हैम्बर्ग में स्थित है।
- संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय (यूएनसीएलओएस) को अक्सर “महासागरों का संविधान” कहा जाता है।

केंद्र ने तुषार मेहता को सॉलिसिटर जनरल के रूप में पुनर्नियुक्त किया

- कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 20 जून 2026 को तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में अगले तीन वर्षों के लिए पुनर्नियुक्त किया।



- उनका नया कार्यकाल 1 जुलाई 2026 से शुरू होगा, जिससे संघ सरकार के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल आगे बढ़ेगा।
- तुषार मेहता ने पहली बार अक्टूबर 2018 में सॉलिसिटर जनरल का पद संभाला था।
- एसीसी ने विक्रमजीत बनर्जी, के.एम. नटराज, सूर्यप्रकाश वी. राजू, एन. वेंकटरमण और ऐश्वर्या भाटी को भी सर्वोच्च न्यायालय के लिए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन वर्षों के लिए पुनर्नियुक्त किया।
- दिल्ली उच्च न्यायालय के लिए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में चेतन शर्मा का कार्यकाल 1 जुलाई 2026 से छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया।

स्टैटिक जीके

- भारत के सॉलिसिटर जनरल, भारत के महान्यायवादी के बाद भारत सरकार के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी होते हैं।
- कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियों को मंजूरी देती है।



आयुष उत्पादों के वैश्विक प्रचार के लिए आयुष एक्सिल और स्पाइसेज़ बोर्ड के बीच समझौता



- आयुष निर्यात संवर्धन परिषद (आयुष एक्सिल) और भारतीय मसाला बोर्ड ने आयुष उत्पादों तथा औषधीय मसालों के वैश्विक प्रचार को सशक्त बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।
- इस समझौते पर अनुराग शर्मा और एम. एस. मणिवन्नन ने हस्ताक्षर किए।
- केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने इस साझेदारी को आयुर्वेद, औषधीय पौधों और भारतीय मसालों को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

- यह सहयोग हर्बल और मसाला-आधारित वेलनेस उत्पादों के निर्यात संवर्धन, गुणवत्ता आश्वासन, मानकीकरण, अनुसंधान, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय बाजार विकास पर केंद्रित है।
- दोनों संस्थाएँ वैश्विक बाजारों में संयुक्त रूप से व्यापार मेलों, ब्रांडिंग अभियानों, खरीदार-विक्रेता बैठकों और प्रचार गतिविधियों का आयोजन करेंगी।
- प्रस्तावित “स्पाइस एंड हील” पहल का उद्देश्य भारत को समग्र स्वास्थ्य देखभाल और प्राकृतिक वेलनेस समाधानों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है, जिससे निर्यातकों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, किसानों और महिला उद्यमियों को लाभ मिलेगा।

स्थैतिक जीके

- आयुष का पूर्ण रूप आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी है।
- भारतीय मसाला बोर्ड वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- केरल को लोकप्रिय रूप से “भारत का मसाला उद्यान” कहा जाता है।

डॉ. एस. जयशंकर ने यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की जिमनिख बैठक में भाग लिया



- डॉ. एस. जयशंकर ने मई 2026 में साइप्रस में आयोजित यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक जिमनिख बैठक में भाग लिया।
- इस बैठक का मुख्य उद्देश्य व्यापार, संपर्कता, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और भू-राजनीतिक स्थिरता के क्षेत्रों में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग को मजबूत करना था।
- जयशंकर ने मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया तथा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए यूरोप के साथ अधिक सहयोग का आह्वान किया।
- चर्चाओं में क्षेत्रीय संघर्ष, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री सहयोग, आतंकवाद-रोधी प्रयासों और लचीली आपूर्ति शृंखलाओं जैसे विषय शामिल रहे।
- भारत की भागीदारी बदलते वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य के बीच यूरोपीय देशों के साथ उसके बढ़ते कूटनीतिक जुड़ाव को दर्शाती है।
- जिमनिख प्रारूप विदेश मंत्रियों को बिना किसी औपचारिक विधायी निर्णय के अनौपचारिक और रणनीतिक चर्चा का अवसर प्रदान करता है।

स्थैतिक जीके

- साइप्रस की राजधानी निकोसिया है।
- साइप्रस की मुद्रा यूरो है।
- यूरोपीय संघ का मुख्यालय ब्रुसेल्स में स्थित है।
- “जिमनिख” शब्द की उत्पत्ति श्लॉस जिमनिख कैसल से हुई है, जहाँ वर्ष 1974 में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की पहली अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई थी।
- उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष हैं।

बेंगलुरु में भारत के पहले राष्ट्रीय एआई और डिजिटल जल शिखर सम्मेलन की घोषणा

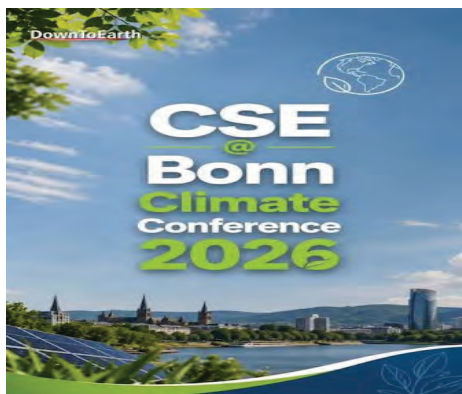


- भारत का पहला राष्ट्रीय एआई और डिजिटल जल शिखर सम्मेलन, “नेशनल एआई समिट ऑन वाटर 2026”, 27 मई 2026 को बेंगलुरु में आयोजित किया जाना था। इसका आयोजन बेंगलुरु जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) और ईलेट्स टेक्नोमीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया।
- यह शिखर सम्मेलन एआई-सक्षम स्मार्ट संचालन, डिजिटल ट्विन्स, जल-हानि प्रबंधन, ऊर्जा अनुकूलन, डेटा गवर्नेंस, नैतिक एआई और शहरी जल प्रबंधन में साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर केंद्रित था।
- बीडब्ल्यूएसएसबी ने स्काडा तैनाती, जीआईएस मैपिंग, आईओटी-सक्षम टैंकर ट्रैकिंग और स्मार्ट मीटरिंग प्लेटफॉर्म जैसी डिजिटल पहलों का प्रदर्शन किया।
- कार्यक्रम में बीडब्ल्यूएसएसबी के फाइव पंचसूत्र ढाँचे को भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा-आधारित प्रशासन, स्मार्ट अवसंरचना, सतत निवेश और जलवायु-अनुकूल जल सुरक्षा शामिल हैं।
- इस शिखर सम्मेलन में नीति निर्माण, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और उद्योग क्षेत्रों से 400 से अधिक हितधारकों के भाग लेने की संभावना थी।
- इस कार्यक्रम का उद्घाटन सिद्धार्थमैया और डी. के. शिवकुमार द्वारा किया जाना था।
- बीडब्ल्यूएसएसबी ने जयनगर स्थित शिम्शा भवन में जल एवं सीवरेज प्रबंधन के लिए एक एकीकृत एआई-संचालित कमांड सेंटर स्थापित करने की योजना भी बनाई।

स्थैतिक जीके

- स्काडा (SCADA) का पूर्ण रूप सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन है।
- जीआईएस (GIS) का पूर्ण रूप जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम है।

बॉन जलवायु सम्मेलन 2026 में अनुकूलन वित्त बढ़ाने की मांग उठी



- ग्लोबल क्लाइमेट एंड हेल्थ अलायंस (जीसीएचए) ने बॉन जलवायु सम्मेलन 2026 (एसबी64) में सरकारों से 2035 तक सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को बढ़ाकर कम से कम 120 अरब अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष करने का आग्रह किया।
- स्वास्थ्य क्षेत्र के समर्थकों ने तर्क दिया कि वर्तमान अनुकूलन वित्त लक्ष्य बढ़ते जलवायु-संबंधी जोखिमों से निपटने और संवेदनशील आबादी की सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है।
- गठबंधन ने जोर दिया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों, जल एवं स्वच्छता अवसंरचना, आपदा तैयारी, खाद्य सुरक्षा और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अधिक वित्तपोषण आवश्यक है।
- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के तहत सहायक निकायों के 64वें सत्र (एसबी64) का आयोजन 8-18 जून 2026 तक बॉन में हुआ।
- यह सम्मेलन वर्ष के मध्य में आयोजित वार्ता मंच के रूप में कार्य करता है और अंताल्या में आयोजित होने वाले सीओपी31 की तैयारियों में सहायक रहा।
- गठबंधन ने विकसित देशों से जीवाश्म ईंधनों से दूर जाने और 1.5°C वैश्विक तापवृद्धि लक्ष्य के अनुरूप स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करने का भी आह्वान किया।
- वार्ताकारों ने न्यायसंगत संक्रमण (जस्ट ट्रांजिशन) की अवधारणा पर चर्चा की, जिसमें कार्यबल के पुनः कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा, क्षमता निर्माण, तकनीकी सहायता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- गठबंधन ने हानि एवं क्षति वित्त (लॉस एंड डैमेज फाइनेंस) पर अधिक ठोस कार्रवाई की मांग की और कहा कि वर्तमान प्रतिज्ञाएँ 800 मिलियन अमेरिकी

डॉलर से अधिक हैं, जबकि वास्तविक वार्षिक आवश्यकता कई अरब डॉलर है।

स्टैटिक जीके

- यूएनएफसीसीसी को 1992 में रियो डी जेनेरो में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन में अपनाया गया था।
- बॉन में यूएनएफसीसीसी सचिवालय का मुख्यालय स्थित है।
- सीओपी का अर्थ कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टिज़ है, जो यूएनएफसीसीसी की प्रमुख निर्णय-निर्माण संस्था है।
- 1.5°C लक्ष्य का अर्थ पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापवृद्धि को औद्योगिक-पूर्व स्तरों से 1.5°C तक सीमित रखना है।

पीएम मोदी ने फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 में भाग लिया



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15-17 जून 2026 तक फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित 52वें जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के निमंत्रण पर भाग लिया। वर्ष 2026 के लिए फ्रांस जी-7 की घूर्णन अध्यक्षता कर रहा था।
- शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने “नई साझेदारियाँ स्थापित करना और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का पुनर्निर्माण” विषयक उच्चस्तरीय सत्र में भाग लिया, जिसमें जी-7 देशों, साझेदार देशों तथा विश्व बैंक और अफ्रीकी विकास बैंक के प्रतिनिधियों ने वैश्विक सहयोग, सतत विकास, आर्थिक लचीलापन और विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा की।
- “सभी के लाभ के लिए संतुलित, समावेशी और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना” विषय पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को सशक्त बनाने, विकासशील देशों की आर्थिक मजबूती बढ़ाने तथा अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और प्रशांत द्वीपीय देशों के बीच संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया।
- पीएम मोदी ने इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलेरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड (इम्पैक्ट) पहल का प्रस्ताव रखा, जिसका उद्देश्य जी-7 की पूंजी, भारत की प्रतिभा और वैश्विक दक्षिण के स्वामित्व को जोड़कर संपर्क, व्यापार और सतत विकास को गति देना है।

स्टैटिक जीके

- जी-7 के सदस्य: कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।
 - जी-7 की स्थापना वर्ष 1975 में ग्रुप ऑफ सिक्स (जी-6) के रूप में हुई थी। वर्ष 1976 में कनाडा के शामिल होने पर यह जी-7 बना।
- विश्व बैंक का मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
 - अफ्रीकी विकास बैंक (एएफडीबी) का मुख्यालय आबिदजान, कोट डी आइवर में स्थित है।



राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2022-23 की 10वीं रिपोर्ट जारी



- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा तकनीकी सचिवालय द्वारा तैयार राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) अनुमान 2022-23 की 10वीं रिपोर्ट जारी की।
- यह रिपोर्ट स्वास्थ्य व्यय के आकलन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत सिस्टम ऑफ हेल्थ अकाउंट्स (SHA) 2011 ढाँचे का अनुसरण करती है।
- सरकारी स्वास्थ्य व्यय वर्ष 2013-14 के 1.30 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 3.85 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी 1.15 प्रतिशत से बढ़कर 1.43 प्रतिशत हो गई।
- कुल स्वास्थ्य व्यय में सरकार की हिस्सेदारी 28.6 प्रतिशत से बढ़कर 43.7 प्रतिशत हो गई, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते सार्वजनिक निवेश को दर्शाती है।
- जेब से किए जाने वाले स्वास्थ्य व्यय (आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर) में 64.2 प्रतिशत से घटकर 43.4 प्रतिशत की कमी आई, जिससे परिवारों पर वित्तीय बोझ कम हुआ।
- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) जैसी योजनाओं के समर्थन से स्वास्थ्य क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा व्यय 6 प्रतिशत से बढ़कर 9.9 प्रतिशत हो गया।
- प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी व्यय वर्ष 2013-14 के 0.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 1.4 लाख करोड़ रुपये हो गया।

स्थैतिक जीके

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) अनुमान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं।
- एसएचए-2011 ढाँचा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) तथा यूरोस्टैट द्वारा विकसित किया गया था।

- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) भारत की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना है।

एआई प्रदर्शन में भारत चौथे और डिजिटल अर्थव्यवस्था में पाँचवें स्थान पर रहा



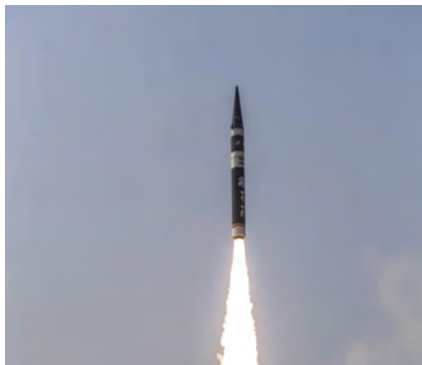
- भारत स्टेट ऑफ इंडिया'स डिजिटल इकोनॉमी 2026 रिपोर्ट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रदर्शन में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर रहा, जबकि डिजिटल अर्थव्यवस्था रैंकिंग में आठवें स्थान से सुधार करते हुए पाँचवें स्थान पर पहुँच गया।
- यह रिपोर्ट आईसीआरआईआईआर-प्रोसस सेंटर फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इकोनॉमी द्वारा जारी की गई, जिसमें एआई प्रदर्शन, डिजिटल व्यापार, प्रतिभा और डिजिटल अपनाने से संबंधित संकेतकों का मूल्यांकन किया गया।
- एआई प्रदर्शन के मामले में भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और सिंगापुर के बाद चौथे स्थान पर रहा तथा कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल गया।
- भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एआई प्रतिभा पूल है। लिंकडइन पर एआई कौशल प्रसार में भारत प्रथम स्थान पर रहा, जबकि वर्ष 2019-2025 के दौरान एआई प्रतिभा वृद्धि में विश्व स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- भारत ने सॉफ्टवेयर निर्यात, आईटी सेवाओं और क्लाउड-आधारित समाधानों सहित लगभग 328 अरब अमेरिकी डॉलर का डिजिटल रूप से प्रदत्त व्यापार (डिजिटली डिलीवर्ड ट्रेड) दर्ज किया।
- विकासशील देशों का वैश्विक एआई उपयोगकर्ताओं में 72 प्रतिशत योगदान रहा, जिसमें भारत और चीन मिलकर कुल उपयोगकर्ताओं का लगभग दो-पाँचवाँ हिस्सा थे।

- रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्ष 2025 में भारत से एआई लेखकों और आविष्कारकों का शुद्ध बहिर्गमन (नेट आउटफ्लो) हुआ, जो प्रतिभा संरक्षण की चुनौती को दर्शाता है।

स्थैतिक जीके

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंप्यूटर प्रणालियों को सीखने, तर्क करने और पैटर्न पहचानने जैसे कार्य करने में सक्षम बनाती है।
- एआई इंडेक्स स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से संबद्ध एक वार्षिक प्रकाशन है, जो वैश्विक एआई रुझानों, प्रतिभा और निवेश का आकलन करता है।
- लिंकडइन का व्यापक रूप से डिजिटल कौशल और श्रम बाजार संबंधी अध्ययनों में उपयोग किया जाता है।
- डिजिटल रूप से प्रदत्त व्यापार में सॉफ्टवेयर, क्लाउड कंप्यूटिंग और ऑनलाइन व्यावसायिक सेवाएँ जैसी सेवाएँ शामिल होती हैं।

सिपरी रिपोर्ट 2026 के अनुसार भारत का परमाणु शस्त्रागार 190 वारहेड तक पहुँचा



- सिपरी ईयरबुक 2026 के अनुसार भारत का परमाणु शस्त्रागार बढ़कर 190 वारहेड तक पहुँच गया है, जबकि पाकिस्तान के पास 170 वारहेड हैं।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 के दौरान भारत और पाकिस्तान दोनों ने अपनी परमाणु क्षमताओं का आधुनिकीकरण और विस्तार जारी रखा।
- भारत ने बदलती रणनीतिक और सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित किया।
- सिपरी के अनुसार भारत की परमाणु योजना में पाकिस्तान के साथ-साथ चीन को भी बढ़ते हुए महत्व के साथ शामिल किया जा रहा है।
- रिपोर्ट में क्षेत्रीय सुरक्षा के संदर्भ में लंबी दूरी की मिसाइलों, सशस्त्र ड्रोन, एआई-सक्षम सैन्य प्लेटफॉर्म, साइबर युद्ध और उन्नत निगरानी प्रणालियों के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया गया है।
- वर्ष 2025 में भारत का रक्षा व्यय लगभग 92.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है।
- भारत विश्व का पाँचवाँ सबसे बड़ा सैन्य व्यय करने वाला देश रहा और वर्ष 2021-25 के दौरान वैश्विक हथियार आयात में उसकी हिस्सेदारी 8.2 प्रतिशत रही।

स्टैटिक जीके

- सिपरी (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की स्थापना वर्ष 1966 में हुई थी और इसका मुख्यालय स्टॉकहोम, स्वीडन में स्थित है।
- सिपरी प्रतिवर्ष सिपरी ईयरबुक प्रकाशित करता है, जिसमें सैन्य व्यय, परमाणु बलों, हथियारों के हस्तांतरण, हथियार नियंत्रण और वैश्विक सुरक्षा से संबंधित विकास का विवरण दिया जाता है।

सीपीपीआई 2025 में जेएनपीए भारत का शीर्ष कंटेनर बंदरगाह बना



- जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) ने कंटेनर पोर्ट प्रदर्शन सूचकांक (सीपीपीआई) 2025 में वैश्विक स्तर पर 22वाँ स्थान प्राप्त किया, जिससे यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला कंटेनर बंदरगाह बन गया।
- जेएनपीए ने पिछली रैंकिंग की तुलना में एक स्थान का सुधार किया और कंटेनर प्रबंधन दक्षता तथा परिचालन प्रदर्शन में भारत का नेतृत्व बरकरार रखा।
- भारतीय बंदरगाहों में पिपावाव बंदरगाह 28वें, मुंद्रा बंदरगाह 30वें और विशाखापत्तनम बंदरगाह 104वें स्थान पर रहे।
- पिपावाव बंदरगाह ने नवीनतम रैंकिंग में मुंद्रा बंदरगाह को पीछे छोड़ते हुए भारत का सर्वोच्च रैंक वाला निजी कंटेनर बंदरगाह बनने का गौरव हासिल किया।
- सीपीपीआई बंदरगाहों का मूल्यांकन जहाजों के ठहराव समय, माल प्रबंधन की गति, बंदरगाह दक्षता और समग्र लॉजिस्टिक प्रदर्शन के आधार पर करता है।
- फूड्रोड बंदरगाह ने वैश्विक स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया, इसके बाद डालियान बंदरगाह और सलालाह बंदरगाह का स्थान रहा।

स्टैटिक जीके

- कंटेनर पोर्ट प्रदर्शन सूचकांक (सीपीपीआई) विश्व बैंक और एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित किया जाता है।
- जेएनपीए महाराष्ट्र के न्हावा शेवा में स्थित है और यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बना



- आधिकारिक एयरलाइन गाइड (ओएजी) के अनुसार, अप्रैल 2024 में भारत ब्राजील और इंडोनेशिया को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया।
- अप्रैल 2024 में भारत की घरेलू एयरलाइन क्षमता 1.56 करोड़ सीटों तक पहुँच गई।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन क्रमशः दुनिया के पहले और दूसरे सबसे बड़े घरेलू विमानन बाजार बने रहे।
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों यातायात को मिलाकर भारत वैश्विक विमानन बाजार में पाँचवें स्थान पर रहा।
- पिछले एक दशक में भारत घरेलू विमानन बाजार में पाँचवें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुँच गया।
- वर्ष 2014 से 2024 के बीच भारत में घरेलू एयरलाइन क्षमता की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत दर्ज की गई।
- अप्रैल 2024 में कम लागत वाली एयरलाइनों (एलसीसी) की हिस्सेदारी भारत की घरेलू एयरलाइन क्षमता में 78.4 प्रतिशत रही, जो शीर्ष पाँच बाजारों में सबसे अधिक थी।
- इंडिगो ने भारत की घरेलू विमानन क्षमता में अपनी हिस्सेदारी वर्ष 2014 के 32 प्रतिशत से बढ़ाकर अप्रैल 2024 में 62 प्रतिशत कर ली।
- भारत में परिचालित हवाई अड्डों की संख्या वर्ष 2014 में 74 से बढ़कर वर्ष 2025 में 164 हो गई।
- भारत का विमानन बाजार वर्ष 2025 के 16.24 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2034 तक 45.59 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जिसकी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 11.72 प्रतिशत रहने की संभावना है।

भारत वैश्विक सैन्य व्यय में लगातार पाँचवें स्थान पर बरकरार रहा

- भारत वर्ष 2025 में 92.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा व्यय के साथ दुनिया का पाँचवाँ सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बना रहा। यह जानकारी स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान (सिपरी) की रिपोर्ट में दी गई है।



- सैन्य व्यय के मामले में भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी के बाद पाँचवें स्थान पर रहा।
- वर्ष 2024 की तुलना में भारत के रक्षा व्यय में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
- वर्ष 2021-25 के दौरान भारत प्रमुख हथियारों का दूसरा सबसे बड़ा आयातक रहा और वैश्विक हथियार आयात में उसकी हिस्सेदारी 8.2 प्रतिशत रही।
- हालाँकि, वर्ष 2016-20 की अवधि की तुलना में भारत के हथियार आयात में मामूली गिरावट दर्ज की गई।

स्टैटिक जीके

- सिपरी (स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान) की स्थापना वर्ष 1966 में हुई थी।
- वर्ष 2025 में संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बना रहा।

ग्लोबल पीस इंडेक्स 2026 में भारत की रैंकिंग गिरकर 127वें स्थान पर पहुँची



- वैश्विक शांति सूचकांक (जीपीआई) 2026 में भारत को 163 देशों और क्षेत्रों में 127वाँ स्थान प्राप्त हुआ, जबकि वर्ष 2025 में भारत 115वें स्थान पर था।
- भारत का कुल स्कोर 2.409 रहा और पिछले वर्ष की तुलना में देश की शांति स्थिति में लगभग 2.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।
- यह सूचकांक सामाजिक सुरक्षा, चल रहे संघर्षों और सैन्यीकरण से संबंधित 23 संकेतकों के आधार पर शांति का आकलन करता है।
- आइसलैंड लगातार 19वें वर्ष दुनिया का सबसे शांतिपूर्ण देश बना रहा।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य-आधारित सक्रिय संघर्षों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है, जिससे वैश्विक शांति में गिरावट आई है।
- यह सूचकांक इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) द्वारा जारी किया गया है।

स्टैटिक जीके

- वैश्विक शांति सूचकांक पहली बार वर्ष 2007 में जारी किया गया था।
- इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) का मुख्यालय सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में स्थित है।

मूडीज़ ने भारत के जल प्रबंधन ढाँचे में जोखिमों को चिह्नित किया



- मूडीज़ रेटिंग्स ने भारत के जल प्रबंधन ढाँचे को खंडित और कम लचीला बताया है तथा जल शासन, राजकोषीय दबाव और ऋण गुणवत्ता से जुड़े जोखिमों को रेखांकित किया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की संघीय व्यवस्था के तहत जल प्रबंधन, सिंचाई और पेयजल आपूर्ति की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल मीठे जल का लगभग 80% उपयोग कृषि क्षेत्र करता है, जबकि सीमित मूल्य निर्धारण सुधार और सब्सिडी जल आवंटन में लचीलापन कम करती हैं।
- मूल्यांकन में भूजल के घटते स्तर, पुराना बुनियादी ढाँचा, गर्मी का बढ़ता दबाव, बाढ़ और मानसून की अनिश्चितता जैसी चुनौतियों को भी उजागर किया गया है।
- डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उद्योग और शहरीकरण से बढ़ती मांग को जल संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव के रूप में चिह्नित किया गया है।

- मूडीज़ ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक जल की कमी बनी रहने पर सार्वजनिक व्यय बढ़ सकता है, आर्थिक गतिविधियाँ बाधित हो सकती हैं तथा राजकोषीय और ऋण संबंधी जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं।

स्टैटिक जीके

- भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची (प्रविष्टि 17) के अंतर्गत जल मुख्यतः राज्य का विषय है।
- भारत में मीठे जल का सबसे बड़ा उपभोक्ता कृषि क्षेत्र है।

डब्ल्यूईएफ ऊर्जा संक्रमण सूचकांक 2026 में भारत 70वें स्थान पर पहुँचा



- जून 2026 में विश्व आर्थिक मंच ने ऊर्जा संक्रमण सूचकांक (ईटीआई) 2026: इनसाइट रिपोर्ट जारी की, जिसमें देशों का मूल्यांकन ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समानता के आधार पर किया गया।
- भारत ने अपनी रैंकिंग में दो स्थान का सुधार करते हुए 54.9 के कुल स्कोर के साथ 70वाँ स्थान प्राप्त किया।
- यह स्कोर वर्ष 2025 के प्रदर्शन की तुलना में 1.9% की वृद्धि को दर्शाता है, जिससे भारत सूचकांक में उल्लेखनीय प्रगति करने वाले देशों में शामिल हो गया।
- रिपोर्ट में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विस्तार, ग्रिड अवसंरचना को मजबूत करने और ऊर्जा पहुँच में सुधार के क्षेत्र में भारत की प्रगति को रेखांकित किया गया है।
- सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों में तेज वृद्धि, स्वच्छ ऊर्जा के लिए नीतिगत समर्थन और हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश ने इस सुधार में योगदान दिया।
- बढ़ती ऊर्जा मांग के बावजूद भारत को आर्थिक विकास और ऊर्जा संक्रमण लक्ष्यों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए सराहा गया।
- यह सूचकांक वर्तमान ऊर्जा प्रणाली के प्रदर्शन और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए दीर्घकालिक तैयारी, दोनों का मूल्यांकन करता है।

स्टैटिक जीके

- विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) का मुख्यालय कोलोम्नी में स्थित है।
- डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक दावोस में आयोजित की जाती है।
- भारत ने वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की शुरुआत भारत और फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से वर्ष 2015 में की गई थी।

गुरिंदरवीर सिंह 10.09 सेकंड की दौड़ के साथ भारत के सबसे तेज धावक बने



- गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में आयोजित राष्ट्रीय फेडरेशन कप एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष 100 मीटर फाइनल दौड़ में 10.09 सेकंड का समय दर्ज कर भारत के सबसे तेज धावक बनने का गौरव हासिल किया।
- वे 100 मीटर स्पर्धा में 10.10 सेकंड की बाधा को पार करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए।
- गुरिंदरवीर ने इसी प्रतियोगिता के दौरान 10.15 सेकंड का समय दर्ज करने वाले अनीमेष कुजूर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड वापस अपने नाम किया।
- 25 वर्षीय पंजाब के इस धावक ने बिरसा मुंडा स्टेडियम में यह उपलब्धि हासिल की और वर्ष 2026 सत्र का एशिया का दूसरा सबसे तेज 100 मीटर समय दर्ज किया।
- उन्होंने रिलायंस फाउंडेशन हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में कोच जेम्स हिलियर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है तथा इससे पहले वे राष्ट्रीय इंडोर 60 मीटर रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं।

स्थैतिक जीके

- 100 मीटर दौड़ को एथलेटिक्स की प्रमुख स्प्रिंट स्पर्धा माना जाता है।
- पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का वर्तमान विश्व रिकॉर्ड 9.58 सेकंड है, जो उसेन बोल्ट ने वर्ष 2009 में बर्लिन विश्व चैंपियनशिप में बनाया था।

आईएयू 24-घंटे चैंपियनशिप में भारत ने ऐतिहासिक पाँच पदक जीते



- भारत ने हिरोसाकी में आयोजित आईएयू 24-घंटे एशिया एवं ओशिनिया चैंपियनशिप 2026 में पाँच पदक जीतकर धीरज-आधारित इस प्रतियोगिता में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया।
- अमर सिंह देवांडा ने 24 घंटे में 282.881 किलोमीटर की दूरी तय कर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता।
- जीनो एंटनी और सौरव कुमार रंजन ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतकर पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में भारत को क्लीन स्वीप दिलाया।
- भारतीय पुरुष टीम ने कुल 815.833 किलोमीटर की संयुक्त दूरी तय कर टीम स्वर्ण पदक अपने नाम किया।
- भारतीय महिला टीम ने टीम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत के पदकों की संख्या पाँच तक पहुँचा दी।

स्थैतिक जीके

- इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्राथ्रॉनर्स (आईएयू) का मुख्यालय मोनाको में स्थित है।
- अल्ट्राथ्रॉन दौड़ें मानक 42.195 किलोमीटर मैराथन दूरी से अधिक लंबी होती हैं।
- हिरोसाकी शहर जापान के आओमोरी प्रांत में स्थित है।
- भारत ने वर्ष 2022 की आईएयू 24-घंटे एशिया एवं ओशिनिया चैंपियनशिप की मेजबानी बेंगलुरु में की थी।

सात्विक-चिराग ने सिंगापुर ओपन 2026 पुरुष युगल खिताब जीता



- भारतीय बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेटी ने सिंगापुर ओपन 2026 का पुरुष युगल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बने।
- फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के फज़ार अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी को 18-21, 21-17, 21-16 से पराजित किया।

- इस जीत के साथ उनकी दो वर्ष की बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताबी सूखे का अंत हुआ। इससे पहले उन्होंने अपना पिछला खिताब थाईलैंड ओपन 2024 में जीता था।
- सिंगापुर ओपन की यह जीत उनके करियर का नौवाँ बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब बनी और वर्ष 2026 में भारत की केवल दूसरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर जीत रही।
- इस खिताब ने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन, विशेषकर युगल वर्ग में, भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत किया।

आईसीसी ने क्रिकेट कनाडा की सदस्यता निलंबित की



- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गंभीर प्रशासनिक और सदस्यता दायित्वों के उल्लंघन के कारण क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी।
- यह निर्णय अहमदाबाद में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया। यह कार्रवाई प्रशासनिक अनियमितताओं, कुप्रबंधन और मैच हेरफेर से संबंधित आरोपों को लेकर उठाई गई चिंताओं के बाद की गई।
- निलंबन के बावजूद कनाडा की पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों आईसीसी टूर्नामेंटों तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पात्र बनी रहेंगी।
- आईसीसी ने स्पष्ट किया कि क्रिकेट कनाडा को वित्तीय सहायता जारी रहेगी, लेकिन यह सहायता आईसीसी की निगरानी में केवल स्वीकृत राष्ट्रीय टीम और क्रिकेट विकास कार्यक्रमों पर ही खर्च की जाएगी।
- सदस्यता बहाल होने से पहले क्रिकेट कनाडा को प्रशासनिक सुधार लागू करने, वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने, संस्थागत स्थिरता सुनिश्चित करने और आईसीसी के अनुपालन मानकों को पूरा करना होगा।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट की वैश्विक संचालन संस्था है।
- आईसीसी का मुख्यालय दुबई में स्थित है।
- कनाडा आईसीसी का एक एसोसिएट सदस्य है।

फीफा विश्व कप 2026 के शुभंकरों का अनावरण

- फीफा विश्व कप 2026 के लिए संयुक्त मेजबान देशों कनाडा, मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा टूर्नामेंट के शुभंकरों का अनावरण किया गया। ये शुभंकर तीनों मेजबान देशों की संस्कृति और पहचान को प्रदर्शित करते हैं।



- प्रस्तुत किए गए शुभंकरों में मेपल (कनाडा), जायू (मेक्सिको) और क्लच (संयुक्त राज्य अमेरिका) शामिल हैं, जो मेजबान देशों की एकता और विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- कनाडा का शुभंकर मेपल एक मूस है, जो दृढ़ता, रचनात्मकता और कनाडाई पहचान का प्रतीक है।
- मेक्सिको का शुभंकर जायू एक जगुआर है, जो शक्ति, सांस्कृतिक विरासत और मेक्सिको की समृद्ध परंपराओं का प्रतीक है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका का शुभंकर क्लच एक बाल्ड ईगल (गंजा गरुड़) है, जो नेतृत्व, साहस और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।
- इन शुभंकरों का उद्देश्य फीफा विश्व कप 2026 के लिए प्रशंसकों की सहभागिता बढ़ाना, वैश्विक ब्रांडिंग को मजबूत करना और सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना है।

स्टैटिक जीके

- फीफा विश्व कप 2026 की संयुक्त मेजबानी कनाडा, मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका कर रहे हैं।
- फीफा विश्व कप के शुभंकर टूर्नामेंट की सांस्कृतिक पहचान और वैश्विक प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले आधिकारिक पात्र होते हैं।

आरसीबी का दबदबा बरकरार, गुजरात टाइटंस को हराकर फिर बनी चैंपियन



- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

- आरसीबी ने संतुलित बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया और अंतिम ओवरों में संयम बनाए रखते हुए जीत हासिल की।
- शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जबकि मध्यक्रम ने महत्वपूर्ण रन जोड़कर जीत सुनिश्चित की।
- इस जीत ने हाल के आईपीएल सत्रों में आरसीबी की सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक के रूप में स्थिति को और मजबूत किया।
- फाइनल मुकाबले में उच्च स्तरीय टी20 क्रिकेट, प्रभावी कप्तानी और दोनों टीमों की शानदार क्षेत्ररक्षण क्षमता देखने को मिली।

स्टैटिक जीके

- इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की स्थापना वर्ष 2008 में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा की गई थी।
- आईपीएल एक फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 क्रिकेट लीग है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग लेते हैं।
- टूर्नामेंट में लीग चरण, प्लेऑफ और फाइनल शामिल होते हैं।
- ऑरेंज कैप सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी को दी जाती है, जबकि पर्पल कैप सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज को प्रदान की जाती है।

के.एस. भरत ने 32 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया



- कोना श्रीकर भरत (के.एस. भरत) ने 4 जून 2026 को 32 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।
- विकेटकीपर-बल्लेबाज भरत ने फरवरी 2023 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के विरुद्ध पदार्पण करने के बाद वर्ष 2023 से 2024 के बीच भारत के लिए 7 टेस्ट मैच खेले।
- उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 20.09 की औसत से 221 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 44 रन रहा।
- विकेटकीपर के रूप में उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 18 कैच और 1 स्टंपिंग की।
- वे द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेले गए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल के लिए भारत की टीम का हिस्सा भी थे।

स्टैटिक जीके

- के.एस. भरत रणजी ट्रॉफी के इतिहास में तिहरा शतक (308 रन) लगाने वाले पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं।
- वे विशाखापत्तनम के निवासी हैं और आंध्र के लिए घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं।
- भरत को वर्ष 2023 में पदार्पण के समय भारत की ओर से टेस्ट कैप संख्या 305 प्रदान की गई थी।
- रणजी ट्रॉफी की शुरुआत वर्ष 1934 में हुई थी और इसका नाम रणजीतसिंहजी के नाम पर रखा गया है।

प्रज्ञानानंदा नॉर्वे चेस 2026 जीतने वाले पहले भारतीय बने



- आर. प्रज्ञानानंदा 6 जून 2026 को प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने।
- 20 वर्षीय प्रज्ञानानंदा ने ओस्लो में आयोजित अंतिम दौर में विन्सेंट कीमर को पराजित कर चैंपियनशिप अपने नाम की।
- प्रज्ञानानंदा ने लगातार चार क्लासिकल मुकाबले जीतते हुए कुल 18 अंक के साथ प्रतियोगिता का समापन किया।
- उन्होंने मैग्स कार्लसन, वेस्ली सो और अलीरेज़ा फिरोज़ा जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।
- यह जीत मैग्स कार्लसन के घरेलू मैदान पर मिली, जिससे यह भारतीय शतरंज के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई।

स्टैटिक जीके

- नॉर्वे चेस विश्व के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंटों में से एक है।
- प्रज्ञानानंदा वर्ष 2018 में 12 वर्ष की आयु में ग्रैंडमास्टर बने थे।
- उन्होंने 2024 शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

भारत ने रिकॉर्ड छठा सैफ महिला चैंपियनशिप खिताब जीता

- भारतीय महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में बांग्लादेश महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को 3-1 से पराजित किया।



- इस जीत के साथ भारत ने रिकॉर्ड छठा सैफ महिला चैम्पियनशिप खिताब अपने नाम किया और ट्रॉफी के लिए सात वर्षों का इंतजार समाप्त किया।
- भारत की ओर से प्यारी जाक्सा ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि बांग्लादेश की ऋतु पोरना चकमा ने हाफटाइम से पहले बराबरी का गोल किया।
- दूसरे हाफ में सैनफिदा नोंगरुम और लिंडा कोम सेटों के गोलों ने भारत को चैम्पियन बना दिया।
- भारत पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहा और उसने शानदार आक्रामक तथा रक्षात्मक प्रदर्शन का प्रदर्शन किया।

स्टैटिक जीके

- सैफ का पूर्ण रूप साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन है।
- साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन का मुख्यालय ढाका में स्थित है।
- भारत में फुटबॉल की संचालन संस्था अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) है।
- सैफ महिला चैम्पियनशिप 2026 की मेजबानी गोवा ने की थी।

साविता श्री बास्कर ने 2026 महिला एशियाई शतरंज चैम्पियनशिप जीती



- साविता श्री बास्कर ने उलानबटार में आयोजित 2026 महिला एशियाई व्यक्तिगत शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब जीता।
- चेन्नई की इस खिलाड़ी ने 9 दौरों में 7.5 अंक अर्जित कर महाद्वीपीय खिताब अपने नाम किया।
- उन्होंने अफरूजा खामदामोवा के बराबर अंक प्राप्त किए, लेकिन बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के आधार पर चैम्पियनशिप जीत ली।
- सॉन्ग युक्सिन ने 6.5 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया।
- इस जीत के साथ साविता ने 2027 फिडे महिला विश्व कप में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया।
- भारत ने 13वाँ महिला एशियाई चैम्पियनशिप खिताब जीता, जिससे एशियाई महिला शतरंज में उसकी मजबूत स्थिति और अधिक सुदृढ़ हुई।

स्टैटिक जीके

- फिडे विश्व शतरंज की संचालन संस्था है।
- उलानबटार मंगोलिया की राजधानी है।
- साविता श्री बास्कर ने वर्ष 2023 में वूमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) तथा वर्ष 2025 में इंटरनेशनल मास्टर (आईएम) की उपाधि प्राप्त की थी।

पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 में भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा

1 st WORLD YOGASANA C'SHIP 2026				
FINAL RESULTS				
RANK	COUNTRY	Gold	Silver	Brass
1	INDIA	102	9	3
2	JAPAN	3	3	5
3	ARGENTINA	2	3	0
4	SINGAPORE	2	2	3
5	NEPAL	1	36	15
6	UZBEKISTAN	1	13	11
7	ZAMBIA	1	5	8
8	INDONESIA	1	2	4
9	RUSSIA	1	1	2
10	UNITED STATES	1	0	4
				TOTAL
				114

- भारत विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के उद्घाटन संस्करण में 114 पदकों के साथ पदक तालिका में प्रथम स्थान पर रहा। भारत ने 102 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक जीते।
- यह चैम्पियनशिप 4-8 जून 2026 तक अहमदाबाद के ईकेए एरीना में आयोजित की गई।
- विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 वैश्विक योगासन प्रतियोगिता का पहला संस्करण था।
- इसमें 79 देशों के 522 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- भारत ने विभिन्न आयु वर्गों और प्रतियोगिता श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अन्य सभी देशों से काफी आगे रहते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

- जापान ने 11 पदकों (3 स्वर्ण, 3 रजत, 5 कांस्य) के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि अर्जेंटीना तीसरे स्थान पर रहा।
- नबीला बराज़ा चैम्पियनशिप की सबसे सफल व्यक्तिगत प्रतियोगी रहीं।
- नेपाल पदक तालिका में पाँचवें स्थान पर रहा, लेकिन उसने 52 पदक (1 स्वर्ण, 36 रजत, 15 कांस्य) जीतकर कुल पदकों के आधार पर दूसरा सबसे सफल देश बनने का गौरव प्राप्त किया।
- प्रतियोगिता में पारंपरिक योगासन, कलात्मक एकल, कलात्मक युगल, कलात्मक समूह, लयबद्ध युगल तथा लचीलापन, संतुलन, सहनशक्ति और मुद्रा नियंत्रण की परीक्षा लेने वाली विशेष श्रेणियाँ शामिल थीं।

फ्रांस में फ्रेंच ओपन का 125वां संस्करण आयोजित हुआ



- फ्रेंच ओपन का 125वां संस्करण 24 मई से 7 जून 2026 तक स्टेड रोलां गैरो, फ्रांस में आयोजित किया गया।
- यह टूर्नामेंट 2026 टेनिस सत्र का दूसरा ग्रैंड स्लैम आयोजन था।
- कार्लोस अल्काराज़ ने पुरुष एकल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।
- आर्यना सबालेन्का ने महिला एकल खिताब जीता।
- यह चैम्पियनशिप रोलां गैरो की प्रसिद्ध क्ले कोर्ट पर खेली गई।

स्टैटिक जीके

- फ्रेंच ओपन एकमात्र ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है जो क्ले कोर्ट पर खेला जाता है।
- अन्य ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन, विंबलडन चैम्पियनशिप्स और यूएस ओपन हैं।

केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया



- केन विलियमसन ने जून 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जिससे उनके 16 वर्ष लंबे शानदार करियर का समापन हुआ।
- उन्होंने टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 378 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले।
- विलियमसन ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और न्यूजीलैंड के सबसे सफल कप्तानों तथा बल्लेबाजों में से एक बने।
- उनके नेतृत्व में न्यूजीलैंड ने 2015 और 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप 2026 जीता



- भारत ने जून 2026 में फाइनल में न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर एफआईएच महिला नेशंस कप 2026 का खिताब जीता।
- इस जीत के साथ भारत ने एफआईएच प्रो लीग, जो वार्षिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी की सर्वोच्च प्रतियोगिता है, में पदोन्नति हासिल की।
- भारत ने अपना दूसरा एफआईएच नेशंस कप खिताब जीता। इससे पहले उसने वर्ष 2022 में उद्घाटन संस्करण का खिताब भी जीता था।
- नवनीत कौर ने चौथे मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर से गोल कर भारत को बढ़त दिलाई।
- सुनेलिता टोप्पो ने 15वें मिनट में दीपिका के ड्रैग फ्लिक को डिफ्लेक्ट कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया।
- भारत पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहा और उसने मजबूत आक्रमण तथा रक्षात्मक प्रदर्शन का प्रदर्शन किया।

स्टैटिक जीके

- एफआईएच का पूर्ण रूप फेडरेशन इंटरनेशनल डी हॉकी (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) है।
- एफआईएच प्रो लीग विश्व की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों की भागीदारी वाली प्रमुख वार्षिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता है।



भारतीय छात्रों ने 'प्लास-स्टिक' नवाचार के साथ अर्थ प्राइज 2026 जीता



- भारतीय छात्रों विवान छावछारिया, एरियाना अग्रवाल और अव्याना मेहता ने जल से माइक्रोप्लास्टिक हटाने वाले प्लास-स्टिक नामक जैव-अवक्रमणीय समाधान के विकास के लिए द अर्थ प्राइज 2026 जीता।
- यह टीम द अर्थ प्राइज की वैश्विक प्रतियोगिता जीतने वाली भारत की पहली टीम बनी।
- प्लास-स्टिक इमली के बीज के पाउडर से बनाया गया है और यह माइक्रोप्लास्टिक कणों को आपस में जोड़कर बड़े गुच्छों में परिवर्तित कर देता है, जिन्हें बाद में पानी से हटाया जा सकता है।
- यह नवाचार माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए कम लागत वाला, विस्तार योग्य और पर्यावरण-अनुकूल समाधान प्रदान करता है, विशेषकर ग्रामीण और वंचित समुदायों में।
- इस विचार की प्रेरणा छात्रों को एक ग्रामीण समुदाय के दौरे के दौरान असुरक्षित पेयजल और माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण से जुड़ी चिंताओं को देखने के बाद मिली।
- विजेताओं का चयन वैश्विक जनमत मतदान के माध्यम से किया गया, जिसमें दुनिया भर से लगभग 23,000 लोगों ने भाग लिया।

स्टैटिक जीके

- द अर्थ प्राइज एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रतियोगिता है, जो छात्रों को प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता हास जैसी चुनौतियों के समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक के अत्यंत छोटे कण होते हैं, जिनका आकार सामान्यतः 5 मिलीमीटर से कम होता है और जो जल, मिट्टी तथा खाद्य श्रृंखला को प्रदूषित करते हैं।
- इमली के बीज कृषि उप-उत्पाद हैं और भारत में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं।

लियोनेल मेसी को प्रिंसेस ऑफ अस्तूरियास स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया



- लियोनेल मेसी को 2026 का प्रिंसेस ऑफ अस्तूरियास स्पोर्ट्स अवॉर्ड प्रदान किया गया, जिससे वे यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करने वाले पहले व्यक्तिगत फुटबॉलर बन गए।
- इस पुरस्कार ने उनकी असाधारण खेल उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमता, विनम्रता, पेशेवर आचरण और समाज के प्रति उनके परोपकारी योगदान को मान्यता दी।
- प्रिंसेस ऑफ अस्तूरियास अवॉर्ड्स स्पेन के सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मानों में से एक हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों को सम्मानित करते हैं।
- टेरेसा पेराเลส के नेतृत्व वाली पुरस्कार जूरी ने मैदान के भीतर और बाहर मेसी के सकारात्मक प्रभाव की सराहना की।
- मेसी को इस सम्मान की जानकारी 2026 फीफा विश्व कप से पहले अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के साथ प्रशिक्षण के दौरान मिली।
- मेसी की प्रमुख उपलब्धियों में 2022 फीफा विश्व कप जीतना, 2021 और 2024 में कोपा अमेरिका खिताब जीतना, 2008 का ओलंपिक स्वर्ण पदक तथा रिकॉर्ड 8 बैलन डी'ओर पुरस्कार शामिल हैं।

स्टैटिक जीके

- प्रिंसेस ऑफ अस्तूरियास अवॉर्ड्स प्रतिवर्ष स्पेन में प्रदान किए जाते हैं।
- ये पुरस्कार खेल, कला, साहित्य, सामाजिक विज्ञान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं।
- लियोनेल मेसी को व्यापक रूप से इतिहास के महानतम फुटबॉलरों में से एक माना जाता है और उन्होंने अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की कप्तानी करते हुए 2022 फीफा विश्व कप का खिताब दिलाया था।

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में स्वर्ण पुरस्कार जीता



- पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में स्वर्ण पुरस्कार जीता, जिससे डेटा-संचालित ग्रामीण शासन में इसकी भूमिका को मान्यता मिली।
- इस सूचकांक को भारत भर की 2.6 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया था।
- पीएआई को शासन प्रणालियों में डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन श्रेणी के अंतर्गत सम्मानित किया गया।
- इस पुरस्कार ने स्थानीय शासन को सुदृढ़ बनाने में एनालिटिक्स, पारदर्शिता और साक्ष्य-आधारित निर्णय-निर्माण के उपयोग को रेखांकित किया।
- स्वर्ण पुरस्कार में एक ट्रॉफी, प्रशस्ति-पत्र और ₹10 लाख की नकद राशि शामिल थी।
- पुरस्कार समारोह का आयोजन राजस्थान के जयपुर में ई-गवर्नेंस पर 29वें राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 के दौरान किया जाना निर्धारित था, जिसका संयुक्त आयोजन डीएआरपीजी और मेइटी द्वारा किया गया।

स्टैटिक जीके

- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार डिजिटल शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण में उत्कृष्टता के लिए भारत के प्रमुख सम्मानों में से एक हैं।
- वर्ष 2026 सम्मेलन का विषय था — “विकसित भारत 2047: एआई-सक्षम, डेटा-संचालित और सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस”।
- पीएआई डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने वाला भारत का पहला बड़े पैमाने का ढांचा है।

सुदर्शन पटनायक ने रूस ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026 जीता

- भारतीय रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने 12-13 जून 2026 को रूस में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय रेत मूर्तिकला महोत्सव में रूस ग्रैंड सैंड मास्टर कप 2026 जीता।



- वे इस अंतरराष्ट्रीय रेत मूर्तिकला महोत्सव में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय बने।
- पटनायक ने जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापवृद्धि पर आधारित तीन मीटर ऊंची रेत की मूर्ति बनाई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली का संदेश दिया गया।
- इस महोत्सव में विभिन्न देशों के 12 रेत मूर्तिकारों ने भाग लिया और अंतरराष्ट्रीय जूरी ने सर्वसम्मति से उनकी कृति का चयन किया।
- यह पुरस्कार रेत कला में उनके योगदान और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामाजिक एवं पर्यावरणीय जागरूकता फैलाने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया।

स्टैटिक जीके

- सुदर्शन पटनायक भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित हैं।
- कालिनिनग्राद क्षेत्र रूस का एक बहिर्क्षेत्र (एक्सक्लेव) है, जो बाल्टिक सागर के तट पर स्थित है।

गौतम डे को ईएमबीओ स्वर्ण पदक 2026 मिला



- भारतीय मूल के वैज्ञानिक गौतम डे को आणविक जीवविज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए ईएमबीओ स्वर्ण पदक 2026 प्रदान किया गया।
- वे जर्मनी के हाइडेलबर्ग स्थित यूरोपीय आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला में ग्रुप लीडर के रूप में कार्यरत हैं।
- उनका शोध नाभिकीय संगठन के विकास, कोशिका विभाजन और यूकैरियोटिक कोशिका विकास पर केंद्रित है।

- उनका कार्य जटिल कोशिकीय संरचनाओं के उद्भव का अध्ययन करने के लिए विकासवादी जीवविज्ञान, आनुवंशिकी और उन्नत इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करता है।
- ईएमबीओ स्वर्ण पदक जीवन विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए असाधारण युवा शोधकर्ताओं को प्रदान किया जाता है।

स्टैटिक जीके

- यूरोपीय आणविक जीवविज्ञान संगठन (ईएमबीओ) की स्थापना 1964 में हुई थी।
- यूरोपीय आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला का मुख्यालय हाइडेलबर्ग, जर्मनी में स्थित है।

जैनेंद्र के. जैन को भौतिकी का वुल्फ पुरस्कार मिला



- जैनेंद्र के. जैन भौतिकी के वुल्फ पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय मूल के भौतिक विज्ञानी बने।
- उन्हें समग्र फर्मियॉन की खोज के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसने भिन्नात्मक क्वांटम हॉल प्रभाव की व्याख्या की और संचनित पदार्थ भौतिकी के अनुसंधान को नई दिशा दी।
- जैन ने वर्ष 1989 में येल विश्वविद्यालय में पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता के रूप में कार्य करते हुए समग्र फर्मियॉन का सिद्धांत प्रस्तुत किया था।
- उनके सिद्धांत ने प्रबल चुंबकीय क्षेत्रों में देखी गई असामान्य भिन्नात्मक विद्युत चालकता की एकीकृत व्याख्या प्रस्तुत की और जैन अनुक्रमों (जैन अवस्थाओं) की भविष्यवाणी की।
- इस खोज ने क्वांटम भौतिकी, टोपोलॉजिकल पदार्थ, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्यूबिट और उन्नत अर्धचालक प्रौद्योगिकियों से संबंधित अनुसंधान को प्रभावित किया।
- जैन का जन्म राजस्थान के सांभर में हुआ था। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की, स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय से पीएचडी की और वर्तमान में पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

स्टैटिक जीके

- वुल्फ पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1978 में वुल्फ फाउंडेशन द्वारा की गई थी और इसे विश्व के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कारों में से एक माना जाता है।
- भौतिकी का वुल्फ पुरस्कार अक्सर भौतिकी के नोबेल पुरस्कार का अग्रदूत माना जाता है।
- भिन्नात्मक क्वांटम हॉल प्रभाव एक क्वांटम परिघटना है, जो अत्यधिक प्रबल चुंबकीय क्षेत्रों में द्वि-आयामी इलेक्ट्रॉन प्रणालियों में देखी जाती है।

वीबी-जीआरएएम अधिनियम के मसौदा नियम सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी



- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी-जीरैम-जी) के तहत मसौदा नियमों को 1 जुलाई 2026 से देशव्यापी लागू किए जाने से पहले सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया।
- नए ढाँचे ने मनरेगा (एमजीएनरेगा) का स्थान लिया और ग्रामीण रोजगार की वैधानिक गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन प्रति वर्ष कर दिया।
- मसौदा नियमों में संक्रमण व्यवस्था, शिकायत निवारण, मजदूरी भुगतान, प्रशासनिक व्यवस्था, बेरोजगारी भत्ता तथा शासन संबंधी तंत्र से जुड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं।
- इस ढाँचे के तहत निगरानी और नीतिगत समन्वय को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्तरीय संचालन समिति तथा केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद की स्थापना का प्रावधान किया गया है।
- संक्रमण अवधि के दौरान श्रमिकों को बिना किसी बाधा के लाभ मिलता रहे, इसके लिए ई-केवाईसी सत्यापित मनरेगा जॉब कार्ड अस्थायी रूप से वैध रहेंगे।

स्थैतिक जीके

- मनरेगा (एमजीएनरेगा) वर्ष 2005 में भारत के पहले अधिकार-आधारित ग्रामीण रोजगार कानून के रूप में लागू किया गया था।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत में ग्रामीण आजीविका और रोजगार योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल मंत्रालय है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹25,530 करोड़ की सार्थक-पीडीएस योजना को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 27 मई 2026 को भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को सुदृढ़ बनाने के लिए राशन परिवहन एवं हैंडलिंग सहायता-पीडीएस में स्वचालन आधारित आय योजना (सार्थक-पीडीएस) को मंजूरी दी।
- यह योजना अप्रैल 2026 से मार्च 2031 तक लागू की जाएगी, जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा कुल 25,530 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- सार्थक-पीडीएस का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राशन वितरण नेटवर्क के अंतर्गत खाद्यान्न परिवहन, हैंडलिंग कार्यों और डिजिटल अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना है।
- यह पहल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत सब्सिडी वाले खाद्यान्नों की आपूर्ति में एंड-टू-एंड स्वचालन, पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित है।
- योजना के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से उचित मूल्य की दुकानों तक खाद्यान्न परिवहन तथा डिजिटल ट्रैकिंग और निगरानी प्रणालियों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- इस योजना का उद्देश्य रिसाव, चोरी और परिचालन संबंधी देरी को कम करना तथा लाभार्थियों तक समय पर राशन पहुँच सुनिश्चित करना है।

स्थैतिक जीके

- सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से आवश्यक खाद्य वस्तुएँ रियायती दरों पर वितरित की जाती हैं।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) वर्ष 2013 में लागू किया गया था।
- भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की स्थापना वर्ष 1965 में हुई थी।
- उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय पीडीएस के संचालन की देखरेख करता है।

सरकार ने पीएमआरसी योजना 2026 शुरू की



- शिक्षा मंत्रालय ने दुनिया भर से भारतीय मूल के प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों को आकर्षित करने के लिए प्रधानमंत्री रिसर्च चेयर (पीएमआरसी) योजना 2026 शुरू की।

- इस योजना का उद्देश्य वैश्विक विशेषज्ञों को भारत के प्रमुख उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों से जोड़कर भारत के अनुसंधान, विकास और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।
- यह राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण 13 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में विश्वस्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने और नवाचार का समर्थन करने का प्रयास करती है।
- यह पहल विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए भारतीय प्रवासी समुदाय की विशेषज्ञता का लाभ उठाने पर केंद्रित है।
- यह योजना ज्ञान-आधारित विकास और तकनीकी प्रगति के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्यों का भी समर्थन करती है।

प्रसिद्ध उर्दू शायर बशीर बद्र का 91 वर्ष की आयु में निधन



- भारत के प्रसिद्ध उर्दू शायरों में से एक बशीर बद्र का 91 वर्ष की आयु में लंबी आयु-संबंधी बीमारी के बाद निधन हो गया।
- वे उर्दू कविता में सरलता, भावनात्मक अभिव्यक्ति और आधुनिक शैली को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यापक रूप से जाने जाते थे। उन्होंने राज्यों को युवा पीढ़ी के बीच लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- अयोध्या में जन्मे बशीर बद्र ने अपनी काव्य कृतियों, साहित्यिक आयोजनों और देश-विदेश में आयोजित मुशायरों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।
- उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री और साहित्य अकादमी पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया था।
- उनकी शायरी में प्रेम, विरह, मानवीय भावनाएँ, सामाजिक सौहार्द और दार्शनिक चिंतन जैसे विषय प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं।

स्थैतिक जीके

- उर्दू भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं में से एक है।
- पद्मश्री भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।
- साहित्य अकादमी का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

दिल्ली अग्निकांड में पूर्व सीसीआई अध्यक्ष धनेन्द्र कुमार का निधन



- पूर्व भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के अध्यक्ष धनेन्द्र कुमार का 28 मई 2026 को दक्षिण दिल्ली के हौज़ खास एन्क्लेव स्थित उनके आवास में आग लगने की घटना के बाद निधन हो गया।
- वे हरियाणा कैडर के 1968 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी थे तथा विश्व बैंक में कार्यकारी निदेशक के रूप में भी सेवाएँ दे चुके थे।
- आग 27 मई 2026 की रात लगी थी, जिस पर अग्निशमन कर्मियों, पुलिस और स्थानीय निवासियों की सहायता से काबू पाया गया।
- प्रारंभिक जांच में घटना का कारण एयर कंडीशनर की इनडोर यूनिट को माना गया है तथा अधिकारियों को किसी भी प्रकार की साजिश या आपराधिक गतिविधि के प्रमाण नहीं मिले हैं।
- धुएँ के गंभीर प्रभाव के कारण धनेन्द्र कुमार को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहाँ बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया।
- उन्हें बचाने का प्रयास करते समय उनके पुत्र गौरव कुमार भी धुएँ से प्रभावित हुए, हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बताई गई।
- धनेन्द्र कुमार वर्ष 2009 में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के संचालन शुरू होने के बाद उसके पहले अध्यक्ष बने थे।

स्थैतिक जीके

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- सीसीआई ने वर्ष 2009 में कार्य करना शुरू किया था।
- धनेन्द्र कुमार भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे।
- भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) भारत की प्रमुख सिविल सेवा है, जिसमें हरियाणा कैडर जैसे राज्य कैडर शामिल होते हैं।
- विश्व बैंक का मुख्यालय वाशिंगटन डी.सी. में स्थित है।

दिग्गज पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर का 89 वर्ष की आयु में निधन



- भारत की दिग्गज पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर का 31 मई 2026 को मुंबई स्थित उनके आवास पर आयु-संबंधी बीमारियों के कारण 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- वे प्रसिद्ध पार्श्व गायिका थीं, जिनका संगीत करियर छह दशकों से अधिक समय तक हिंदी, मराठी, बंगाली, कन्नड़ और असमिया फिल्म उद्योगों में फैला रहा।
- सुमन कल्याणपुर “आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे” और “ना ना करते प्यार तुम्हीं से” जैसे लोकप्रिय गीतों के लिए व्यापक रूप से जानी जाती थीं।
- भारतीय संगीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2023 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।
- उनका अंतिम संस्कार 1 जून 2026 को मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट में किया जाना निर्धारित था।

स्थैतिक जीके

- सुमन कल्याणपुर हिंदी और मराठी सिनेमा में पार्श्व गायन के लिए प्रसिद्ध थीं।
- उन्होंने बंगाली, कन्नड़ और असमिया भाषाओं में भी गीत गाए थे।
- पद्म भूषण भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जिसकी स्थापना वर्ष 1954 में की गई थी।
- पवन हंस श्मशान घाट महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित है।

भारतीराजा का 84 वर्ष की आयु में निधन



- वरिष्ठ फिल्म निर्माता भारतीराजा का 10 जून 2026 को चेन्नई में 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- 1941 में थेनी में चिन्नासामी के रूप में जन्मे भारतीराजा भारतीय सिनेमा की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक बने।
- उन्होंने फिल्म निर्माण को स्टूडियो सेटों से निकालकर वास्तविक ग्रामीण स्थलों तक पहुंचाया और ग्रामीण जीवन तथा संस्कृति को प्रमुखता देकर तमिल सिनेमा में नई दिशा दी।
- उनकी पहली फिल्म 16 वयथिनिले को तमिल सिनेमा की एक ऐतिहासिक फिल्म माना जाता है।
- “इयक्कुनर इमयम” के नाम से प्रसिद्ध भारतीराजा ने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में 40 से अधिक फिल्मों का निर्देशन किया।
- उनकी प्रमुख फिल्मों में अलैगल ओडवथिल्लै, मुधल मरियाथै और करुथम्मा शामिल हैं।

- उन्हें 2004 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था और उन्होंने छह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते थे।

गावरी देवी का 98 वर्ष की आयु में निधन



- प्रसिद्ध राजस्थानी मांड लोक गायिका गावरी देवी का 11 जून 2026 को पाली, राजस्थान स्थित उनके निवास पर 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- उनका जन्म बाड़मेर जिले के कोरन गांव में हुआ था और वे लगभग आठ दशकों तक मांड गायन से जुड़ी रहीं।
- गावरी देवी को राजस्थान की सबसे प्राचीन लोक संगीत परंपराओं में से एक मांड के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए विशेष पहचान मिली।
- उनके लोकप्रिय लोकगीतों में “मोरे बोले रे” शामिल है, जिसने देशभर में मांड संगीत को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।
- उनके निधन से राजस्थान की लोक संगीत विरासत की एक प्रमुख हस्ती का अवसान हो गया।

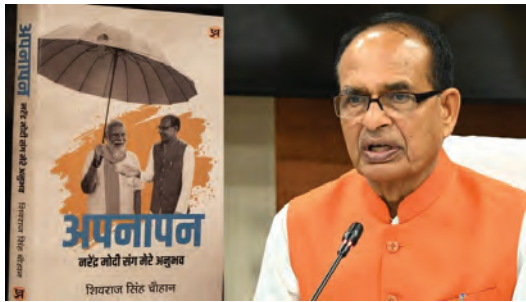
फ्रांस्वा एंगलर्ट का 93 वर्ष की आयु में निधन



- बेल्जियम के सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी फ्रांस्वा एंगलर्ट का वर्ष 2026 में 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- एंगलर्ट को प्राथमिक कणों के द्रव्यमान प्राप्त करने की प्रक्रिया की व्याख्या करने वाले तंत्र पर उनके कार्य के लिए वर्ष 2013 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार पीटर हिम्स के साथ संयुक्त रूप से प्रदान किया गया था।
- वर्ष 1964 में एंगलर्ट और रॉबर्ट ब्राउट ने स्वतः सममिति विच्छेदन पर एक महत्वपूर्ण शोध-पत्र प्रकाशित किया, जबकि पीटर हिम्स ने स्वतंत्र रूप से एक समान सिद्धांत विकसित किया।
- उनके कार्य को बाद में ब्राउट-एंगलर्ट-हिम्स (बीईएच) तंत्र के नाम से जाना गया, जो आगे चलकर कण भौतिकी के मानक मॉडल का एक प्रमुख घटक बना।
- इस सिद्धांत ने हिम्स बोसॉन के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी, जिसकी वर्ष 2012 में सर्न में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर के प्रयोगों के माध्यम से प्रयोगात्मक पुष्टि हुई।
- मानक मॉडल प्राथमिक कणों और तीन मूलभूत बलों—विद्युतचुंबकीय, दुर्बल और प्रबल अंतःक्रियाओं—की व्याख्या करता है।
- सर्न जिनेवा के निकट स्थित है।

शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने सफर पर आधारित 'अपनापन' पुस्तक का विमोचन किया



- शिवराज सिंह चौहान ने 26 मई 2026 को नई दिल्ली स्थित एनएससी कॉम्प्लेक्स में अपनी पुस्तक 'अपनापन' का विमोचन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके लंबे जुड़ाव को दर्शाया गया है।
- इस पुस्तक में चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ तीन दशकों से अधिक समय तक कार्य करते हुए प्राप्त अपने व्यक्तिगत अनुभवों, संगठनात्मक यात्रा और सुशासन संबंधी सीखों को साझा किया है।
- पुस्तक विमोचन समारोह में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा भी उपस्थित रहे।
- पुस्तक में एकता यात्रा का भी उल्लेख किया गया है, जिसके दौरान शिवराज सिंह चौहान और नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के संगठन विस्तार के लिए साथ मिलकर कार्य किया था।

स्थैतिक जीके

- एनएससी कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली के पूसा क्षेत्र में स्थित है।
- शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता हैं।
- एकता यात्रा का नेतृत्व मुरली मनोहर जोशी ने वर्ष 1991 में किया था।
- नरेंद्र मोदी वर्ष 2014 में भारत के प्रधानमंत्री बने थे।

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में 'अगत्थियार – द यूनिफायर' पुस्तक का विमोचन किया



- उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में 'अगत्थियार – द यूनिफायर' पुस्तक का विमोचन किया।
- उन्होंने कहा कि भारत की एकता एक प्राचीन सभ्यतागत वास्तविकता है, जिसका निर्माण और पोषण हजारों वर्षों से ऋषियों एवं प्रबुद्ध विचारकों द्वारा किया गया है।
- यह पुस्तक अगत्थियार की विरासत और भारत की सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक एकता को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका को रेखांकित करती है।
- उपराष्ट्रपति ने ऋषियों और मुनियों को राष्ट्रीय एकीकरण का वास्तविक शिल्पकार बताते हुए अगत्थियार को भारत के विभिन्न क्षेत्रों के बीच एकता का प्रतीक बताया।
- उन्होंने कलैमगल की सराहना की और कहा कि यह संस्था 95 वर्षों से अधिक समय से तमिल साहित्य, संस्कृति और विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

विश्व कछुआ दिवस 2026, 23 मई को मनाया गया



- विश्व कछुआ दिवस 2026, 23 मई को कछुओं, कछुओं की विभिन्न प्रजातियों (टर्टल और टॉर्टोइज) तथा उनके घटते प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया गया।
- इस वार्षिक दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में अमेरिकन टॉर्टोइज रेस्क्यू द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य विश्वभर में कछुओं के संरक्षण, बचाव कार्यों और उनके प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना है।
- वर्ष 2026 की थीम “आई लव टर्टल” थी, जिसने लोगों को आवास संरक्षण, समुद्र तट सफाई अभियानों और अवैध शिकार विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।
- पर्यावरण संगठनों ने प्लास्टिक प्रदूषण, अवैध वन्यजीव व्यापार, आवास विनाश, जलवायु परिवर्तन और मछली पकड़ने के जाल में फँसने जैसी समस्याओं को कछुओं के लिए प्रमुख खतरे बताया।
- वैज्ञानिकों के अनुसार कछुए पृथ्वी पर 20 करोड़ वर्षों से अधिक समय से मौजूद हैं और समुद्री तथा मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्रों के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्थैतिक जीके

- विश्व कछुआ दिवस प्रतिवर्ष 23 मई को मनाया जाता है।
- भारत में ऑलिव रिडले कछुआ, रेड-क्राउन्ड रूफड कछुआ और हॉक्सबिल कछुआ जैसी कई संकटग्रस्त प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षण प्राप्त है।

अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस 2026, 29 मई को मनाया गया

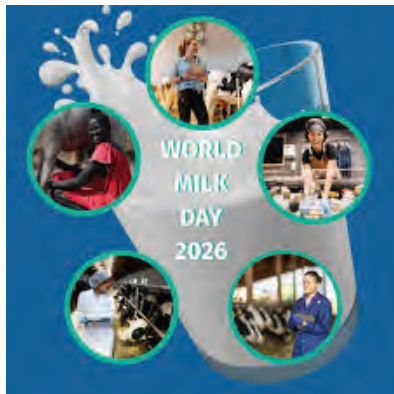


- अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस 2026, 29 मई को विश्वभर में संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में सेवा दे रहे संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सेवा और बलिदान को सम्मानित करने के लिए मनाया गया।
- यह दिवस संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम पर्यवेक्षण संगठन (यूएनटीएसओ) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 29 मई 1948 को हुई थी।
- वर्ष 2026 की थीम ने शांति, सुरक्षा, मानवीय सहायता और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में शांति सैनिकों के योगदान को रेखांकित किया।
- वर्ष 1948 से अब तक 20 लाख से अधिक शांति सैनिक दुनिया भर में संयुक्त राष्ट्र के 70 से अधिक शांति मिशनों में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

स्थैतिक जीके

- संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को हुई थी।
- संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर में स्थित है।
- संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम पर्यवेक्षण संगठन (यूएनटीएसओ) मध्य पूर्व में कार्यरत है और यह संयुक्त राष्ट्र का सबसे पुराना शांति मिशन है।
- वर्ष 1988 में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- भारत ने पहली बार वर्ष 1950 में कोरिया में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भाग लिया था।

विश्व दुग्ध दिवस 2026 1 जून को मनाया गया



- विश्व दुग्ध दिवस 2026, 1 जून को मनाया गया ताकि वैश्विक खाद्य पदार्थ के रूप में दूध के महत्व तथा पोषण, आजीविका और आर्थिक विकास में डेयरी क्षेत्र के योगदान को मान्यता दी जा सके।
- इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन देने में डेयरी उद्योग की भूमिका को रेखांकित किया गया।
- विश्व दुग्ध दिवस 2026 की थीम “महिला किसानों का उत्सव” थी।
- इस थीम ने डेयरी खेती, पशु देखभाल, दूध उत्पादन और ग्रामीण उद्यमिता में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी।
- यह दिवस दुनिया भर में दूध और डेयरी उत्पादों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने को निरंतर प्रोत्साहित करता रहा।

स्टैटिक जीके

- विश्व दुग्ध दिवस की स्थापना वर्ष 2001 में एफएओ द्वारा की गई थी।
- भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है।
- ऑपरेशन फ्लड की शुरुआत वर्ष 1970 में की गई थी।
- एनडीडीबी का मुख्यालय आनंद में स्थित है।
- वर्गीज कुरियन को भारत में श्वेत क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है।

तेलंगाना स्थापना दिवस 2 जून 2026 को मनाया गया



- तेलंगाना स्थापना दिवस 2 जून 2026 को मनाया गया, जो 2 जून 2014 को तेलंगाना के एक अलग राज्य के रूप में गठन की स्मृति में आयोजित किया गया।

- तेलंगाना भारत का 29वाँ राज्य बना, जो पृथक राज्य की मांग को लेकर दशकों लंबे आंदोलन की परिणति थी।
- वर्ष 2026 का आयोजन राज्य गठन की 12वीं वर्षगांठ का प्रतीक था।
- समारोहों में ध्वजारोहण, परेड, तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और राज्यभर में सार्वजनिक कार्यक्रम शामिल थे।
- मुख्य आधिकारिक समारोह हैदराबाद में आयोजित किया गया, जहाँ राज्य के नेताओं ने उपलब्धियों और भविष्य के विकास लक्ष्यों की समीक्षा की।
- इस दिन उन लोगों के बलिदानों का सम्मान किया गया जिन्होंने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए तेलंगाना आंदोलन में भाग लिया था।

स्टैटिक जीके

- तेलंगाना का आधिकारिक गठन 2 जून 2014 को हुआ था और यह भारत का 29वाँ राज्य बना।
- तेलंगाना की राजधानी: हैदराबाद।
- आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 ने तेलंगाना के गठन का मार्ग प्रशस्त किया।
- के. चंद्रशेखर राव राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बने थे।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026, 5 जून को मनाया गया



- विश्व पर्यावरण दिवस 2026, 5 जून को मनाया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को पर्यावरणीय कार्यों के लिए प्रेरित करना था।
- वर्ष 2026 की थीम “प्रकृति से प्रेरित: जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए” थी। इस अभियान को #NowForClimate के वैश्विक आह्वान के साथ चलाया गया।
- इस वर्ष वैश्विक समारोहों की मेजबानी अज़रबैजान ने की, जबकि मुख्य कार्यक्रम बाकू में आयोजित हुए।
- इस थीम के तहत जलवायु परिवर्तन से निपटने, पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण, जैव विविधता बचाने, प्रदूषण कम करने और सतत जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया गया।
- अभियान के दौरान वन पुनर्स्थापन, आर्द्रभूमि संरक्षण, मैंग्रोव सुरक्षा, सतत कृषि और जैव विविधता संरक्षण जैसे प्रकृति-आधारित समाधानों को बढ़ावा दिया गया।

- इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता ह्रास, वनों की कटाई, वायु प्रदूषण, जल संकट, महासागरों के क्षरण और अस्थिर उपभोग जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों पर भी ध्यान आकर्षित किया गया।

स्टैटिक जीके

- विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी।
- पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1973 को मनाया गया था।
- यूएनईपी का मुख्यालय नैरोबी में स्थित है।
- विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है।

विश्व महासागर दिवस 2026, 8 जून को मनाया गया



- विश्व महासागर दिवस 2026, 8 जून को मनाया गया। इसका उद्देश्य पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में महासागरों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।
- वर्ष 2026 की थीम “पुनर्कल्पना: जिस दुनिया को हम जानते हैं उससे आगे, हमारे महासागर के साथ एक नया संबंध” थी।
- इस थीम ने लोगों को महासागरों को केवल संसाधनों के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया जिनका संरक्षण, पुनर्स्थापन और सतत प्रबंधन आवश्यक है।
- महासागरों को पृथ्वी की सतह के 70% से अधिक भाग को आच्छादित करने वाला और विश्व की कम-से-कम 50% ऑक्सीजन का उत्पादन करने वाला बताया गया।
- महासागर भोजन का एक प्रमुख स्रोत हैं तथा जैव विविधता के संरक्षण, जलवायु संतुलन, वैश्विक व्यापार और करोड़ों लोगों की आजीविका को सहारा देते हैं।
- इस अवसर पर अत्यधिक मत्स्यन, प्लास्टिक प्रदूषण, महासागरीय अम्लीकरण, प्रवाल भित्तियों के विनाश, समुद्री तापमान में वृद्धि और जैव विविधता ह्रास जैसी प्रमुख चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया गया।
- वैश्विक अनुमानों के अनुसार, बड़ी मछलियों की लगभग 90% आबादी में गिरावट आई है, जबकि लगभग 50% प्रवाल भित्तियाँ नष्ट हो चुकी हैं।
- विश्व महासागर दिवस की अवधारणा वर्ष 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत की गई थी।

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 दिसंबर 2008 को प्रस्ताव 63/111 के माध्यम से 8 जून को आधिकारिक रूप से विश्व महासागर दिवस घोषित किया।
- यह दिवस एसडीजी-14 से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण तथा उनका सतत उपयोग सुनिश्चित करना है।
- इस अवसर पर यह भी रेखांकित किया गया कि औद्योगिक क्रांति के बाद से महासागरों की अम्लता में लगभग 26% की वृद्धि हुई है, जो संरक्षण प्रयासों को और मजबूत बनाने की आवश्यकता दर्शाती है।

विश्व महासागर दिवस 2026, 8 जून को मनाया गया



- विश्व महासागर दिवस 2026 8 जून को महासागर संरक्षण और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया गया।
- इस अवसर पर जलवायु विनियमन, जैव विविधता के संरक्षण और आजीविका को बनाए रखने में महासागरों की भूमिका को रेखांकित किया गया।
- इस दिवस को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2008 में आधिकारिक मान्यता दी गई थी और 2009 से इसे विश्वभर में मनाया जा रहा है।
- महासागर पृथ्वी की सतह के लगभग 71% भाग को आच्छादित करते हैं और मनुष्यों द्वारा ली जाने वाली ऑक्सीजन का लगभग 50% उत्पादन करते हैं।
- महासागर वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा हिस्सा भी अवशोषित करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायता मिलती है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 2026, 12 जून को मनाया गया



- विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून 2026 को बाल श्रम और बाल शोषण के विरुद्ध वैश्विक कार्रवाई को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया।
- 2026 की थीम “रेड कार्ड टू चाइल्ड लेबर: फेयर प्ले फॉर चिल्ड्रेन, डीसेंट वर्क फॉर एडल्ट्स” थी।
- इस अवसर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और परिवारों के लिए सम्मानजनक आजीविका के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
- इस दिवस की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने 2002 में की थी।
- विश्वभर में लगभग 13.8 करोड़ बच्चे अभी भी बाल श्रम में संलग्न हैं, जिनमें से लगभग 5.4 करोड़ बच्चे खतरनाक कार्यों में लगे हुए हैं।
- यह पहल एसडीजी लक्ष्य 8.7 का समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य बाल श्रम के सभी रूपों का उन्मूलन करना है।

स्टैटिक जीके

- अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की स्थापना 1919 में हुई थी और यह 1946 में संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी बना।

ग्लोबल विंड डे 2026, 15 जून को मनाया गया



- ग्लोबल विंड डे 2026 15 जून 2026 को पवन ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया।
- इस आयोजन का संचालन विंडयूरोप और ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल (जीडब्ल्यूईसी) द्वारा किया गया।
- भारत ने “विंड एनर्जी: फ्रॉम एम्बिशन टू एक्सेलरेशन” थीम के तहत गोवा में ग्लोबल विंड डे 2026 सम्मेलन की मेजबानी की।
- 2026 की वैश्विक थीम “आवर विंड, आवर कम्युनिटी” थी।
- स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत विश्व में चौथे स्थान पर रहा, जिसकी क्षमता 2014 में 21.04 गीगावाट से बढ़कर मार्च 2026 में 56.09 गीगावाट हो गई।
- भारत में अतिरिक्त 28 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता विभिन्न चरणों में कार्यान्वयनाधीन रही।
- 2030 तक पवन ऊर्जा से वैश्विक विद्युत मांग का 9% पूरा होने का अनुमान है।

विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस : 17 जून



- विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस 2026, 17 जून 2026 को भूमि क्षरण, मरुस्थलीकरण, सूखा-प्रतिरोधक क्षमता और सतत भूमि प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्वभर में मनाया गया।
- इस दिवस का नेतृत्व संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय द्वारा किया जाता है और यह जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण तथा खाद्य सुरक्षा को समर्थन देने के साथ-साथ भूमि क्षरण तटस्थता (एलडीएन) प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल देता है।
- मरुस्थलीकरण विश्वभर में अरबों लोगों को प्रभावित करता है, क्योंकि भूमि क्षरण से कृषि उत्पादकता घटती है, आजीविका पर खतरा बढ़ता है, जल संकट गहराता है और जलवायु संबंधी संवेदनशीलताएँ तेज होती हैं।

स्टैटिक जीके

- विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस वर्ष 1995 से प्रतिवर्ष 17 जून को मनाया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय को वर्ष 1994 में अपनाया गया था और यह वर्ष 1996 में प्रभावी हुआ।
- यूएनसीसीडी का मुख्यालय बॉन में स्थित है।

विश्व मगरमच्छ दिवस 2026 : 17 जून



- विश्व मगरमच्छ दिवस प्रतिवर्ष 17 जून को दुनिया भर में मगरमच्छ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

- यह दिवस मगरमच्छ प्रजातियों को प्रभावित करने वाले खतरों, जैसे आवास विनाश, अवैध शिकार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन, पर प्रकाश डालता है।
- संरक्षण संगठन, चिड़ियाघर, वन्यजीव प्राधिकरण और शोधकर्ता जागरूकता एवं संरक्षण अभियान चलाते हैं।
- भारत में मगरमच्छ की तीन प्रजातियाँ पाई जाती हैं—मगर (मगरमच्छ), खारे पानी का मगरमच्छ और घड़ियाल।
- यह दिवस जैव विविधता संरक्षण और मगरमच्छों के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा को बढ़ावा देता है।

स्टैटिक जीके

- घड़ियाल का वैज्ञानिक नाम – गेवियलिस गैंगेटिकस
- घड़ियाल संरक्षण केंद्र – राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य
- भारत में खारे पानी के मगरमच्छों की सबसे बड़ी आबादी – भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, ओडिशा
- घड़ियाल की आईयूसीएन स्थिति – अति संकटग्रस्त

विश्व शरणार्थी दिवस : 20 जून



- विश्व शरणार्थी दिवस प्रतिवर्ष 20 जून को दुनिया भर के शरणार्थियों को सम्मान देने तथा उनकी चुनौतियों और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस उन लोगों के साहस और दृढ़ता को मान्यता देता है, जो संघर्ष, उत्पीड़न, हिंसा या प्राकृतिक आपदाओं के कारण अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर हुए हैं।
- यह दिवस विस्थापित आबादी की सुरक्षा तथा उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और कानूनी अधिकार उपलब्ध कराने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को रेखांकित करता है।
- शरणार्थी मुद्दे आज भी एक प्रमुख वैश्विक मानवीय चिंता बने हुए हैं, क्योंकि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में लाखों लोग विस्थापित हैं।
- यह दिवस शरणार्थियों के एकीकरण और मानवीय सहायता प्रदान करने में सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाज की भूमिका पर भी जोर देता है।

स्टैटिक जीके

- यूएनएचसीआर संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी है।
- यूएनएचसीआर की स्थापना वर्ष 1950 में हुई थी।
- संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क में स्थित है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : 21 जून 2026



- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 को विश्वभर में मनाया गया।
- नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के रेड रोड पर 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया।
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम “स्वस्थ आयु के लिए योग” है।
- इस अवसर पर हजारों प्रतिभागियों की उपस्थिति में सामूहिक योग सत्र आयोजित किया गया तथा कोलकाता के विभिन्न स्थानों पर समन्वित योग कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- दुनिया भर में 210 से अधिक भारतीय मिशन और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने लगभग 2,500 स्थानों पर योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए।
- आयुष मंत्रालय ने योग दिवस के आयोजन और योग के प्रचार-प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासों का समन्वय किया।

स्टैटिक जीके

- संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने वर्ष 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था।
- पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था।
- 21 जून उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है।

संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस : 23 जून

- संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस 23 जून 2026 को लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में लोक सेवकों और सार्वजनिक संस्थानों के योगदान को मान्यता देने के लिए मनाया गया।
- इस अवसर ने आवश्यक सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान करने में सरकारी अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों, कानून प्रवर्तन कर्मियों और अन्य लोक सेवकों की भूमिका को रेखांकित किया।



- यह दिवस लोक प्रशासन में उत्कृष्टता, नवाचार, पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देता है।

- वर्ष 2026 के फोरम की थीम “सार्वजनिक संस्थानों का रूपांतरण: नवाचार, भागीदारी और समावेशन को आगे बढ़ाना” थी।
- संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार (यूएनपीएसए) ने उन नवाचारी सार्वजनिक सेवा पहलों को सम्मानित किया, जिन्होंने विश्वभर में शासन और लोक प्रशासन में सुधार किया।

स्टैटिक जीके

- यूएनपीएसए की स्थापना वर्ष 2003 में की गई थी।
- यूएनपीएसए को लोक सेवा के क्षेत्र में सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय सम्मान माना जाता है।
- ये पुरस्कार व्यक्तिगत लोक सेवकों को नहीं, बल्कि सार्वजनिक संस्थानों और संगठनों को प्रदान किए जाते हैं।